- कर्नाटक राज्यपाल भी विधानमंडल के संयुक्त सत्र में नहीं देंगे अभिभाषण - 12

- रुपये को तगड़ा झटका, 67 पैसे टूटकर डॉलर के मुकाबले 91.64 पर आकर गिरा - 12

- संरा प्रभावी भूमिका निभाता तो बोर्ड ऑफ पीस की जरूरत ही नहीं पड़ती - 13

- पीवी सिंधू और किदाम्बी श्रीकांत इंडोनेशिया मास्टर्स के दूसरे दौर में - 14

आज का मौसम
22.0° अधिकतम तापमान
8.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.04
सूर्यास्त 05.44

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष चतुर्थी 02:28 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 22 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 59, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 6 रुपये

अरावली देश के पर्यावरणीय भविष्य का मुद्दा, अवैध खनन बर्दाश्त नहीं करेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने खनन संबंधी मुद्दों की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति बनाने की बात दोहराई

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि अवैध खनन से अपूरणीय क्षति हो सकती है, इसलिए वह अरावली में खनन और संबंधित मुद्दों की व्यापक एवं समग्र जांच के लिए संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों की एक समिति गठित करेगा। साथ ही कहा कि यह मुद्दा देश के पर्यावरणीय भविष्य से जुड़ा है और अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और न्यायमित्र के. परमेश्वर को चार सप्ताह के भीतर खनन क्षेत्र के विशेषज्ञ पर्यावरणविदों और वैज्ञानिकों के नाम सुझाने का निर्देश दिया, ताकि विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया जा सके। पीठ ने कहा कि समिति इस न्यायालय के निर्देशन और निगरानी में कार्य करेगी। कोर्ट ने

अपने उस आदेश को भी विस्तारित किया, जिसमें अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार करने वाले 20 नवंबर के निर्देशों को स्थगित रखा गया था। सुनवाई के दौरान न्यायालय को सूचित किया गया कि छिटपुट स्थानों पर अवैध खनन हो रहा है, और पीठ ने राजस्थान सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज के इस आश्वासन को रिकॉर्ड में लिया कि इस तरह का कोई भी अनधिकृत खनन नहीं होगा। अरावली पहाड़ियों की परिभाषा को लेकर उठे विवाद के बीच, उच्चतम न्यायालय ने अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की परिभाषा तथा उससे जुड़े मुद्दे शीर्षक से इस मामले पर स्वतः संज्ञान लिया था।

अरावली की नई परिभाषा को लेकर जारी बवाल के बीच, न्यायालय ने पिछले साल 29 दिसंबर को अपने 20 नवंबर के उन निर्देशों को स्थगित कर दिया था, जिनमें इन पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार किया गया था।

इन निर्देशों में अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा स्वीकार की गई थी। न्यायालय ने कहा था कि कुछ गंभीर अस्पष्टताओं का समाधान जरूरी है, जिनमें यह आशंका भी शामिल है कि 100 मीटर ऊंचाई और पहाड़ियों के बीच 500 मीटर की दूरी के मानक से अरावली का बड़ा हिस्सा पर्यावरण संरक्षण से बाहर हो सकता है। न्यायालय ने 20 नवंबर को अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार कर लिया था और विशेषज्ञों की रिपोर्ट आने तक दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में फैले इसके क्षेत्रों के भीतर नए खनन पट्टे देने पर प्रतिबंध लगा दिया था।

वायु प्रदूषण मामले में केंद्र व दिल्ली सरकार से कार्ययोजना मांगी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार समेत अन्य हितधारकों को निर्देश दिया कि वे दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बिगड़ते वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में सुधार के लिए केंद्रीय प्रदूषण निगरानी संस्था द्वारा अनुशंसित दीर्घकालिक उपायों पर अपनी-अपनी कार्य योजना चार सप्ताह के भीतर पेश करें।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की तीन न्यायाधीशों वाली पीठ ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी द्वारा प्रस्तुत वस्तु स्थिति रिपोर्ट का संज्ञान लिया। पीठ ने कहा कि सीएक्यूएम ने 15 दीर्घकालिक उपायों की सिफारिश की है और उन संबंधित एजेंसियों की भी पहचान की है, जो इन दीर्घकालिक उपायों को लागू करने में सक्षम हैं। पीठ ने कहा, सीएक्यूएम द्वारा सुझाए गए उपायों के अलावा भी कुछ अतिरिक्त दीर्घकालिक उपायों को अपनाने की आवश्यकता हो सकती है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सीएक्यूएम द्वारा अनुशंसित इन दीर्घकालिक उपायों को बिना किसी देरी के लागू किया जाना आवश्यक है। इसलिए हम हितधारकों से इन उपायों को लागू करने के लिए अपनी-अपनी कार्य योजना प्रस्तुत करने का आग्रह करते हैं। पीठ ने कहा कि यह न्यायालय इन उपायों के संबंध में किसी भी आपत्ति पर विचार करने के पक्ष में नहीं है।

न्याय, समता और बंधुता लोकतंत्र की आत्मा : योगी

- योगी का आह्वान-विधायिका बने संवाद, समन्वय और विकास का सशक्त मंच
- तीन दिवसीय 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन का समापन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि न्याय, समता और बंधुता संविधान के ये तीन शब्द भारत के लोकतंत्र की आत्मा हैं। इन्हें साकार करने का सबसे प्रभावी मंच विधायिका है।

उन्होंने आह्वान कि विधायिका संवाद, समन्वय और विकास का सशक्त मंच बने। विधानसभा में बुधवार को तीन दिवसीय 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि विधायिका न केवल कानून निर्माण की धुरी है, बल्कि समग्र विकास की कार्ययोजना गढ़ने का मंच भी है। जहां सहमति-असहमति के बीच संवाद से समाधान निकलता है। सीएम ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत की लोकतांत्रिक संस्थाएं अत्यंत मजबूत हैं और दुनिया के लिए प्रेरणा हैं। संसद और विधानसभाएं उस अंतिम व्यक्ति की आवाज को ताकत देती हैं, जो व्यवस्था की सबसे निचली सीढ़ी पर खड़ा है। योगी ने बताया कि नियमावली में बदलाव से अब सवा घंटे में 20 तारांकित प्रश्न व उनके साथ अनुपूरक प्रश्न पूछे जा रहे हैं, जिससे अधिक जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित हुई है।

विकसित भारत-विकसित उप्र पर ऐतिहासिक विमर्श

मुख्यमंत्री योगी ने सम्मेलन में पारित छह प्रस्तावों का अभिनंदन करते हुए कहा कि 'विजन-2047' को साकार करने के लिए 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' पर सत्ता-विपक्ष के 300 से अधिक सदस्यों ने 24 घंटे तक निरंतर चर्चा की। उन्होंने बताया कि देर रात तक सदन में विचार-मंथन चलता रहा और व्यावहारिक सुझाव सामने आए।

तकनीक, प्रशिक्षण और नियमित बैठकें

योगी ने वर्ष में कम से कम 30 बैठकों के प्रस्ताव का स्वागत करते हुए इसे संसद से लेकर नगर निकायों और पंचायतों तक के लिए प्रेरक बताया। उन्होंने कहा कि तकनीक के युग में पीछे नहीं रहा जा सकता। इसीलिए यूपी में ई-विधान, पेपरलेस कैबिनेट और पेपरलेस बजट लागू किए गए हैं। जनप्रतिनिधियों का तकनीकी प्रशिक्षण भी उतना ही जरूरी है।

ब्रीफ न्यूज

5.85 करोड़ मूल्य का कोबरा का विष जब्त

सूरत। गुजरात पुलिस ने 5.85 करोड़ रुपये मूल्य का कोबरे का जहर जब्त कर सात लोगों को गिरफ्तार किया है। कोबरे का जहर रेव पार्टियों में उपयोग किए जाने वाले नशीले पदार्थ और जीवन रक्षक दवाएं बनाने के लिए किया जाता है। जांच में पता चला कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों ने घनश्याम सोनी नामक व्यक्ति से कमीशन पर बेचने के लिए 5.85 करोड़ का 6.5 मिलीलीटर कोबरा विष लिया था। पहली बार इतनी बड़ी मात्रा में विष बरामद हुआ है।

शबरिमला : पद्मकुमार व अन्य की याचिका खारिज

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने शबरिमला में सोना चोरी होने के मामले में टीडीबी के पूर्व अध्यक्ष ए पद्मकुमार और दो अन्य की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। न्यायमूर्ति ने पद्मकुमार, प्रशासनिक अधिकारी बी. मुरारी बाबू राहत व एक अन्य को राहत देने से इनकार कर दिया।

प्रयागराज में सेना का हल्का विमान क्रैश, तालाब में गिरा

नई दिल्ली/प्रयागराज, एजेंसी

- दोनों पायलट सुरक्षित माघ मेला से ठीक तीन किमी दूर हुआ हादसा

वायु सेना का एक हल्का, विमान इंजन में तकनीकी गड़बड़ी आने के कारण बुधवार को प्रयागराज में हादसे का शिकार हो गया। विमान में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं। यह हादसा माघ मेले से 3 किमी दूरी पर हुआ।

भारतीय वायु सेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि घटना के कारण का पता लगाने के लिए उसने जांच का आदेश दिया है। इस तरह के अत्यंत हल्के विमान का उपयोग आमतौर पर प्रशिक्षण, पक्षी सर्वेक्षण और भू सर्वेक्षण कार्यों में किया जाता है। हादसा उस वक्त हुआ, जब विमान एक नियमित उड़ान पर था। हादसे के दौरान विमान की रिकवरी (पैराशूट) प्रणाली सक्रिय की गई और दोनों पायलट सुरक्षित हैं। वायु सेना ने कहा, एक माइक्रोलाइट विमान में, 21 जनवरी को दोपहर सवा बारह बजे प्रयागराज के निकट बमरौली वायु सेना स्टेशन से नियमित उड़ान के दौरान तकनीकी गड़बड़ी आ गई और उसे एक निर्जन इलाके में सुरक्षित रूप से उतारा गया तथा जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ। प्रयागराज में अधिकारियों ने दुर्घटना स्थल की घेराबंदी कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

चुनाव आचार संहिता उल्लंघन मामले में अब्बास अंसारी के खिलाफ आरोप तय

मऊ। जिले की विशेष सांसद/विधायक अदालत ने 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में मऊ सदर से विधायक अब्बास अंसारी के खिलाफ बुधवार को आरोप तय किए।

- जिले की एक विशेष सांसद/विधायक अदालत ने आरोप तय किए

सुभासपा के विधायक अंसारी, दक्षिण टोला थाने में दर्ज मामले के सिलसिले में अदालत में पेश हुए। यह मामला फरवरी 2022 में दर्ज किया गया था। वकील दरोगा सिंह ने बताया कि चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के लिए 2022 में अंसारी के खिलाफ जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 133 (चुनावों में अवैध रूप से वाहन किराए पर लेने या खरीदने पर दंड) के तहत मामला दर्ज किया गया था। बाद में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में आरोप मुक्त करने का आवेदन दायर किया गया, लेकिन उसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ. केपी सिंह की विशेष सांसद/विधायक अदालत ने बुधवार को विधायक के खिलाफ आरोप तय किए।

सोने में 6,500 रुपये का उछाल, 1.60 लाख पहुंचा

नइ दिल्ली, एजसी

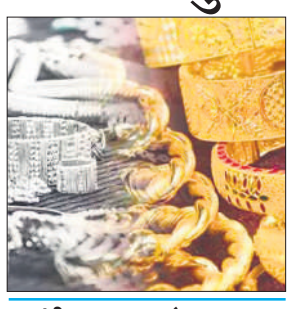

राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना और चांदी नए शिखर पर पहुंच गए। सोने की कीमत 1.60 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी 3.34 लाख प्रति किलोग्राम पर रही।

- चांदी 11,300 रुपये बढ़कर 3,34,300 रुपये प्रति किग्रा हुई

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 6,500 रुपये यानी 4.24 प्रतिशत बढ़कर 1,59,700 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गया।

मंगलवार को, सोने ने पहली बार देश की राजधानी में 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के महत्वपूर्ण स्तर को पार किया। स्थानीय सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत में भी लगातार नौवें दिन तेजी जारी रही। चांदी की कीमत 11,300 रुपये बढ़कर 3,34,300 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 20,400 रुपये बढ़कर 3,23,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

वाई-फाई को बढ़ावा, 6 गीगाहर्ट्ज बैंड में 500 मेगाहर्ट्ज का स्पेक्ट्रम लाइसेंस मुक्त

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग ने छह गीगाहर्ट्ज बैंड की निचली फ्रीक्वेंसी रेंज में 500 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम को लाइसेंस-मुक्त करने की अधिसूचना जारी कर दी है। इस कदम से देश में वाई-फाई सेवाओं को काफी प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

- दूरसंचार विभाग ने अधिसूचना जारी की

यह अधिसूचना 16 मई, 2025 को जारी मसौदा गजट अधिसूचना में छह गीगाहर्ट्ज बैंड वाली इस फ्रीक्वेंसी को लाइसेंस से मुक्त करने के इरादे की घोषणा के करीब छह महीने बाद जारी की गई है। अधिसूचना के मुताबिक, 5925-6425 मेगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी बैंड में कम-पावर इनडोर और बहुत कम पावर वाले आउटडोर वायरलेस एक्सेस सिस्टम (रेडियो लोकल एरिया नेटवर्क (वाई-फाई) शामिल) के संचालन के लिए किसी लाइसेंस या फ्रीक्वेंसी आवंटन की जरूरत नहीं होगी।

ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होगा इजराइल, नेतन्याहू हुए सहमत

यरुशलम, एजेंसी

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने के लिए सहमति दे दी है। इस घोषणा से पहले नेतन्याहू के कार्यालय ने गाजा पर निगरानी के लिए बोर्ड की कार्यकारी समिति की संरचना की आलोचना की थी।

ट्रंप के नेतृत्व वाले 'बोर्ड ऑफ पीस' की परिकल्पना मूलरूप से विश्व के कुछ चुनिंदा नेताओं के एक छोटे समूह के रूप में की गई है, जो गाजा युद्धविराम योजना की देखरेख करेगा। ट्रंप प्रशासन की

- गाजा युद्धविराम योजना की देखरेख करेगा 'बोर्ड ऑफ पीस'

महत्वाकांक्षाएं अब एक व्यापक अवधारणा में तब्दील हो गई हैं, जिसमें ट्रंप ने दर्जनों देशों को निमंत्रण भेजा है और संकेत दिया है कि यह जल्द ही वैश्विक संघर्षों में मध्यस्थता करेगा। नेतन्याहू की यह घोषणा उनके पहले के रुख के विपरीत है।

ग्रीनलैंड पर नियंत्रण को नहीं करेंगे बल प्रयोग : ट्रंप

दावोस। राष्ट्रपति ट्रंप ने विश्व आर्थिक मंच की बैठक में कहा कि वह ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए बल का प्रयोग नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका तेजी से तरक्की कर रहा है, लेकिन यूरोप सही दिशा में आगे नहीं बढ़ रहा है। ट्रंप ने नाटो में सहयोगी डेनमार्क से ग्रीनलैंड का नियंत्रण हासिल करने की इच्छा जताई है। उनकी यह महत्वाकांक्षा अमेरिका के कई करीबी सहयोगियों से संबंधों को खराब करने का खतरा पैदा कर रही है। वैश्विक मंच पर ट्रंप की उपस्थिति अन्य देशों के साथ उनकी शिकायतों पर अधिक केंद्रित रही।

बदलाव केंद्र सरकार के निर्देश पर बदला गया नाम, नोटिफिकेशन जारी, उप्र में 'लोक भवन' पहले से था, इसलिए नाम रखा 'जन भवन'

यूपी में 'राजभवन' का नाम बदला, अब 'जनभवन'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में राज्यपाल के आधिकारिक आवास और कार्यालय के नाम में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया है। लखनऊ स्थित राजभवन को अब आधिकारिक रूप से 'जन भवन' के नाम से जाना जाएगा।

इस संबंध में राज्य सरकार ने औपचारिक अधिसूचना (नोटिफिकेशन) जारी कर दिया है। यह बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। यहां पहले से ही मुख्यमंत्री का प्रशासनिक कार्यालय 'लोक भवन' के नाम से है। एक ही शहर में दो महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्थानों के लिए समान नाम होने से प्रशासनिक भ्रम की आशंका थी। इसी कारण 'लोक भवन' के स्थान पर 'जन भवन' नाम को अंतिम रूप दिया गया। यह निर्णय गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों

के क्रम में लिया गया है। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को राज्यपालों एवं उप राज्यपालों के आधिकारिक आवासों के नाम अधिक जनोन्मुखी और लोकतांत्रिक भावना के अनुरूप रखने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार ने भी 'राजभवन' का नाम बदलने का फैसला किया। अब तक 'राजभवन' के नाम से पहचाने जाने वाले राज्यपाल के आधिकारिक आवास को आगे से सभी शासकीय, प्रशासनिक और वैधानिक कार्यों में 'जन भवन' के नाम से ही संबोधित किया जाएगा। शासन स्तर पर आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं और आने वाले समय में सरकारी पत्राचार, निमंत्रण पत्र, दस्तावेज, साइन बोर्ड और अन्य आधिकारिक संकेतकों में भी 'जन भवन' नाम का ही प्रयोग किया जाएगा। यह प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से पूरी की जाएगी।

औपनिवेशिक सोच से दूरी का प्रयास

केंद्र सरकार के इस कदम को औपनिवेशिक मानसिकता के अवशेषों से दूरी बनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। गृह मंत्रालय ने राज्यपालों के एक सम्मेलन में हुई चर्चा का हवाला देते हुए कहा था कि 'राज' शब्द ब्रिटिश शासनकाल की मानसिकता को दर्शाता है, जबकि स्वतंत्र भारत में शासन व्यवस्था जनता-केंद्रित होनी चाहिए। इसी सोच के तहत देश के कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने यहां राजभवन के नाम बदले हैं। यूपी ने हालांकि 'लोक भवन' के बजाय 'जन भवन' नाम अपनाकर एक अलग पहचान बनाई है।

इन राज्यों में पहले ही बदला गया नाम

यूपी से पहले ही पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम, उत्तराखंड, ओडिशा, गुजरात और त्रिपुरा के राज भवनों के नाम बदले गए हैं। उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु समेत आठ राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश ने औपनिवेशिक काल की पहचान मिटाने के लिए अपने राज भवन का नाम बदलकर लोक भवन कर दिया है। लद्दाख के उप राज्यपाल के निवास-कार्यालय को अब लोक निवास कहा जाएगा। इसे पहले राज निवास कहा जाता था।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 22 जनवरी 2026

पीलीभीत

न्यूज ब्रीफ

केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद आज आएंगे

पीलीभीत, अमृत विचार : केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद 22 जनवरी को आएंगे। बीसलपुर क्षेत्र के कितनापुर भौरुआ में देवहा नदी पर हाल ही में स्वीकृत कराये पुल और सड़क निर्माण की आधार शिला रखेंगे। जल्लापुर गांव में रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण वीबी- जी राम जी को लेकर जनसंवाद एवं कार्यशाला में शामिल होंगे। टिकरी मंडल के भाजपा मंडल अध्यक्ष हरिशंकर श्रीवास्तव के पुत्र और भतीजे की सड़क दुर्घटना में हुए निधन को लेकर उनके आवास पर जाकर शोक संवेदना व्यक्त करेंगे।

हनुमान चालीसा पाठ आज होगा

पीलीभीत, अमृत विचार : अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर में रामलला की स्थापना की द्वितीय वर्षगांठ पर अखिल भारत हिन्दू महासभा की ओर से धार्मिक एवं संगठनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिलाध्यक्ष पंकज शर्मा ने बताया कि ईदगाह रेलवे क्रासिंग के पास स्थित आदर्श चैतन्य शिव मंदिर में श्री राम स्तुति, हनुमान चालीसा पाठ, आरती एवं प्रसाद वितरण शाम पांच बजे से किया जाएगा।

26 से होगा अखंड पाठ रामायण

पीलीभीत, अमृत विचार : रामलीला मैदान स्थित मां काली मंदिर में दो दिवसीय धार्मिक आयोजन होगा। पहले दिन 26 जनवरी को अखंड पाठ रामायण सुबह दस बजे से होगा। दूसरे दिन 27 जनवरी को दोपहर एक बजे से भंडारा होगा। ये आयोजन पूर्व प्रधान वाहनपुर देवकी देवी की ओर से पुत्रवधू मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा के सहयोग से कराया जाएगा।

जेब से मोबाइल निकालने वाला दबोचा

तिलहर, अमृत विचार : कछियानी खेड़ा हनुमान मंदिर पर आयोजित भंडारे के दौरान जेब से मोबाइल निकालने वाले युवक को भीड़ ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। गांव चौडेरा थाना रामचंद्र मिशन शाहजहांपुर निवासी अशोक सक्सेना ने बताया कि वह भंडारे में खाना बना रहे थे, तभी एक युवक उनकी जेब से वीवो कंपनी का मोबाइल निकाल रहा था। लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी ने बताया कि उसका दानिश पुत्र शमीम निवासी पक्का कटरा तिलहर है। आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

790 आंगनबाड़ी केंद्र सक्षम केंद्रों के रूप में हो रहे विकसित

एलईडी, बच्चों के बैठने को कुर्सियां समेत वॉल पेंटिंग एवं अन्य सुविधाएं की जा रहीं स्थापित, 1960 आंगनबाड़ी केंद्र हैं संचालित

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जनपद के 790 आंगनबाड़ी केंद्रों को सक्षम केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से लैस कर बच्चों के समग्र विकास के लिए उपयुक्त बनाया जा रहा है। आंगनबाड़ी केंद्रों में एलईडी, बच्चों के बैठने के लिए कुर्सियां समेत वॉल पेंटिंग एवं अन्य सुविधाएं स्थापित करने की दिशा में बाल विकास विभाग द्वारा तेजी से कार्य किया जा रहा है। इन कार्यों से न केवल आंगनबाड़ी केंद्रों की भौतिक स्थिति में सुधार होगा, बल्कि बच्चों को पोषण, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी भी प्राप्त हो सकेगी।

जनपद में छह वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों एवं महिलाओं को बाल विकास पुष्टाहार विभाग की योजनाओं का लाभ देने के लिए 1960 आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन किया जा रहा है। जिनमें 1800 आंगनबाड़ी कार्यकत्री कार्यरत हैं। इन केंद्रों पर शून्य से छह वर्ष तक के करीब 02 लाख बच्चे पंजीकृत हैं, जिन्हें पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाएं प्रदान की जाती हैं। जनपद इन सभी आंगनबाड़ी केंद्रों की निगरानी के लिए आठ बाल विकास परियोजना कार्यालय कार्यरत हैं, वहीं 27 मुख्य सेविकाएं भी सेवाएं दे रही हैं। सरकार की ओर से इन आंगनबाड़ी केंद्रों को बेहतर बनाने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

इधर आंगनबाड़ी केंद्रों को प्राइवेट प्ले स्कूल की तर्ज पर विकसित करने को सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 से जोड़ा जा रहा है। इस योजना के तहत जनपद में 790 आंगनबाड़ी केंद्रों को सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से लैस कर बच्चों के समग्र विकास के लिए उपयुक्त बनाया जा रहा है।

यह है सक्षम योजना

सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जो 2021 से 2026 तक लागू की गई है। इसका उद्देश्य कुपोषण को समाप्त करना, बच्चों, महिलाओं को पोषण के प्रति जागरूक बनाना और आंगनबाड़ी केंद्रों का आधुनिकीकरण करना है। यह योजना पोषण ट्रैकर डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिये निगरानी व मूल्यांकन को अधिक प्रभावी बनाती है।

योजना के तहत सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों के आधुनिकीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है। यह तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाएगा। इन केंद्रों के माध्यम से बच्चों को एक समृद्ध और शिक्षाप्रद वातावरण मिलेगा, जो उनके प्रारंभिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

-युगल किशोर सांगुड़ी, जिला कार्यक्रम अधिकारी।

- केंद्रों को पोषण और जागरुकता का मॉडल बनाने में जुटा पुष्टाहार विभाग

मरौरी ब्लॉक के गांव चौड़ाखेड़ा का समक्ष आंगनबाड़ी केंद्र। ● अमृत विचार

सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र में स्थापित की गई एलईडी। ● अमृत विचार

चयनित केंद्रों को दी जा रहीं यह सुविधाएं

चयनित सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को बेहतर सीखने का माहौल उपलब्ध कराने के लिए स्मार्ट क्लास की सुविधा दी जा रही है। जिसमें एलईडी स्क्रीन के माध्यम से शैक्षणिक सामग्री दिखाई जाएगी। विभाग के मुताबिक चयनित सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों में से अब तक 682 केंद्रों को एलईडी उपलब्ध भी करा दी गई। इसके अलावा केंद्रों पर पोषण वाटिका, बच्चों के बैठने के लिए कुर्सियां, रंग-बिरंगी वॉल पेंटिंग, मैट, पीने का पानी, शौचालय, खिलौने जैसी मूलभूत सुविधाएं भी सुनिश्चित की जा रही है। सक्षम आंगनबाड़ी योजना के तहत कराए जा रहे इन कार्यों से न केवल आंगनबाड़ी केंद्रों की भौतिक स्थिति में सुधार होगा, बल्कि बच्चों को पोषण, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी भी प्राप्त हो सकेगी।

आंगनबाड़ी केंद्र पर बच्चों की जानकारी के लिए की गई वॉलपेंटिंग। ● अमृत विचार

हिंदू सम्मेलन की सफलता को निकाली बाइक रैली

दियोरियाकलां, अमृत विचार: जूनियर हाईस्कूल में 25 जनवरी को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाना है। इसकी सफलता के लिए भाजपा नेता अक्षत चंदेल की अगुवाई में बुधवार को बाइक रैली निकाली गई। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

बाइक रैली इलावांस देवल, मोहम्मदपुर, किशनपुर, खपटिया, बसेंगा, गोपालपुर, मीरपुर रतनपुर, जसूपुर, जमुनिया महुआ, भगौतीपुर, अकोड़ा, नौगमियां, मुड़िया भगवन्तपुर, मकरंदापुर, मधवापुर खरदहाई सहित कई गांवों से होकर गुजरी। लोगों से हिंदू सम्मेलन में शामिल होने का आमंत्रण किया गया। युवाओं को हिंदू समाज की मुख्य धारा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया। कहा कि हिंदू समाज एकजुट होकर सनातन संस्कृति की रक्षा करें। भाजपा नेता ने कहा कि आजकल कुछ नौजवान अपनी दिशा से भटक रहे हैं उन्हें सही राह पर लाना ही हिंदू सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य है। इस मौके पर सहकारी समिति के अध्यक्ष विश्व प्रकाश मिश्रा, पप्पू मिश्रा, प्रेमपाल, राधेश्याम, राजेंद्र कुमार, हरीश मौर्या, अवधेश मिश्रा, ध्रुव कुमार, अजयपाल मौर्या आदि मौजूद रहे।

स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर बुलाई बैठक, शुरू किए दूसरे सवाल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: स्मार्ट मीटर को लेकर व्यापारियों में बनी भ्रम की स्थिति को लेकर तस्वीर साफ करने के लिए गांधी सभागार में बुधवार को प्रशासन ने व्यापारियों संग बैठक की। जिसकी अध्यक्षता सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर ने की। पावर कॉरपोरेशन के तीनों डिवीजन के एक्सईएन शामिल हुए। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की ओर से जिलाध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल ने स्मार्ट मीटर से संबंधित विषय पर एक लिखित विधिक पत्रक प्रस्तुत किया।

उन्होंने ये प्रश्न उठाया कि स्मार्ट मीटर लगाना अनिवार्य है या स्वैच्छिक। जिस पर बैठक के दौरान कोई स्पष्ट एवं लिखित उत्तर प्राप्त नहीं हो सका। विद्युत विभाग की ओर से एक गैजेट अधिसूचना अवश्य प्रस्तुत की गई, लेकिन उसके विधिक विश्लेषण या अध्ययन का अवसर बैठक में उपलब्ध नहीं कराया गया। बैठक के दौरान विद्युत विभाग की अन्य समस्याओं पर चर्चा शुरू कर दी गई। जिसके चलते स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता जैसे मूल विषय पर समुचित विमर्श नहीं हो सका। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल ने कहा कि यह विषय केवल व्यापारियों का नहीं, बल्कि सामान्य उपभोक्ताओं के अधिकारों से जुड़ा है।

जन धारणा एवं नीतिगत चर्चाओं में स्मार्ट मीटर को नीतिगत चर्चाओं में वैयक्तिक/स्वैच्छिक बताया जाता है, तब उसे व्यवहार में अनिवार्य रूप से लागू किया जाना और कानूनी स्पष्टता का अभाव असहज स्थिति उत्पन्न करता है। यह भी कहा कि जनसामान्य एवं व्यापारी वर्ग की इस विषय पर उदासीनता दुर्भाग्यपूर्ण है। अधिकार तभी सुरक्षित रहते हैं, जब उनके लिए समय रहते प्रश्न पूछे जाएं। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने स्पष्ट किया कि संगठन न तकनीक का विरोध करता है और न प्रशासन का, बल्कि केवल यह चाहता है कि किसी भी व्यवस्था को लागू करने से पूर्व उसकी वैधानिक स्थिति पूर्णतः स्पष्ट हो और उपभोक्ताओं को भ्रम की स्थिति में न रखा जाए। इस विषय पर शांतिपूर्ण, विधिक एवं तथ्यात्मक तरीके से अपनी बात आगे भी रखी जाएगी।

बैठक में मौजूद अधिकारी और व्यापारी। ● अमृत विचार

- भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष बोले-स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता पर स्पष्टता नहीं

बच्चों को दी गई विभिन्न जानकारी

विद्यालय के कार्यक्रम में मौजूद बच्चे। ● अमृत विचार

संवाददाता, जहानाबाद

अमृत विचार: पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय शाही का नेशनल इंटर कॉलेज जहानाबाद के साथ ट्यूनिंग कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में विद्यालय के 40 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

ट्रेनिंग कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं ने बायोलॉजी लैब, केमिस्ट्री लैब और कंप्यूटर पर कई तरीके से कार्य करने का अनुभव प्राप्त किया। इस मौके पर विमलेश कुमारी, पूजा चौहान, निखत आदि मौजूद रहे।

- कार्यक्रम में विद्यालय के 40 छात्र छात्राओं ने किया प्रतिभाग

किसान दिवस में डीएम ने सुनीं किसानों की समस्याएं

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: डीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुए किसान दिवस पर किसानों ने अपनी समस्याएं रखीं। शिकायतों को गंभीरता से सुनने के बाद डीएम ने त्वरित निस्तारण को संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान विभिन्न विभागों से आए अधिकारियों ने अपने विभाग में संचालित योजनाओं के बारे में किसानों को विस्तार से जानकारी दी। डीएम ने किसानों से गांवों में 70 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड बनवाने की भी अपील की।

गांधी सभागार में बुधवार को डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन हुआ। इस दौरान अधिकारियों ने वर्तमान में एग्रीस्टैक योजनान्तर्गत चल रही फार्मर रजिस्ट्री के लाभ के बारे में किसानों को बताया। कहा गया कि अधिक से अधिक किसान जन सुविधा केंद्रों के माध्यम से फार्मर रजिस्ट्री करा लें, ताकि पीएम किसान सम्मान निधि की अगली किस्त उनके खातों में पहुंच सके। भारतीय किसान यूनियन के प्रतिनिधि गुरदीप सिंह ने बताया कि माला जंगल से होकर निगोही ब्रांच नहर गुजर रही है। नहर में इन दिनों सिल्ट भरी हुई है। उन्होंने सिल्ट सफाई कराने की मांग की।

भारतीय किसान यूनियन के जिला प्रभारी बलराम सिंह काहलो ने समस्याए रखते हुए कहा कि एआरटीओ द्वारा गन्ना किसानों की गन्ने से भरी ट्रालियां रोककर उन्हें सीज भी किया जा रहा है, जिस पर तत्काल रोक लगाई जाए। किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष वेदप्रकाश शर्मा ने कहा कि नहरों की सफाई वर्ष में मात्र एक बार कराई जाती है। जिससे उसमें काफी सिल्ट जमा हो जाती है।

नहरों में सिल्ट सफाई का कार्य वर्ष में दो बार कराई जाए। डीएम ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनने के बाद उनके निस्तारण को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने किसानों की अपील करते हुए कहा कि अपने गांवों में 70 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए प्रेरित करें। विभिन्न विभागों से आये अधिकारियों के द्वारा अपने विभाग में संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई।

इस मौके पर उप कृषि निदेशक राम मिलन परिहार, जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम भार्गव, डीपीआरओ रोहित भारती, सहायक निबंधक सहकारिता प्रदीप कुमार, अधिशासी अभियंता विद्युत आशीष यादव, अग्रणी जिला प्रबंधक राजकुमार सेठ समेत अन्य अधिकारी एवं किसान मौजूद रहे।

गांधी सभागार में किसान दिवस में किसानों की समस्याएं सुनते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह।

- शिकायतों के त्वरित निस्तारण को संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

प्रवेश के लिए 20 तक जमा करें फार्म

पीलीभीत, अमृत विचार: समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय माधोटांडा में कक्षा छह से नौ में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से रिक्त स्थानों पर प्रवेश लिए जाएंगे। इच्छुक छात्र/अभिभावक प्रवेश के लिए आवेदन पत्र विद्यालय से निःशुल्क प्राप्त कर आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, आधारकार्ड, अंकपत्र, जन्मप्रमाण पत्र, चिकित्सा प्रमाणपत्र एवं दो फोटो संलग्न कर 20 फरवरी तक विद्यालय में जमा कर दें। ऑनलाइन लिंक https://ats.upsdc.gov.in के माध्यम से आवेदन भी कर सकते हैं। पात्र छात्रों की सूची का प्रकाशन 25 फरवरी और प्रवेश परीक्षा 15 मार्च को विद्यालय में सुबह 11 बजे से होगी। सफल छात्रों की सूची का प्रकाशन एवं प्रवेश 23 मार्च से होगा। कक्षा छह में अनुसूचित जाति की 42, अन्य पिछडावर्ग की 18 और सामान्य के 10 रिक्त स्थान हैं।

सपा ने विधानसभा वार दी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: एसआईआर को लेकर हाईकमान की गंभीरता के बाद जिला स्तर पर भी समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष ने विधानसभावार पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी है। इसके अलावा कार्यालय पर पहुंचने वाले लोगों की समस्याओं को सुनने और समाधान कराने के लिए भी एक उपाध्यक्ष को जिम्मा सौंपा है।

एसआईआर अभियान के तहत नए मतदाता बनवाने, गलत मतदाताओं के नाम कटवाने, मतदाता सूची के शुद्धीकरण के लिए फार्म छह, सात और आठ को लेकर कार्य राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के दिशा निर्देश पर काम कराया जा रहा है। इसी क्रम में विधानसभाओं की नियमित समीखा और अभियान के कार्यों के सुचारू एवं प्रभावी संचालन के लिए जिला कार्यकारिणी के उपाध्यक्षों को विधानसभा वार जिम्मेदारी सौंपी गई है। सदर विधानसभा क्षेत्र में नरेंद्र मिश्र कट्टर, रुपराम कश्यप, बरखेडा. में बालम राम सागर, कांशीराम सरोज, नरेंद्र मिश्रा कट्टर, पूरनपुर में जिला उपाध्यक्ष अशोक सिंह, पवन सिंह यादव, काशीराम सरोज, बीसलपुर में जिला उपाध्यक्ष बीडी प्रजापति, मखदूम खान को जिम्मेदारी दी है।

कार्यालय पर आने वाले लोगों की समस्याएं सुनने के लिए अकबर अहमद अंसारी को जिम्मेदारी दी है। जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने कहा कि सौंपे गए दायित्व को पदाधिकारी गंभीरता से निभाएं। क्षेत्र में किए गए कार्यों की प्रगति रिपोर्ट समय समय पर पार्टी कार्यालय में जमा करें ताकि उसे प्रदेश कार्यालय भेजा जा सके।

- कार्यालय पर आने वाले लोगों की समस्याएं सुनने के लिए भी पदाधिकारी तय

बरखेड़ा मिल ने चुकता किया पिछला बकाया

बरखेड़ा, अमृत विचार: बजाज हिन्दुस्थान चीनी मिल बरखेड़ा ने बुधवार को पेराई सत्र 2024-25 के बकाया गन्ना मूल्य का समस्त भुगतान 165.84 करोड़ रुपये किसानों के बैंक खातों में भेज दिया है। इकाई प्रमुख जितेन्द्र सिंह जादौन ने बताया कि चीनी मिल किसानों का समस्त गन्ना खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है। इकाई प्रमुख ने क्षेत्रीय गन्ना किसानों से अपील है कि वह अपना गन्ना कोल्हू क्रेशर पर न बेचें, अपना समस्त गन्ना चीनी मिल को ही आपूर्ति करें। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि आगामी बसन्त कालीन गन्ना बुआई में उन्नतशील प्रजातियों की ही बुआई करें। बुआई के लिए बीज अभी से सुरक्षित कर लें। अगर किसी को बीज की आवश्यकता है तो उसे चीनी मिल द्वारा भी बीज उपलब्ध कराया जाएगा।

यातायात नियमों का पालन करें और कराएं

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचार: एचआरपी डिग्री कॉलेज में सड़क सुरक्षा माह के तहत प्रभारी राकेश कुमार के द्वारा थाना पुलिस के सहयोग से गोष्ठी का आयोजन कराया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. वंदना शर्मा ने की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रबंध निदेशक डॉ. मुकेश गुप्ता रहे।

दरोगा महेश कुमार, सुभाष चंद्र पाठक, गंधरपाल सिंह, सिपाही रोहित बालियान, अशोक कुमार, ओम प्रकाश, निखिल कुमार, श्यामाचरन ने बुधवार को महाविद्यालय पहुंचकर कार्यक्रम में भाग लेकर सुरक्षित यातायात के लिए आवश्यक निर्देश व महत्वपूर्ण जानकारियां छात्र-छात्राओं को विस्तार से दी। दरोगा महेश कुमार ने शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में बताया। यातायात के चिह्नों के बारे में जानकारी दी गई। नियमों का पालन करने और दूसरों को कराने की अपील की। प्राचार्या डॉ.वंदना शर्मा, प्रबंध निदेशक डॉ. अनूप बेरी, आशीष गुप्ता ने विचार रखे। संचालन चीफ प्राक्टर कौशल कुमार गंगवार ने किया। कार्यक्रम में डॉ.मोहम्मद इलयास, महेंद्र पाल गंगवार, सोमपाल, निखिल शर्मा, अमित कुमार, पुष्पा, कुसुम लता, प्रेमलता, हेमेश्वर मिश्रा आदि स्टाफ मौजूद रहा।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को जागरूक करते पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

- सुरक्षित यातायात के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण जानकारियां छात्र-छात्राओं को विस्तार से दीं

नियम उल्लंघन करने वालों पर शिकंजा, 123 चालान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर पुलिस ने शिकंजा कसा। हाईवे और मुख्य चौराहों पर चेकिंग की गई। जिसके बाद चालान किए गए और नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया।

डीआईजी/एसपी अभिषेक यादव के निर्देश पर राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत यातायात पुलिस विशेष अभियान चला रही है। इसमें डग्गामार वाहनों, अवैध रूप से संचालित व नियतन से अधिक सवारी बैठाकर चलने वाले वाहनों को चेक किया जा रहा है। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले दो पहिया और चार पहिया वाहन चालकों को रोक कार्रवाई की गई। असम व टनकपुर हाईवे पर मुख्य चौराहों पर चेकिंग अभियान चला। टीएसआई राघवेंद्र सिंह ने बताया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 123 वाहनों का चालान करते हुए 148500 रुपये शमन शुल्क अधिरोपित किया गया है। 35 डग्गामार वाहनों पर भी कार्रवाई की गई है।

कार को रोक चेकिंग करता पुलिसकर्मी।

अंडरपास बना मुसीबत, रहता है जलभराव

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : रेलवे के अंडरपास में जलभराव की समस्या कम होने का नाम नहीं ले रही है। कई अन्य स्थानों की भांति ही बरहा अंडरपास में भी जलभराव की समस्या रोज की हो गई है। यहां पंपिंग सेट लगाकर पानी को निकाला जाता है लेकिन दूसरे ही दिन फिर हालात जस के तस हो जाते हैं।

शहर से बरहा गांव होते हुए पूरनपुर रोड (असम हाईवे) को जोड़ने वाले मार्ग पर बरहा गांव में अंडरपास बनाया गया है। इस मार्ग से अधिकतर छोटे वाहन के अलावा करीब दस से अधिक गांव के ग्रामीणों की आवाजाही है। मगर इसमें आए दिन जलभराव की स्थिति बनी रहती है। इन दिनों बारिश नहीं है, लेकिन अंडर पास से गुजरा जाए तो जलभराव को झेलना पड़ेगा। कई फिट पानी भरा रहता है। ऐसा नहीं कि समाधान की व्यवस्था नहीं। वैकल्पिक इंतजाम के लिए पंपिंग सेट लगाकर कर्मचारी भी सुबह शाम पहुंचता है। मगर स्थाई इंतजाम नहीं है। शाम को सुधार के बाद रात को दोबारा जलभराव हो जाता है, जिसके बाद सुबह के वक्त राहगीरों की परेशानी बढ़ जाती है।

राहगीरों का कहना है कि लंबे समय से जलभराव की समस्या है। जलभराव की समस्या बढ़ गई है। अभी से ऐसा हाल है तो बारिश के दिनों में तो निकलना ही बंद हो जाएगा। राहगीरों को कीचड़ और गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है, जबकि बाइक चालकों को भी परेशानी है। समस्या समाधान की मांग की है।

बरहा अंडरपास में जलभराव से गुजरते राहगीर। ● अमृत विचार

- पंपिंग सेट की व्यवस्था तो है, मगर रोज भर रहा पानी

शहर में आज

- आदर्श चैतन्य शिव मंदिर पर हनुमान चालीसा पाठ शाम 05 बजे।
- यूपी बोर्ड की प्री बोर्ड परीक्षा के तहत इंटरमीडिएट का पेपर सुबह 10 बजे से।
- पशुपालन विभाग की ओर से खुरपका मुहंपका से बचाव को टीकाकरण सुबह 10 बजे से।
- सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा मुहिम के तहत जागरूकता कार्यक्रम सुबह 10 बजे से।
- पावर कॉरपोरेशन की ओर से बिजली बिल राहत योजना के शिविर सुबह 10 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

दामाद के खिलाफ अपहरण का मुकदमा

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार : न्यायालय के आदेश पर थाना पिहानी क्षेत्र के गांव हन्न पसगवां निवासी राधिका की ओर से दामाद के खिलाफ युवती को गायब करने का मुकदमा दर्ज कराया गया है। बताया गया कि गांव आटा खुर्द निवासी राकेश 10 जुलाई 2025 को अपनी पत्नी सुशीला के साथ हरिद्वार में नौकरी करने गया था, जहां से उसकी पत्नी अचानक गायब हो गई। हरिद्वार में गुमशुदगी दर्ज होने के बावजूद महिला का पता नहीं चल सका, जिसके बाद राकेश गांव लौट आया। थाना प्रभारी उमेश कुमार मिश्र ने बताया कि हरिद्वार में महिला की गुमशुदगी दर्ज है और उसे शीघ्र बरामद किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी

खुटार, अमृत विचार : प्रतापपुर गांव निवासी विपिन कुमार ने थाने में तहरीर देकर बताया है कि मंगलवार रात उसकी बाइक घर के बाहर बरामदे में खड़ी हुई थी। सुबह देखा तो बाइक गायब थी। काफी तलाश करने पर भी बाइक का कुछ पता नहीं चला। रात में किसी समय अज्ञात चोर बाइक को चोरी कर ले गया।

साप्ताहिक बाजार से बाइक चोरी

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार : कस्बे में लगने वाली साप्ताहिक बाजार से गांव लक्ष्मनपुर निवासी अमर सिंह पुत्र हरद्वारी की हीरो डीलक्स बाइक चोरी हो गई। अमर सिंह बाइक को सब्जी बाजार के बाहर सड़क किनारे दुकानों के सामने खड़ी कर सब्जी खरीदने चले गए थे। लौटने पर बाइक मौके से गायब मिली। थाना प्रभारी उमेश कुमार मिश्र ने बताया कि मामले की कोई लिखित सूचना प्राप्त नहीं हुई है, सूचना मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कार की टक्कर लगने से बाइक सवार की मौत, साथी घायल

अखौली गांव में नामकरण संस्कार में दावत खाकर घर लौट रहे थे दोनों दोस्त

- मंगलवार देर रात बीसलपुर-बरेली मार्ग पर हुआ हादसा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : दावत से लौट रहे बाइक सवार दो युवकों को मंगलवार देर रात बीसलपुर–बरेली मार्ग पर एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भिजवाया। युवक की मौत के बाद परिवार का रो रोकर बुरा हाल है।

मृतक लवी।

बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चौसरा निवासी जितेंद्र (31) पुत्र रघुवीर मंगलवार को थाना क्षेत्र के अखौली गांव में नामकरण संस्कार के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गए थे। उनके साथ उनका दोस्त लवी (30) पुत्र राकेश गंगवार भी साथ में गया था। दोनों कार्यक्रम में शामिल होने के बाद देर रात बाइक से वापस लौट रहे थे। तभी बीसलपुर-बरेली मार्ग पर इंटर कॉलेज के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक बाइक से उछलकर नीचे गिर पड़े। जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद कार चालक मौके से भाग गया। राहगीरों की सूचना पर 108 एंबुलेंस ने घायलों को सीएचसी भिजवाया। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। घायल लवी की हालत गंभीर होने पर उसको प्राथमिक इलाज के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि घायल जितेंद्र का इलाज चल रहा है। जिसकी हालत नाजुक बनी हुई है। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पत्नी और दोनों बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। इंस्पेक्टर संजीव शुक्ला ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

बेकाबू ट्रक की चपेट में आकर मरने वालों की संख्या हुई तीन

- सेहरामऊ क्षेत्र में गोलगप्पे खा रहे लोगों को मारी थी टक्कर

पीलीभीत, अमृत विचार : आठ दिन पहले हुए सड़क हादसे में एक और युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल महुआ गुंदे गांव निवासी मिशन बाजपेई ने मंगलवार देर शाम बरेली के भोजीपुरा अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। उनके निधन की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मामला 14 जनवरी को सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के गढ़वाखेड़ा का है। जहां सड़क किनारे गोलगप्पे की दुकान के पास कुछ लोग चाट खा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रक ने अनियंत्रित होकर लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि इसी क्षेत्र के जोगराजपुर निवासी मोहम्मद बक्स और उनके छोटे भाई मोहम्मद अजीम पुत्र इमाम की मौके पर ही मौत हो गई थी। दो सगे भाइयों की एक साथ मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। इनके अलावा मिशन वाजपेई, मोहम्मद बख्श, चंद्रशेखर, जिलानी, अयान आदि घायल हो गए थे। इनमें मिशन वाजपेयी की हालत सबसे ज्यादा गंभीर थी। प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए बरेली के भोजीपुरा अस्पताल रेफर किया गया, जहां वह बीते कई दिनों से जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे थे। आखिरकार मंगलवार देर शाम उन्होंने दम तोड़ दिया। जवान बेटे की असमय मौत से परिजन बेसुध हैं। गांव में शोक का माहौल है और लोग पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाने पहुंच रहे हैं। बुधवार को युवक का अंतिम संस्कार किया गया। हादसे के बाद क्षेत्र के लोगों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा को लेकर ठोस और सख्त कदम उठाने की मांग की है। इस मामले में पुलिस ने हादसे में सड़क किनारे खड़ी तीन मोटरसाइकिल और ट्रक को कब्जे में ले रखा है।

घर के बाहर खड़ी बच्ची पर सियार ने किया हमला

पीलीभीत, अमृत विचार: घर से बाहर खड़ी चार साल की बच्ची पर सियार ने हमला कर दिया। घबराई बच्ची ने चीखना चिल्लाना शुरू कर दिया। चीखने की आवाज सुनकर परिजन घर के बाहर निकले, मगर तक सियार ने बच्ची को बुरी तरह लहूलुहान कर दिया। हमले में बच्ची के चेहरे में गहरे घाव हो गए। जहानाबाद क्षेत्र के गांव सुस्वार निवासी बबलू की चार वर्षीय पुत्री रशिमी दोपहर को घर के बाहर खड़ी थी। घर के सामने खेत है। पिता बबलू के मुताबिक खेतों से आए सियार ने पुत्री पर हमला कर दिया। घबराई रशिमी ने चीखना-चिल्लाना शुरू कर दिया। बच्ची की चीखने की आवाज सुनकर परिजन भी शोर-शराबा करते हुए घर से बाहर भागे। बताते हैं कि लोगों को आता देख सियार भाग निकला। हमले में बच्ची बुरी तरह लहूलुहान हो गई। हमले में बच्ची के चेहरे पर गहरे घाव हो गए। हमले की जानकारी पर गांव में हड़कंप मच गया। घायल बच्ची को लेकर परिजन मेडिकल कॉलेज पहुंचे। जहां बच्ची को भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। क्षेत्रीय वन दरोगा ने बताया कि घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं है। यदि ऐसा है तो गांव जाकर स्थिति देखी जाएगी।

घरों में लगवाए वाईफाई लाखों की बैट्रियों का अता-पता नहीं

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- ग्रामीणों ने एसडीएम से की शिकायत, ग्राम पंचायत भदारा का मामला

अमृत विचार: ग्राम पंचायतों में वोटों का समीकरण बिठाने के चक्कर में कम आबादी वाले गांवों की किस कदर उपेक्षा की जा रही है, इसका जीता जागता सबूत ग्राम पंचायत भदारा में देखा जा सकता है। ग्राम पंचायत के कम आबादी वाले मजरा भदारी में नए विकास कार्य कराना तो दूर की बात हैं, जो पुराने कार्य हैं, वे भी अधिकांश बदहाली का शिकार है। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान पर विकास कार्यों में पक्षपात करने का आरोप लगाते हुए मामले की शिकायत एसडीएम से की। जिसके बाद एसडीएम ने जांच करने के निर्देश दिए हैं।

मामला बीसलपुर ब्लाक की ग्राम पंचायत भदारा से जुड़े गांव भदारी है। गांव निवासी रामचंद्र, महेंद्र पाल, पातीराम आदि ने एसडीएम नागेंद्र पांडेय को शिकायत पत्र सौंपकर आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत से जुड़े भदारा से जुड़े कम आबादी वाले गांव भदारी में ग्राम प्रधान विकास संबंधी योजनाओं और कार्यों के निष्पादन में निरंतर उपेक्षा और अनदेखी कर रहे हैं। भदारा में रहने के कारण ग्राम प्रधान अपने चुनावी समीकरण के कारण सभी कार्य भदारा में ही करवा रहे हैं।

आरोप है कि ग्राम पंचायत को मिले 04 वाईफाई में से एक वाईफाई प्राइमरी स्कूल भदारा में जबकि अन्य वाईफाई तीन ग्रामीणों में घरों में लगवा दिए गए। इसी तरह चार साल पहले गांव भदारी में लगे 15 बड़ी बैट्रियां यह कहकर उतरवा दी गई, उन्हें बदलवाकर नई बैट्रियां लगाई जाएगी, मगर आज तक बैट्रियों का अता पता नहीं है। प्राथमिक स्कूल भदारी की बाउंड्रीवॉल भी दो साल से टूटी पड़ी है। ग्रामीणों ने इसको लेकर प्रधान से कहा, मगर उसे अनसुना कर दिया गया।

ग्रामीणों ने शिकायत में ग्राम प्रधान पर कठिना नदी के किनारे अवैध खनन कराने का भी आरोप लगाया। भदारी का सामुदायिक शौचालय भी पिछले पांच साल से दुर्दशा का शिकार है, जबकि इसके मेंटेनेंस पर हर माह 3000 रुपये निर्धारित हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकांश विकास कार्य भदारा गांव में ही कराए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष और खुली जांच किसी सक्षम अधिकारी से कराने की मांग की। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम नागेंद्र पांडेय ने जांच करने के निर्देश दिए हैं।

बार-बार जलापूर्ति बाधित होने पर चेयरमैन गुस्साईं

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: वाटर वर्क्स कंपाउंड में पुरानी पाइपलाइन शिफ्टिंग के कार्य में लगातार बरती जा रही लापरवाही से शहर की जलापूर्ति व्यवस्था चरमराने लगी है। लगातार सामने आ रही दिक्कतों को लेकर नगर पालिका चेयरमैन डॉ. आस्था अग्रवाल ने सख्त रुख अपनाया है।

उन्होंने जलकल विभाग की अभियंता और जलकल प्रभारी के खिलाफ पत्र जारी करते हुए दो दिन में व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए हैं। साथ ही चेतावनी दी है कि अगर तय समय सीमा में शहर के समस्त मोहल्लों में पेयजल आपूर्ति सुचारू नहीं हुई तो संबंधित पर विभागीय निलंबन की संस्तुति कर दी जाएगी।

बता दें कि पिछले कुछ काफी समय से विभिन्न इलाकों में नगर पालिका की जलापूर्ति बाधित हो रही है। कहीं पानी नहीं पहुंचता तो कहीं गंदा पानी आने की शिकायतें हैं। इसके पीछे वाटर बर्क्स कंपाउड में चल रहे पुरानी पाइप लाइन के शिफ्टिंग कार्य को वजह बताया जा रहास है। इस असुविधा को देखते हुए अब

नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने सख्ती की है। उन्होंने पत्र जारी किया है। जिसमें

नगर पालिका परिषद कार्यालय का भवन।

- जलकल अभियंता और प्रभारी को दिए दो दिन में व्यवस्था सुधारने के निर्देश

कहा है कि वाटर वर्क्स कंपाउंड में बनाए जा रहे कम्युनिटी हॉल के निर्माण के लिए पुरानी पाइपलाइन को शिफ्ट करने का कार्य जल निगम द्वारा कराया जा रहा है। इस कार्य के चलते बीते कई दिनों से शहर के विभिन्न इलाकों में जलापूर्ति बाधित रही है।

कई मोहल्लों में न केवल पानी की आपूर्ति ठप रही बल्कि आपूर्ति होने पर पानी में मिट्टी और गंदगी आने की भी शिकायतें सामने आई हैं, जिससे नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बार-बार शिकायतों और निर्देशों के बावजूद कुछ इलाकों में अब तक जलापूर्ति पूरी तरह बहाल नहीं हो सकी है, जो कि जलकल विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लगाता है।

उन्होंने कहा कि आम जनता को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना नगर पालिका की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस जिम्मेदारी में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसका तत्काल सुधार कराने के निर्देश दिए हैं।

चेयरमैन ने बताया कि जलकल विभाग को निर्देशित किया है कि आगामी दो दिनों के भीतर शहर के सभी मोहल्लों में पेयजल आपूर्ति पूरी तरह से सुचारू की जाए और पाइपलाइन शिफ्टिंग के दौरान उत्पन्न होने वाली तकनीकी समस्याओं का तत्काल समाधान करें। जलापूर्ति की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। इस सख्ती के बाद जलकल विभाग में हड़कंप मचा है।

मजदूरों के हक व संविधान की रक्षा का संकल्प

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत बुधवार को जिले के विभिन्न ब्लॉकों में मजदूरों के अधिकार, सम्मान और संविधान की रक्षा को लेकर कांग्रेस ने चौपालों का आयोजन किया।

निघासन ब्लॉक के ग्राम हरसिंहपुर में जिला उपाध्यक्ष मोहन चंद्र उप्रेती की अगुवाई में चौपाल आयोजित की गई। वहीं बांकेगंज ब्लॉक की न्याय पंचायत अलीगंज कुसमौरी में केके. मिश्रा की अध्यक्षता में चौपाल हुई। इसके अलावा न्याय पंचायत जटपुरवा के ग्राम सुखनी में मनरेगा जिला कोऑर्डिनेटर शिप्रा अवस्थी के नेतृत्व में मनरेगा बचाओ चौपाल का आयोजन किया गया। फूलबेहड़ क्षेत्र में भी नुक्कड़ चौपाल का आयोजन हुआ, जिसे रामपाल शाक्य ने संबोधित किया।

चौपालों को संबोधित करते हुए

सुखनीपुरवा में चौपाल को संबोधित करती मनरेगा कोऑर्डिनेटर शिप्रा अवस्थी।

- मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत कांग्रेस की हुईं चौपालें आयोजित

जिला कोऑर्डिनेटर शिप्रा अवस्थी एवं जिला उपाध्यक्ष मोहन चंद्र उप्रेती ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मजदूरों के हक और सम्मान की लड़ाई मजबूती से लड़ रही है और आगे भी लड़ती रहेगी। मनरेगा केवल एक योजना नहीं, बल्कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान और सामाजिक न्याय की बुनियाद है। जब मजदूर मजबूत होगा, तभी लोकतंत्र मजबूत रहेगा। मनरेगा बचेगी तो गरीब बचेगा, संविधान बचेगा तो भारत बचेगा।

कार्यक्रमों में प्रमुख रूप से कृष्ण कुमार मिश्रा, रामपाल शाक्य, लतीफ आज़म, रघुनंदन राज पासी, राजेश अवस्थी, डॉ. जब्बार, राहुल कुमार विश्वकर्मा, छोटे अंसारी, अनूप कुमार, रामप्रसाद विश्वकर्मा, उद्देश्य गिरी, इनायत अली, हिमांशु मिश्रा, डॉ. इसरार खान, अनीस अहमद, अवधेश कुमार सहित तमाम कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद रहे।

मेरठ में पुरस्कृत हुए पीलीभीत के जिलानी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: मेरठ के वेस्टर्न यूपी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में आयोजित उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की प्रांतीय कार्यसमिति की बैठक पीलीभीत के लिए गौरवपूर्ण रही। इस दौरान उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल ने पीलीभीत जिला अध्यक्ष एमए जिलानी को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं और संगठन को मजबूती देने के लिए व्यापार शिरोमणि रत्न से अलंकृत किया। प्रदेश अध्यक्ष ने मंच से पीलीभीत इकाई की प्रशंसा की।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि एमए जिलानी के नेतृत्व में पीलीभीत संगठन उम्मीद से बढ़कर कार्य कर रहा है। प्रदेश के अन्य जिलों को इससे सबक लेना चाहिए। व्यापार शिरोमणि रत्न

- व्यापार शिरोमणि रत्न से नवाजा संगठन कार्यों की हुई सराहना

मेरठ में हुए कार्यक्रम में सम्मानित किए जाते व्यापारी नेता एमए जिलानी।

मिलने पर पीलीभीत से पहुंचे दर्जनों व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने हर्ष जताया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि आवासीय कॉलोनियों में संचालित दुकानों को अवैध बताकर सीलिंग और जुर्माने की कार्यवाही की जा रही है, जो बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर इन्हें नियमित करने का अध्यादेश नहीं लाया, तो व्यापारी सड़क से सदन तक आंदोलन करेंगे। पीलीभीत से शामिल हुए प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल महेंद्रू ने जीएसटी की विसंगतियों पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि जीएसटी स्लैब 28 प्रतिशत से घटाकर 18 या 12 प्रतिशत करने के फैसले से व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने माल ऊंचे टैक्स पर खरीदा था। इस मौके पर पीलीभीत से सपना यादव, शशि सक्सेना, गीता कौर, नगर अध्यक्ष रणवीर पाठक, राशिद अंसारी, नाहिद खान, युवा विंग जिलाध्यक्ष शैली शर्मा, रजी अंसारी, अभिलाष गुप्ता, ताबिश, नदीम, अनमोल अग्रवाल, आशीष गुप्ता, रियाजुद्दीन राजू आदि मौजूद रहे। एमए जिलानी ने कहा कि यह सम्मान उनका नहीं, बल्कि पीलीभीत के हर एक कर्मठ व्यापारी की मेहनत का नतीजा है।

किराना दुकान से नकदी और सामान ले गए चोर

बिलसंडा, अमृत विचार : किराना दुकान से चोर नकदी और सामान समेट ले गए। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस जांच कर रही है। थाना क्षेत्र के गोला रोड स्थित नईम की किराना दुकान है। उन्होंने बताया कि मंगलवार रात किसी वक्त चोरों ने निशाना बनाया। ताला तोड़कर चोर भीतर घुसे। इसके बाद गल्ले में रखे 60 हजार रुपये, करीब डेढ़ लाख रुपये का सामान चोरी कर ले गए। बुधवार सुबह जब वह दुकान पर पहुंचे तो घटना का पता चला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की। पीड़ित ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। एसओ सिद्धांत शर्मा ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।

भाषण में दिलकश, चित्रकला में सोनम रही प्रथम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: शासन के आदेश पर सड़क दुघर्टनाओं को कम करने के उद्देश्य से छात्र छात्राओं के बीच जनपद स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित कराने के आदेश किए गए थे। इसी क्रम में एसएन इंटर कॉलेज में सड़क सुरक्षा माह के तहत जनपद स्तरीय भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता कराई गई। नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया।

जिला नोडल अधिकारी माध्यमिक शिक्षा इंतजार ख़ान की देखरेख में प्रतियोगिता कराई गई। विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में एसएन इंटर कॉलेज की दिलकश प्रथम, स्प्रिंगडेल इंटर कॉलेज की

बनाए गए पोस्टर दिखाती छात्राएं और शिक्षक। ● अमृत विचार

- नुक्कड़ नाटक में आर्य कन्या इंटर कॉलेज की टीम ने मारी बाजी

सहज प्रीति कौर द्वितीय, आर्य कन्या इंटर कॉलेज की अंशिका तिवारी तृतीय रहीं। चित्रकला प्रतियोगिता में वीरांगना अवंति बाई जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज की सोनम वीरांगना प्रथम, स्प्रिंगडेल इंटर कॉलेज की रिया गंगवार द्वितीय, वीरांगना अवंति बाई जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज की स्वाति मौर्य तृतीय रही। नुक्कड़ नाटक में आर्य कन्या इंटर कॉलेज की टीम अव्वल रही। जिसमें सुहानी प्रजापति, शुभांगी सक्सेना, प्राची थीं। प्रधानाचार्य डॉ. जावेद अहमद, उप प्रधानाचार्य ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज लोकेश कुमार, शिक्षिका साधना गुप्ता, गुंजन पांडेय आदि मौजूद रहे।

गोशाला प्रकरण : योगी सेना ने दर्ज कराई एफआईआर

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार : राजूपुर कुंडरा स्थित गौशाला में कथित पशु मौतों का मामला अब सियासी और प्रशासनिक टकराव का रूप लेता नजर आ रहा है। एक ओर जहां हंगामे और आरोपों के बीच योगी सेना ने पशुओं की मौत का मामला उठाते हुए ग्राम प्रधान, केयरटेकर और अज्ञात पर एफआईआर दर्ज करा दी है। वहीं दूसरी ओर जांच के लिए मौके पर पहुंचे मुख्य पशु चिकित्साधिकारी (सीवीओ) को निरीक्षण के दौरान एक भी मृत पशु नहीं मिला। सीवीओ की रिपोर्ट सामने आने के बाद सवाल खड़े हो रहे हैं कि जब मौके पर मृत पशु मिला ही नहीं, तो मौत के आरोप किस आधार पर लगाए गए। अगर योगी सेना के आरोप सही थे तो सीवीओ की रिपोर्ट में जिक्र क्यों नहीं किया गया है।

एक दिन पूर्व विकास खंड

- सीवीओ को जांच में नहीं मिले मृत पशु, राजूपुर कुंडरा में एक दिन पहले मरे मिले थे पशु

बीसलपुर के राजूपुर कुंडरा गोशाला में योगी सेना के पदाधिकारी और कार्यकर्ता पहुंचे थे। उन्होंने गेशाला में मृत और बीमार पशु मिलने पर जमकर प्रदर्शन किया था। सूचना मिलते ही एसडीएम नागेंद्र पांडे और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची थी। योगी सेना ने अफसरों की मौजूदगी में विरोध जताते हुए मृत पशु मिलने की बात कही थी। इस पर उन्हें कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। इतना ही नहीं मौके पर तत्परता दिखाते हुए प्रधानपति को हिरासत में लिया गया था। मौके पर एसडीएम ने भी एफआईआर दर्ज करवाने की बात कही थी। इस मामले में राष्ट्रीय योगी सेना के जिला कार्यकारी अध्यक्ष हिमांशु मिश्रा की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। जिसमें कहा कि राजूपुर गोशाला में करीब 15 गोवंश मृत पाए गए थे और 12 पशु घायल अवस्था में पाए गए थे। जोकि केयरटेकर, ग्राम प्रधान और अन्य जिम्मेदारों की लापरवाही का कारण है।

तहरीर मिलने के बाद कोतवाली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। इधर, मामला वायरल होने के बाद डीएम के निर्देश पर सीवीओ डॉ. पी के त्यागी गोशाला में जांच करने पहुंचे। उनकी रिपोर्ट ने गोशाल को एक दम क्लीनचिट दे दी है। सीवीओ की रिपोर्ट में गौशाल में सिर्फ उन्हें चार गोवंश बीमार और कमजोर मिले। जबकि 189 गौवंश स्वस्थ्य पाए गए। गौशाला में कोई भी पशु मृत नहीं मिला। केयरटेकर और सचिव को गोवंश को हरा चारा और खानपान ठीक रखने के निर्देश दिए हैं।

सीवीओ बोले: नहीं मिला कोई मृत पशु

राजूपुर कुंडरा गौशालामें मृत पशुओं का मामला संज्ञान मे आने के बाद बुधवार को गौशाला का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान पशुचिकित्साधिकारी डॉ. अमित कुमार और बीडीओ सर्वेश कुमार के साथ चेक किया तो मौके पर कोई भी मृत पशु नहीं मिला। मृत पशुओं की सूचना अफवाह है। – डॉ. पीके त्यागी, सीवीओ

एसडीएम बोले-खेत में मिले थे मृत पशु

गोशाला में मृत पशुओं की सूचना मिली थी। मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया था। गौशाला में अव्यवस्थाएं पाई गई है। पशु भी गौशाला के पास गन्ने के खेत में मृत पड़े मिले थे। इस मामले में केयरटेकर और ग्राम प्रधान के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हुई है। अव्यवस्थाओं को लेकर गौशाला से जुड़े अन्य कर्मचारियों के खिलाफ भी उच्चधिकारियों को रिपोर्ट बनाकर भेजी गई है। –नागेंद्र पांडेय, एसडीएम बीसलपुर।

गैस सिलेंडर से लगी आग, सामान जला

पीलीभीत, अमृत विचार : मंगलवार देर शाम सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला फीलखाना निवासी मोहम्मद शाहीन पुत्र मोहम्मद शफीक अंसारी के घर में रसोई में रखे घरेलू गैस सिलेंडर ने अचानक आग पकड़ ली। रसोई से धुआं और आग की लपटें उठती देख परिवार के सदस्यों ने शोर मचाया। आसपास के काफी लोग भी एकत्र हो गए। लोगों ने पानी और रेता डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। कुछ ही देर में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। परिजनों के मुताबिक मंगलवार सुबह ही सिलेंडर बदलकर नया लगाया गया था। हादसे की सूचना मिलने पर सदर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। आग लगने से काफी घरेलू सामान जल गया। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। आग लगने से हुए नुकसान की जानकारी राजस्व विभाग को दी गई है।

अवैध कोडीन युक्त सिरप को लेकर मेडिकल स्टोरों पर कसेगा शिकंजा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- नकली सिरप बनाने वाले ने पूछताछ में बताए कई अन्य नाम

अमृत विचार : जिले में कोडीन युक्त सिरप के अवैध धंधे को लेकर प्रशासन अब एक्शन मोड में है। दो दिन पहले घुंघचाई पुलिस की कार्रवाई में पकड़े गए नकली सिरप बनाने वाले आरोपी से पूछताछ में कई नाम सामने आए हैं, जिससे यह साफ हो गया है कि यह धंधा एक-दो लोगों तक सीमित नहीं था। अब इन खुलासों के बाद मेडिकल स्टोरों की भूमिका भी सवालों के घेरे में आ गई है और जल्द ही जिले भर में जांच और कार्रवाई शुरु कर दी गई है। औषधि विभाग ने कार्रवाई को लेकर रणनीति बनाई है।

घुंघचिहाई पुलिस ने मंगलवार को कोडीन युक्त सिरप बनाने वाली अवैध फैक्ट्री का खुलासा किया था। इस काले धंधे में शामिल पूरनपुर क्षेत्र के गांव लाहा निवासी आरोपी सुरेश कुमार को गिरफ्तार किया था। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने 340 बोतल टोपेक्स गोल्ड और 35 बोतल कोरेक्स-टी समेत सिरप की कुल 375 शीशियां बरामद की थी। साथ ही कफ सिरप बनाने से संबंधित सामग्री, पांच पैकेट में 488 नई खाली शीशियां (बिना ढक्कन),110 रैपर, 1939 ढक्कन, 03 स्प्रिट से भरी शीशियां, ऑरेंज फ्लेवर नंबर-एक, छोटा गैस सिलिंडर और बाइक बरामद हुई थी।

पूछताछ में सामने आया कि वह नशा करने वाले युवकों के अलावा साई मेडिकल स्टोर, गिरिराज मेडिकल स्टोर, उमापति मंडल समेत कई नाम प्रकाश में आए थे। जहां सप्लाई की जा रही थी। इतना ही नहीं इस आरोपी के तार शाहजहांपुर जिले तक जुड़े हुए हैं, हैरानी की बात है कि जिले में यह धंधा चलता रहा मगर औषधि विभाग को भनक तक नहीं लगी। इतना ही नहीं जिन मेडिकल के नाम प्रकाश में आए हैं। वहां भी औषधि विभाग पहले कार्रवाई कर चुका है।

पुलिस कार्रवाई के बाद अब औषधि विभाग ने इन मेडिकल स्टोरों के अलावा अन्य मेडिकल स्टोरों पर छापेमार कार्रवाई शुरू की है। खुलासा होने के औषधि विभाग ने गिरिराज मेडिकल स्टोर पर छापा मारा। जिसका जिक्र आरोपी सुरेश ने किया था। मगर टीम को वहां कुछ नहीं मिला। इसके अलावा अन्य स्टोरों पर कार्रवाई की गई है। इधर, पुलिस भी इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। औषधि निरीक्षक नेहा वैश्य ने बताया कि मेडिकल स्टोरों पर छापा मारा है।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 22 जनवरी 2026

पीलीभीत

चाइनीज मांझे पर रोकथाम को एसपी को आज ज्ञापन देंगे व्यापारी

पीलीभीत, अमृत विचार: उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिलाध्यक्ष एमए जिलानी ने कहा कि प्रशासन द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद शहर में चाइनीज मांझे की बिक्री जारी है, जो कि अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और गैरकानूनी है। आए दिन इस घातक मांझे की वजह से लोगों की जान जा रही है और कई लोग गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद इसकी बिक्री पर कोई प्रभावी रोकथाम नहीं लग पा रही है। गुरुवार दोपहर 12 बजे उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगर अध्यक्ष रणवीर पाठक के नेतृत्व में पदाधिकारियों का एक प्रतिनिधि मंडल पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर ज्ञापन देगा। प्रशासन से मांग की जाएगी कि चायनीज मांझे पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए। शहर में जो लोग भी चोरी-छिपे इस जानलेवा मांझे को बेच रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त से सख्त और कठोर कार्यवाही की जानी चाहिए ताकि आम जनमानस की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

कमर्शियल वाहनों में लगेंगे पैनिक बटन

जीपीएस से होंगे ट्रैक, बिना जीपीएस के नहीं होगा पंजीकरण और वाहनों की फिटनेस

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जिले में कमर्शियल वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए परिवहन विभाग ने सख्त कदम उठाया है। अब सभी व्यावसायिक वाहनों में पैनिक बटन और जीपीएस आधारित ट्रैकिंग सिस्टम लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। एक जनवरी 2019 से पहले पंजीकृत वाहनों पर विशेष रूप से लागू इस आदेश से न केवल वाहनों की निगरानी आसान होगी, बल्कि आपात स्थिति में यात्रियों को तुरंत मदद भी मिल सकेगी। बिना जीपीएस सिस्टम के अब न तो वाहनों का पंजीकरण होगा और न ही फिटनेस प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। इसको लेकर आदेश जारी कर दिया गया है।

जिले में 255414 दुपहिया वाहन और 21536 कारें पंजीकृत हैं। इसके अलावा कमर्शियल वाहनों की संख्या भी करीब 20 हजार से अधिक हैं। सुरक्षा के लिहाज से हाई सिक्योरिटी

एआरटीओ कार्यालय का भवन।

रजिस्ट्रेशन प्लेट का प्रावधान पहले ही कर दिया गया था। अब एक और नई व्यवस्था को लागू किया गया है। जिससे व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) का नाम दिया गया है। इसके तहत एक जनवरी 2026 से नए कमर्शियल वाहनों में जीपीएस और पैनिक बटन को अनिवार्य किया गया है। इसके बाद ही उनका पंजीकरण हो सकेगा।

इतना ही नहीं एक जनवरी 2019 से पहले रजिस्टर्ड टैक्सी, बस, ट्रक, टैंकर जैसे सभी चार पहिया कमर्शियल वाहनों में व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस लगेगी। इसको लेकर भी आदेश जारी कर दिया गया है। इसका

> 2019 से पहले के कमर्शियल वाहनों में ट्रैकिंग सिस्टम न होने से उनकी निगरानी में दिक्कत आ रही थी। अब सभी ऐसे वाहनों में वीएलटीडी और पैनिक बटन सक्रिय होना अनिवार्य है। बिना इस डिवाइस के फिटनेस प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाएगा। यह तकनीक यात्रियों की सुरक्षा के साथ-साथ वाहन मालिकों के लिए भी वाहन सुरक्षा का मजबूत साधन है।
> -वीरेंद्र सिंह, एआरटीओ पीलीभीत।

- **एक जनवरी 2019 से पहले के वाहनों में लगा सिस्टम एआरटीओ ने जारी किए आदेश**

उद्देश्य सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाना, महिला सुरक्षा सुनिश्चित करना और आपात स्थिति में तुरंत मदद उपलब्ध कराना है। एआरटीओ वीरेंद्र सिंह ने बताया कि लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस के माध्यम से वाहन की रियल टाइम स्थिति का पता चलता रहेगा। किसी भी संदिग्ध गतिविधि, रास्ता भटकने या दुर्घटना की स्थिति में कंट्रोल रूम को तुरंत अलर्ट मिल जाएगा।

खासकर खतरनाक सामग्री ले जाने वाले टैंकरों और स्कूली बसों के लिए यह व्यवस्था बेहद अहम

बिना पैनिक बटन के नहीं होगी फिटनेस

परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि 2019 से पहले पंजीकृत कमर्शियल वाहन जब फिटनेस प्रमाण पत्र या उसके नवीनीकरण के लिए आएंगे, तो उन्हें पहले अधिकृत एजेंसी से ट्रैकिंग डिवाइस और पैनिक बटन लगवाना होगा। इसके बाद डिवाइस को विभागीय पोर्टल पर मैप किया जाएगा। पूरी प्रक्रिया के बाद ही फिटनेस से जुड़ी कार्रवाई पूरी की जाएगी। वरना फिटनेस और पंजीकरण नहीं होगा।

साबित होगी। हालांकि स्कूल वाहनों में यह व्यवस्था बनी हुई है। लोकेशन ट्रैकिंग के साथ-साथ वाहनों में पैनिक बटन लगाना भी अनिवार्य किया गया है। यदि वाहन में सवार किसी यात्री या चालक को खतरे की आशंका होती है, तो पैनिक बटन दबाते ही इसकी सूचना सीधे राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम और स्थानीय पुलिस को मिल जाएगी। इससे पुलिस को समय रहते कार्रवाई करने और वाहन तक पहुंचने में मदद मिलेगी।

हमारा आंगन, हमारे बच्चे कार्यक्रम में बच्चों ने प्रस्तुति देकर मन मोह लिया

संवाददाता, बिलसंडा

अमृत विचार : बिलसंडा ब्लॉक संसाधन केंद्र पर बुधवार को बाल विकास विभाग और बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित हमारा आंगन, हमारे बच्चे कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने अपने रंगारंग प्रदर्शन से सभी का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा और बीएसए रोशनी सिंह रही।

अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर शुरुआत कराई। बच्चों व शिक्षकों को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में बेसिक शिक्षकों और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा लगाए गए टीचर लर्निंग मटेरियल के स्टालों का निरीक्षण किया गया। विधायक और बीएसए ने स्टालों में प्रस्तुत नवाचार और शिक्षण सामग्री की बारीकियों को देखा और शिक्षकों की सराहना की। आंगनबाड़ी बाल वाटिका और प्राथमिक विद्यालयों के 50 निपुण बच्चों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिससे बच्चों के चेहरे

छात्र को सम्मानित करते विधायक विवेक वर्मा व बीएसए रोशनी सिंह।

- **50 निपुण बच्चों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर किया गया सम्मानित**

खुशी से खिल उठे। विधायक ने बच्चों, शिक्षकों और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि शिक्षा विभाग की कल्याणकारी योजनाएं बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक हैं। बीएसए रोशनी सिंह ने कहा कि शिक्षक बच्चों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें बेहतर शिक्षा प्रदान करने का काम करें। ताकि वे भविष्य में अपने मुकाम को हासिल कर सकें। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने बाल विवाह मुक्त जिला, प्रदेश और देश बनाने की शपथ ली। साथ ही आगामी निपुण आकलन की तैयारियों के लिए ब्लॉक के समस्त अध्यापकों और एआरपी को निर्देशित किया गया। संचालन कंपोजिट स्कूल नौगवां के प्रधानाध्यापक संतोष रतनलाल ने किया। सभी का आभार जताया।

पर्यावरण संरक्षण पर रखे विचार, उपलब्धियां बताईं

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय पूरनपुर में पर्यावरण संरक्षण पर बुधवार को संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि इलाहाबाद यूनिवर्सिटी प्रोफेसर केसी भट्ट रहे। प्राचार्य डॉ.सुधीर कुमार शर्मा ने शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह देकर उनको सम्मानित किया।

प्राचार्य ने कहा कि प्रोफेसर भट्ट विभिन्न देशों की यात्रा कर चुके हैं। उनके निर्देशन में बहुत से शोधार्थियों ने शोध कार्य किया है। महाविद्यालय की उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए प्राचार्य ने बताया कि टेक्निकल क्षेत्र में महाविद्यालय लगातार आगे बढ़ रहा है। अत्याधुनिक प्रेजेंटेशन टूल पोडियम से संचालित सभागार है। डिजिटल कांसेप्ट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 100 कंप्यूटर लगाने

प्रोफेसर केएन भट्ट को स्मृति चिह्न देते प्राचार्य डॉ. सुधीर शर्मा। ● अमृत विचार

के लिए वो एमओयू साइन कर चुके हैं। इस डिजिटल कांसेप्ट की स्थापना से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों का भविष्य सुरक्षित होगा। एग्रीकल्चर के लिए नया भवन निर्माणाधीन है। प्रोफेसर केसी भट्ट ने पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनो को दोहन से बचाने संबंधी जानकारी दी। कहा कि प्रकृति की रचना में बायोटिक (जीवित) और एबायोटिक (अजीवित) दोनों तत्व शामिल हैं। प्रकृति में विविधता है, जिसे वैरायटी कहते हैं। इसमें 84 लाख

- **गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण पर हुआ संगोष्ठी का आयोजन**

योनियों का वर्णन है, जो जीवित प्राणियों की विविधता को दर्शाता है। इन तत्वों के संयोजन से ही प्रकृति की रचना हुई है और इसमें जीवन की उत्पत्ति हुई है। प्रोफेसर केएन भट्ट ने पर्यावरण, प्रकृति, और संरचना सम्बन्धित छात्र छात्राओं के प्रश्नों का उत्तर दे कर उनकी जिज्ञास को शान्त किया। इस मौके पर डॉ.वीके शर्मा ,डॉ. रेखा सिंह ,डॉ.अरविन्द दीक्षित, डॉ.रंजना सिंह, डॉ.अर्निका दीक्षित, शाहिद खान ,डॉ.सौरभ सक्सेना, तहमीना शमसी, डॉ.विनोद सिंह, डॉ.अंशिका शर्मा , डॉ.मृदुला शर्मा,डॉ.जय नारायण, डॉ.राजिया शकील, करीब 200 छात्र छात्राएं मौजूद रहे। संचालन अंकित गुप्ता ने किया।

नियम तोड़ रहे स्कूली बच्चों पर भी कसा जाएगा शिकंजा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जनपद में यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले स्कूली बच्चों पर शिकंजा कसा जाएगा। वहीं अब स्कूली बच्चों को ले जाने वाले अनाधिकृत वाहनों पर भी कार्रवाई की जाएगी। यह निर्देश डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने पिछले साल सड़क हादसों के बढ़े ग्राफ के बाद अब सड़क सुरक्षा के सभी स्टेकहोल्डर विभागों को जनपद में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के निर्देश दिए। सड़कों पर रोड इंजीनियरिंग में आपेक्षित सुधारात्मक कार्य कराने को भी कहा गया।

गांधी सभागार में बुधवार को डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक हुई। जिला विद्यालय परिवहन

सड़क सुरक्षा समिति में समीक्षा बैठक में मौजूद डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

- **स्कूली वाहन चालकों का समय समय पर किया जाएगा डीएल व चरित्र का सत्यापन**
- **डीएम की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दिए दिशा निर्देश**

समिति की बैठक में समीक्षा करते हुए डीएम ने सभी प्रधानाचार्य/प्रबंधकों को निर्देश दिए कि अपने विद्यालय में स्कूली बच्चों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के साथ यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दें। उन्होंने सुझाव दिया कि स्कूल प्रबंधन बच्चों से उनकी हैंडराइटिंग में लिखित में जमा कराए कि वे अपने परिवार को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन के लिए शपथ दिलाएंगे एवं उनका पालन भी करवाएंगे। परिवहन एवं यातायात पुलिस के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अनाधिकृत वाहनों में स्कूली बच्चों का परिवहन न होने दिया जाए और यदि कोई भी स्कूली बच्चा बिना हेलमेट दो पहिया वाहन चलाता मिले तो उसके चालान की कार्रवाई अवश्य की जाए। स्कूली बसों के सभी कागजात पूरे रखें और उनके चालकों का समय-समय पर ड्राइविंग लाइसेंस एवं चरित्र सत्यापन की प्रक्रिया कराई जाए।

बैठक में डीएफओ भरत कुमार डीके, सीएमओ डॉ. आलोक कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, एआरटीओ वीरेंद्र सिंह, सीओ ट्रेफिक विधि भूषण सिंह, बीएसए रोशनी सिंह, अधिशासी अभियंता पीडब्लूडी राजेश चौधरी, डीएसओ विकास कुमार आदि अधिकारी मौजूद रहे।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :- बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा। TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
महीने के प्रत्येक रविवार को समय : सुबह 10 बजे से 5 बजे तक
निःशुल्क परामर्श
डॉ. दीपक माहेश्वरी
M.B.B.S., M.D.
Consultant Physician & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
CARE FOR SURE
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली 9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
- प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP)
- गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL)
- गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC)
- पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज

कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

बसंत पंचमी पर नगरपालिका कराएगी पतंगोत्सव

- **अशोक कॉलोनी ग्राउंड में होगा आयोजन, स्वच्छता का दिया जाएगा संदेश**

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: बसंत पंचमी नजदीक आ चुकी है। 23 जनवरी को पर्व मनाया जाएगा। इसे लेकर दुकानों पर पतंगों की बिक्री भी तेज हो चुकी है। पतंगबाजी के शौकीन महंगाई के बावजूद उत्साहित हैं। इसी बीच नगरपालिका भी इस दिन पतंगोत्सव का आयोजन करने जा रही है। जिसमें स्वच्छता का संदेश दिया जाएगा।

बता दें कि जिले में बसंत पंचमी के दिन पतंगबाजी की जाती है। इसकी तैयारियां पतंगबाजी के शौकीन युवा कर चुके हैं। उस दिन घर-घर छतों पर उत्सव सा माहौल दिखता है और आसमान पतंगों से पट जाता है। इस बार भी धूमधाम से पर्व मनाया जाएगा। दुकानों पर

पतंग की दुकान पर खरीदारी करते लोग। ● अमृत विचार

> नगर पालिका की ओर से बसंत पंचमी के दिन अशोक कॉलोनी में पतंगोत्सव का आयोजन कराया जाएगा। इसमें पतंगबाजी के जरिए स्वच्छता के प्रति लोगों के जागरुक करने का प्रयास होगा। इसमें पंजीकरण निशुल्क रहेंगा।
> -डॉ. आस्था अग्रवाल, चेयरमैन नगर पालिका।

बिक्री तेजी से हो रही है। दूसरी तरफ प्रतिबंधित चाइनीज माझा की बिक्री पर रोकथाम लगाने के लिए प्रशासनिक स्तर से सख्ती की गई है। हालांकि अभी तक कोई धरपकड़ नहीं की जा सकी है। उधर, बसंत पंचमी पर नगर पालिका की ओर से बसंत पंचमी के मौके पर पंतगोत्सव का आयोजन किया जाएगा। ये आयोजन 23 जनवरी को बसंत पंचमी के दिन अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर आयोजित किया जाएगा। पतंगबाजी को खेल उत्सव की तरह मनाया जाएगा। एक कंप्टीशन कराया जाएगा। स्वच्छता और जागरुकता का पतंग पर मेसेज के साथ पतंग सजाकर लाएं और अपना नाम पता दर्ज कराएं। इसमें पंजीकरण निशुल्क कराए जा रहे हैं, जो उसी दिन मौके पर भी कराए जा सकेंगे।

आध्यात्मिक उत्थान के लिए विद्वानों का जुटना कल्याणकारी

कार्यक्रम में मौजूद प्रभाकर प्रखर जी महाराज व अन्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: शहर के मोहल्ला थान सिंह की कृष्ण लोक कॉलोनी में यज्ञ सम्राट प्रभाकर प्रखर जी महाराज और आनंद महाराज का आगमन बुधवार को हुआ। इस दौरान कहा गया कि विद्वानों और संतों का एक साथ जुटना समाज के आध्यात्मिक उत्थान के लिए हमेशा कल्याणकारी होता है। हिंदू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव मिश्रा के निवास पर हुई इस बैठक में कई बिंदुओं पर चर्चा की गई। समाज को एक नई दिशा देने और सनातन संस्कृति के माध्यम से जन-कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने पर जोर दिया गया। इस मौके पर सीएमओ डॉ.आलोक कुमार, अंबरीश शर्मा अंबू, संजय पांडेय, विक्रांत शर्मा, निर्मल कांत शुक्ला आदि मौजूद रहे।

युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर हुई चर्चा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: शहर के एक होटल में साहित्यिक समारोह का आयोजन बुधवार को किया गया। युवा लेखक प्रत्युष पाठक की मार्मिक नई पुस्तक द डॉन आफ्टर डार्क का आधिकारिक विमोचन किया गया। अतिथियों ने इस कृति को आधुनिक पीढ़ी की बुलंद आवाज बताया।

मुख्य अतिथि लाइफ कोच वंदना श्रीचंद असरानी, श्रीचंद असरानी रहे। उनकी उपस्थिति ने पुस्तक के मूल संदेश आत्म-खोज और जुझारूपन को और अधिक बल दिया। लेखक प्रत्युष पाठक के पिता अधिवक्ता अवधेश पाठक (जिला कोषाध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा), लक्ष्मी मिश्रा (टैरो कार्ड रीडर एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शक), वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक बाजपेयी, एलआर कश्यप आदि ने आगुंतकों का स्वागत किया।

पुस्तक के विमोचन के दौरान चेयरमैन, सिटी मजिस्ट्रेट व अन्य अतिथि।

- **कार्यक्रम के दौरान पुस्तक दि डॉन आफ्टर डार्क का विमोचन**

कार्यक्रम में चेयरमैन नगरपालिका डॉ. आस्था अग्रवाल, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी, सीएमओ डॉ. आलोक शर्मा, जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष धीरेन्द्र मिश्रा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर केएन भट्ट, अथर्व बाजपेई , दीपक शुक्ला , आशीष दीक्षित , ललित अज्ञानी , कपिल शर्मा, दिनेश मिश्रा , आदि मौजूद रहे। पुस्तक का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माता-पिता की भूमिका पर केंद्रित है। बेन-हर पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या करिश्मा सैहमी, डॉ. परविंदर सिंह सैहमी ने लेखक की सराहना की। लॉर्डकृष्णा स्कूल की प्रधानाचार्या रोज़ी दीक्षित, प्रधानाचार्य, गन्ना कृषक महाविद्यालय डॉ. सुधीर शर्मा ने अपने पूर्व छात्र की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया।

लंबी दूरी तय कर लापता नाबालिग पहुंचे गोवा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: 24 दिन से लापता चल रहे तीन नाबालिग (दो छात्र व एक छात्रा) लंबा सफर तय कर गोवा पहुंच गए। कुछ दिन पहले उनकी घर से ले जाई गई बाइक ग्वालियर में लावारिस हालत में मिली थी। अब गोवा के एक रिजॉर्ट में कमरा लेने के दौरान आईडी में नाबालिग होने पर रिजॉर्ट स्टाफ से मिली सूचना पर गोवा पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया है। गोवा पुलिस की पूछताछ के दौरान उन्होंने खुद के पते के बारे में बताया। गोवा पुलिस से मिली जानकारी के बाद सुनगढ़ी थाने से एक टीम गोवा के लिए रवाना की इर्ग है। अब उनके आने के बाद ही उनके इस रहस्यमय सफर से पर्दा उठ सकेगा।

थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के दो अलग अलग मोहल्लों के निवासी दो छात्र और एक कक्षा नौ में पढ़ने वाली छात्रा 29 दिसंबर 2025 को घर से

- **29 दिसंबर को लापता हो गए थे, एक किशोरी भी शामिल**

निकलने के बाद लापता हो गए थे। लापता छात्रों में से एक अपने घर से बाइक,मां का मोबाइल और दूसरा करीब पौने दो लाख रुपये लेकर गया था। छात्रा भी अपने पिता के मोबाइल से सिम निकालकर ले गई थी। इस मामले में सुनगढ़ी पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद सुनगढ़ी पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू की, तो तीनों के एक साथ एक ही बाइक पर जाने की बात सामने आई। जिस बाइक से तीनों गए थे,वह बाइक जनवरी माह के पहले सप्ताह में मध्य प्रदेश के ग्वालियर में गोला का मंदिर थाना क्षेत्र में सड़क किनारे लावारिस हालत में बरामद हुई थी। सड़क किनारे लावारिस बाइक खड़ी होने पर ग्वालियर पुलिस ने ही सुनगढ़ी पुलिस को सूचना दी थी।

> तीनों नाबलिग छात्र-छात्रा गोवा में सकुशल मिल गए हैं। गोवा पुलिस से समन्वय स्थापित कर सुनगढ़ी पुलिस की टीम गोवा के लिए भेजी गई है। उनके वापस आने के बाद ही पूरे घटनाक्रम को लेकर स्पष्ट हो सकेगी।
> -नरेश त्यागी, इंस्पेक्टर सुनगढ़ी।

सुनगढ़ी पुलिस की टीम ने इसके बाद ग्वालियर जाकर भी जांच पड़ताल की थी। मगर तब तक तीनों वहां से चले गए थे। अब उनकी लोकेशन गोवा में मिली है। बताते हैं कि सोमवार को तीनों नाबालिग गोवा पहुंचे थे। वहां उन्होंने एक रिजॉर्ट में कमरा लेने का प्रयास किया। आईडी जांच के दौरान तीनों के नाबालिग होने पर रिजॉर्ट मालिक ने गोवा के कलंगुट पुलिस स्टेशन को सूचना दी। जिसके बाद कलंगुट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीनों से पूछताछ की, तो उन्होंने खुद को पीलीभीत का निवासी बताया। इसके बाद कलंगुट पुलिस ने पीलीभीत पुलिस से संपर्क किया।

न्यूज ब्रीफ

बस की टक्कर से गड्ढे में घुस गया ई-रिक्शा

भानपुर, अमृत विचार : गांव भानपुर निवासी संदीप उर्फ ढुनगू ई-रिक्शा लेकर बुधवार की सुबह भीरा की तरफ जा रहा था। भानपुर में शाहपुर मार्ग के पास उस समय हुआ। जब एक बस ओवरटेक करने के दौरान ऑटो से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि ई-रिक्शा सड़क किनारे गड्ढे में जा घुसा। हादसे में ऑटो का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में चालक घायल हुआ है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया है।

शराब के नशे में गाली गलौज और मारपीट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना व कस्बा फूलबेहड़ निवासी जनार्दन ने बताया कि शाम करीब 7 बजे उसका पड़ोसी सूरज शराब के नशे में उसे बिना किसी कारण गाली देने लगा। जब उसने गाली-गलौज का विरोध किया तो सूरज के साथ अखिलेश और धर्मेन्द्र भी आ गए और तीनों ने मिलकर लाठी-डंडों से मारपीट कर दी, जिससे उसे चोटें आईं।

बैठक में पेश किया आय व्यय का ब्यौरा

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : सेंट्रल बार एसोसिएशन की वार्षिक सभा एसोसिएशन सभागार में हुई। अध्यक्ष केके शुक्ला, महामंत्री अनूप वर्मा ने वार्षिक आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत कर वर्ष 2026 में होने वाले बार संघ चुनाव के लिए कमेटी का गठन किया, जिसमें लाल बिहारी वर्मा एडवोकेट को मुख्य चुनाव अधिकारी, हरिनाम पांडे एडवोकेट विशिष्ट चुनाव अधिकारी और आदर्श वर्मा, विजेन्द्र यादव, अनवारूल हक, सत्यपाल मित्रा, रामकृष्ण मिश्र को सहायक चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया। उपाध्यक्ष तारिक इस्लाम, संयुक्त मंत्री सुमित गिरि, कोषाध्यक्ष अमित मिश्रा सहित तमाम वकील मौजूद रहे।

जिले में घूमता मिला जिला बदर गिरफ्तार

बेहजम, अमृत विचार : थाना नीमगांव पुलिस ने जिला बदर अपराधी मसूद खान को गिरफ्तार किया है। वह जिला बदर होने के बाद भी जिले में ही घूम रहा था। पुलिस ने उसे पैतृक गांव में दबोच कर चालान भेजा है। एसओ प्रवीर गौतम ने बताया कि बुधवार को मसूद खान को उसके पैतृक गांव अछनियां में देखा गया, जबकि उसे पूर्व में जिलाबदर किया जा चुका था और जिले की सीमा में प्रवेश प्रतिबंधित था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर गुंडा एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की है और उसका चालान भेजा है।

वोटरों के नाम कटने पर सियासी बवाल, 550 मतदाता सूची से बाहर

बूथ संख्या 270 और 271 की वोटर लिस्ट से हटे नाम, सभासद ने सुपरवाइजर पर लगाए आरोप

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: शहर के मिश्राना मोहल्ला वार्ड संख्या 26 में मतदाता सूची से करीब 550 नाम गायब होने का मामला सामने आया है। इसके बाद अब यह मामला राजनीतिक विवाद का रूप लेता जा रहा है। एसआईआर फार्म भरने के बावजूद बूथ संख्या 270 और 271 की वोटर लिस्ट से बड़ी संख्या में नाम हटने के बाद लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

मामले को लेकर वार्ड सभासद अनिरुद्ध त्रिपाठी ने सीधे जिला प्रशासन को कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने डीएम को प्रार्थना पत्र सौंपा है। सभासद का आरोप है कि मतदाता सूची संशोधन के दौरान तहसील स्तर पर तैनात सुपरवाइजर पंकज तोमर की लापरवाही या मिलीभगत के चलते सैकड़ों मतदाताओं को मतदान अधिकार से वंचित करने की कोशिश की गई। उनका कहना है कि उन्होंने

सभासद अनिरुद्ध त्रिपाठी।

- जिला प्रशासन को किया कटघरे में खड़ा
- डीएम को प्रार्थना पत्र सौंपा

4 दिसंबर को पूरे परिवार के एसआईआर फार्म बीएलओ लक्ष्मी देवी को दिए थे।

इसके बाद भी परिवार के 11 सदस्यों के नाम ड्राफ्ट सूची में नहीं हैं। इसी प्रकार से उने बूथ संख्या 270 के तहत करीब 325 लोगों के नाम भी ड्राफ्ट सूची से गायब हैं, जबकि यह सभी वास्तविक मूल वोटर हैं। जिनके नाम 2024-25 की मतदाता सूची में अंकित हैं। यही स्थिति बूथ संख्या 271 की है, जहां पर करीब 225 लोगों के नाम वर्तमान ड्राफ्ट सूची में फार्म जमा करने के बाद भी नहीं दर्शाए गए हैं, जो की बड़ा और काफी गंभीर सवाल है। उन्होंने बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि इन सभी फार्मों को बीएलओ ने सुपरवाइजर पंकज तोमर को उपलब्ध कराया था।

सभासद अनिरुद्ध त्रिपाठी ने दो टूक कहा कि यदि यह सिर्फ तकनीकी भूल होती तो इतने बड़े पैमाने पर नाम नहीं कटते। उन्होंने सवाल उठाया कि एक ही वार्ड के दो बूथों से सैकड़ों नाम गायब होना किसी सुनियोजित प्रक्रिया की ओर इशारा करता है। उनका कहना है कि इस मामले में निष्पक्ष जांच न हुई तो इसे राजनीतिक रूप से प्रेरित मतदाता दमन माना जाएगा। मामले के तूल पकड़ते ही स्थानीय राजनीति में हलचल तेज हो गई है। क्षेत्र के कई राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने इसे चुनाव से पहले मतदाता सूची में हेराफेरी का प्रयास बताते हुए प्रशासन पर पक्षपात का आरोप लगाया है।

विपक्षी खेमे का कहना है कि कुछ खास वर्गों और मोहल्लों को निशाना बनाकर वोट बैंक प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। स्थानीय मतदाताओं का भी कहना है कि वे वर्षों से नियमित रूप से मतदान करते आ रहे हैं, बावजूद इसके नाम सूची से हट जाना संदेह पैदा करता है। लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते सुधार नहीं हुआ तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। सभासद अनिरुद्ध त्रिपाठी ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने शीघ्र कार्रवाई कर मतदाता सूची का पुनरीक्षण नहीं कराया और दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो वह इस मुद्दे को राजनीतिक और जन आंदोलन का रूप देंगे।

उन्होंने कहा कि यह सिर्फ मिश्राना मोहल्ले का नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जड़ों से जुड़ा सवाल है। फिलहाल जिला प्रशासन की ओर से इस मामले पर चुप्पी साधी हुई है, लेकिन बढ़ते राजनीतिक दबाव के बीच अब यह देखना अहम होगा कि प्रशासन निष्पक्ष जांच कर पारदर्शिता साबित करता है या नहीं। यह मामला आने वाले दिनों में जिले की राजनीति का बड़ा मुद्दा बन सकता है।

ओवरलोड वाहन दे रहे दुर्घटनाओं को दावत

भीरा, अमृत विचार: किशनपुर सेंचुरी सीमा में सड़कों पर दौड़ते ओवरलोड वाहन जहां दुर्घटनाओं को दावत दे रहे हैं। वहीं वन्य जीवों के लिए भी खतरा बना है। इसके बाद भी एआरटीओ व पुलिस ने चुप्पी साध रखी है।

दुधवा नेशनल पार्क की किशनपुर टाइगर बाहुल्य सेंचुरी के बीच निकले मैलानी-भीरा-पलिया हाईवे पर अधिकतर मौरंग बजरी गिट्टी से ओवरलोड डंपर व ट्रक धड़ल्ले से दौड़ते हैं। जंगल के बीच साइड लेते समय इनके पलटने का खतरा बना रहता है, जिसे वन्य जीवों के जीवन पर भी संकट बना रहता है। वहीं बीच-बीच में सड़क टूटने से गड्ढे बनने से छोटे वाहनों को दुर्घटनाओं का डर हमेशा बना रहता है1 इस मार्ग पर 200 क्विंटल तक के लोड वाहनों को निकलने का नियम बताया गया है, लेकिन 500 से 700 तक क्विंटल लोड लेकर वाहन गुजरते हैं। सड़क किनारे विचरण करते वन्य जीवों के भागते समय इनके टायरों के नीचे आने का खतरा बना रहता है। वन विभाग के सूत्रों के अनुसार पिछले महीने रोड नंबर 23 के पास रात के समय मौरंग बजरी से लोड ट्रक के पलट गया था, जिससे आसपास मौजूद वन्य जीव बाल बाल बच गए थे1 क्षेत्र के वन्य जीव प्रेमियों ने इन ओवरलोड वाहनों पर रोक लगाने की मांग की है।

55 लोगों को मिली योजनाओं और कानून की जानकारी

कानूनों की जानकारी देते अपर जिला जज व अन्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, धौरहरा

- तहसील सभागार में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश राज्य विधि सेवा प्राधिकरण, लखनऊ व जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष शिव कुमार सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार बुधवार को तहसील धौरहरा के सभागार कक्ष में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण वीरेंद्र नाथ पांडे, एसडीएम शशिकान्त मणि एवं तहसीलदार आदित्य विशाल मौजूद रहे। अपर जिला जज/सचिव वीरेंद्र नाथ पांडे ने मध्यस्थता अभियान-02 को सफल बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि आपसी विवादों के निस्तारण के लिए मध्यस्थता एक सरल, त्वरित और प्रभावी माध्यम है, जिससे समय और धन दोनों की बचत होती है। उन्होंने महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित कानूनों के बारे में बताते हुए महिलाओं से बालकों का संरक्षण अधिनियम-2012, माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम-2007, दहेज निषेध अधिनियम, बच्चों के अधिकार तथा लोक अदालत की कार्यप्रणाली की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने बताया कि नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 के माध्यम से जरूरतमंद व्यक्ति निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

शिविर में उपस्थित अधिकारियों ने लोगों की शंकाओं का समाधान किया और 55 आम नागरिकों ने प्रतिभाग कर जानकारी हासिल की।

कंधरहिया में बाघ ने गोवंश का किया शिकार

संवाददाता, मझगईं

- खेत में अधखाया शव मिलने से लोगों में दहशत
- गन्ना छीलने गए किसान बाघ के डर से वापस लौटे

अमृत विचार: मझगईं रेंज के गांव कंधरहिया में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया। जब गन्ना छीलने गए किसानों को खेत में एक गोवंश का अधखाया शव पड़ा मिला। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि गौवंश को बाघ ने अपना शिकार बनाया है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गांव के पूरब रत्ती राम के खेत के पास ओमप्रकाश, रजत, जयप्रकाश, सुग्रीव, राम बहादुर, कपिल सहित अन्य ग्रामीण गन्ना छीलने पहुंचे थे। इसी दौरान खेत में पड़े गौवंश के अधखाए शव पर नजर पड़ते ही सभी के पैरों तले जमीन खिसक गई। बाघ की मौजूदगी की आशंका से सभी लोग डर के मारे गांव लौट आए और घटना की जानकारी ग्रामीणों को दी। ग्रामीणों का कहना है कि दुधवा नेशनल पार्क से निकलकर आ रहे हिंसक जानवर लगातार आसपास के गांवों में आतंक मचा रहे हैं।

बसंतापुर, बेला कलां, गुलरा टांडा, भगवंतनगर, चौखड़ा फार्म, मटेहिया, कोठिया, तिकोना फार्म, मझगईं सहित कई गांवों में पिछले एक माह से दहशत का माहौल है। इस दौरान जहां एक मजदूर की जान जा चुकी है, वहीं एक ग्रामीण घायल हुआ है और कई आवारा गौवंश भी हिंसक जानवरों का शिकार बन चुके हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बाघ के डर से गन्ना छिलाई का काम भी ठीक से नहीं हो पा रहा है। खेतों में जाने से लोग भयभीत हैं और किसी भी समय बड़ी घटना की आशंका बनी हुई है।

ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में बाघ की सक्रियता पर प्रभावी नियंत्रण और स्थायी समाधान की मांग की है। वन क्षेत्रीय अधिकारी अंकित सिंह ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंचकर जांच की गई। खेत में मिला गौवंश का शव पूरी तरह खाया हुआ था, जो प्रथम दृष्टया बाघ द्वारा मारा गया प्रतीत होता है। उन्होंने बताया कि घटना संभवतः मंगलवार शाम की है। ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है और क्षेत्र में वन विभाग की गश्त बढ़ा दी गई है।

न्यायिक कार्यों से विरत रहे अधिवक्ता, किया प्रदर्शन

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: तहसील प्रशासन और अधिवक्ताओं के बीच चल रहा विवाद एक सप्ताह बाद भी सुलझने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को भी अधिवक्ता न्यायिक कार्यों से विरत रहे और तहसील प्रशासन के विरोध में सभा करने के बाद धरना-प्रदर्शन किया। इसके बाद अधिवक्ताओं ने नगर में जुलूस निकालते हुए जमकर नारेबाजी की।

14 जनवरी की शाम लगभग 7:05 बजे तहसील परिसर से एक ई-रिक्शा में पांच गांठ कंबल ले जाए जा रहे थे। इस पर पलिया बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप कुमार मेनरो ने अंधेरे में कंबल ले जाने का कारण पूछा, लेकिन संतोषजनक उत्तर न मिलने पर

तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन करते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

- तहसील प्रशासन व अधिवक्ताओं के बीच चल रहा विवाद बरकरार

उन्होंने इसका वीडियो बना लिया। आरोप है कि कुछ ही देर बाद मौके पर पहुंचे संबंधित लेखपाल रजनीश कुमार सिंह से बार अध्यक्ष की कहासुनी हो गई। इस मामले को लेकर 15 जनवरी को लेखपाल रजनीश कुमार सिंह ने पलिया थाने में बार अध्यक्ष प्रदीप कुमार मेनरो व उनके साथियों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने और नशे की हालत में सरकारी कर्मचारियों से विवाद करने सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया। इससे अधिवक्ताओं में भारी रोष फैल गया और उन्होंने कार्य बहिष्कार कर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया।

अधिवक्ताओं का आरोप है कि उन्होंने भी तहसील प्रशासन के विरुद्ध थाना अध्यक्ष पलिया को तहरीर दी, लेकिन अब तक उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है। इसी को लेकर शुक्रवार को पूर्व अध्यक्ष राम प्रकाश पाल की अध्यक्षता में अधिवक्ताओं की सभा आयोजित की गई, जिसका संचालन महामंत्री विष्णु कुमार शुक्ला ने किया। सभा को संबोधित करते हुए कई अधिवक्ताओं ने प्रशासनिक रवैये की कड़ी आलोचना की और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। इसके बाद अधिवक्ताओं ने स्टेशन रोड से संपूर्णानगर रोड तक जुलूस निकालकर नारेबाजी की। इस दौरान तहसील के दर्जनों अधिवक्ता रहे।

नो-मैपिंग मतदाताओं की शुरू की सुनवाई

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- निर्वाचक नामावली के अंश की स्वप्रमाणित प्रति के साथ नोटिस में निर्धारित स्थल पर पहुंचना है

अमृत विचार: विधानसभा 142 लखीमपुर और 140 श्रीनगर में नो मैपिंग वाले मतदाताओं के नोटिस पर सुनवाई 21 जनवरी से शुरू हो गई है।

तहसीलदार मुकेश कुमार ने बताया कि ऐसे मतदाता जिन्होंने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दौरान स्वयं को अथवा अपने माता-पिता दादा-दादी को 2003 की निर्वाचक नामावली से मैप नहीं करा पाए थे, उन मतदाताओं को संबंधित विधानसभा के सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा सुनवाई के लिए नोटिस प्रेषित की गई। निर्धारित अभिलेखों व सार्वजनिक उपक्रम द्वारा जारी पहचान पत्र, बैंक, डाकघर, एलआईसी द्वारा 1987 से पहले जारी पासबुक, अभिलेख, जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, मान्यता प्राप्त बोर्ड द्वारा जारी मैट्रिकुलेशन प्रमाण पत्र, स्थाई निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर, परिवार रजिस्टर की नकल, भूमि, मकान आवंटन प्रमाण पत्र, आधार कार्ड के साथ ही निर्वाचक नामावली का अंश की स्वप्रमाणित प्रति के साथ नोटिस में निर्धारित स्थल पर उपस्थित होना है।

उन्होंने बताया कि यदि मतदाता का जन्म 1 जुलाई 1987 से पहले हुआ है तो उक्त अभिलेखों में से स्वयं का कोई अभिलेख। यदि 1 जुलाई 1987 से 2 दिसंबर 2004 के बीच हुआ है तब स्वयं का तथा माता या पिता में से किसी एक का कोई अभिलेख और यदि 2 दिसंबर .2004 के बाद हुआ हो तब स्वयं का एवं माता पिता दोनों का कोई अभिलेख मतदाता प्रस्तुत करेगा।

विधानसभा लखीमपुर में नोटिस की सुनवाई हेतु 36 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं विधानसभा श्रीनगर में 24 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, जो सुनवाई हेतु नोटिस में उल्लेखित निर्धारित स्थल जैसे कार्यालय तहसील लखीमपुर, बीडीओ कार्यालय, खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय,चकबंदी कार्यालय एवं नगर पंचायत के कार्यालय में नो मैपिंग वाले मतदाता के अभिलेखों का परीक्षण करते हुए सुनवाई करेंगे। प्रत्येक सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अपने आवंटित बूथ के अनुसार दैनिक रूप से अधिकतम 150 नोटिसों की सुनवाई करेंगे।

व्यापारी से ढाई लाख की लूट नहीं मिला लुटेरों का सुराग

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- अज्ञात लुटेरों पर दर्ज है एफआईआर खुलासे के लिए टीमें गठित

अमृत विचार: गोला बांकेगंज मार्ग पर सोमवार की रात बांकेगंज के व्यापारी से ढाई लाख रुपयों की लूट में पुलिस ने अज्ञात लुटेरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है, लेकिन उन्हें सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद भी लुटेरों का कोई सुराग नहीं मिला है।

मैलानी थाना क्षेत्र के ग्रंट नंबर 10 बांकेगंज निवासी राजेंद्र कुमार अग्रवाल पुत्र रामेश्वर दयाल अग्रवाल ने हैदराबाद थाना में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि सोमवार की रात 8.30 बजे वह अपनी गोला में नितिन ट्रेडर्स दुकान बंद करके छोटा हाथी यूपी 31 एटी/7476 से बांकेगंज घर लौट रहे थे। सरकारपुर गांव के चौराहे के पास कार में सवार बदमाशों ने उनकी पिकअप के सामने अपनी कार लगाकर उन्हें रोक दिया और गेट खोलने के लिए कहने लगे। गेट न खोलने पर वह लाठी डंडों से शीशा तोड़ने लगे। ड्राइवर के सिर में चोट लगी। बदमाश ढाई लाख रुपयों से भरा बैग लेकर कार से भाग निकले थे। उन्होंने रात में ही घटना की सूचना पुलिस को दी थी, जिस पर सीओ रमेश कुमार तिवारी ने घटना स्थल हैदराबाद थाना क्षेत्र बताया था।

हैदराबाद पुलिस ने व्यापारी की तहरीर पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। विवेचना कर रहे उप निरीक्षक संतपाल सिंह राठौर ने बताया कि अभी तक कई लोगों से पूछताछ की जा चुकी है।

9 फरवरी से होंगी मदरसा बोर्ड की परीक्षाएं

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी के कुल 696 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

अमृत विचार: जिले में मदरसा बोर्ड की परीक्षाएं फरवरी माह से शुरू हो रही हैं। मदरसा शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा वर्ष 2026 की मुंशी, मौलवी सेकेंडरी एवं आलिम सीनियर सेकेंडरी परीक्षाओं की समय सारिणी जारी कर दी गई है। परीक्षाएं 9 फरवरी से 14 फरवरी 2026 के बीच आयोजित की जाएंगी। परीक्षा को लेकर विभागीय स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी रोहित कुमार सिंह ने बताया कि जिले में मदरसा बोर्ड की परीक्षाओं के लिए जिले में कुल चार परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें लखीमपुर सदर, गोला, मोहम्मदी और धौरहरा तहसील क्षेत्र में एक-एक केंद्र स्थापित किया गया है। सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षाएं सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में कराई जाएंगी, जिससे परीक्षा प्रक्रिया पारदर्शी और अनुशासित बनी रहे। वर्ष 2026 की मदरसा बोर्ड परीक्षाओं में जिले में कुल 696 परीक्षार्थी पंजीकृत है।

इनमें 366 बालक एवं 330 बालिकाएं मुंशी, मौलवी और आलिम की परीक्षाएं देंगे। परीक्षा की सारणी जारी हो चुकी है। सभी कक्षाओं की परीक्षाएं निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार दो पालियों में आयोजित की जाएंगी। जिसमें मुंशी मौलवी (सेकेंडरी) की परीक्षा प्रथम पाली में सुबह 8 से 11 बजे तक वहीं आलिम (सीनियर सेकेंडरी) की परीक्षा द्वितीय पाली में 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगी। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने बताया कि परीक्षाओं को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएंगी।

इन केंद्रों पर होगी परीक्षा

जिले में चार परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। जिसमें लखीमपुर सदर क्षेत्र में आदर्श विद्या मंदिर इंटर कॉलेज शास्त्री नगर को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। वहीं गोला तहसील में टीकेज पब्लिक इंटर कॉलेज गोला, मोहम्मदी में स्वामी रामाश्रम इंटर कॉलेज मोहम्मदी तथा धौरहरा तहसील क्षेत्र में सीताराम मनवार पब्लिक इंटर कॉलेज धौरहरा को परीक्षा केंद्र के रूप में नामित किया गया है।

श्री शतचंडी महायज्ञ के तीसरे दिन हुआ अरणि मंथन

रोशननगर, अमृत विचार: कस्बे में मां दुर्गा मन्दिर पर होने वाली श्री शतचण्डी महायज्ञ के तीसरे दिन यज्ञाचार्य पंडित चन्दन अवस्थी ने वैदिक मंत्रोंच्चारण कर अग्नि मंथन कराया। अग्नि मंथन होने पर हवन पूजन का कार्य कराया। दुर्गा माता मंदिर पर मुख्य यजमान रामकिशोर वर्मा, परमेश्वरदीन विश्वकर्मा, संतोष कुशवाहा, प्रकाश पाल, गोकरन लाल पाल मुख्य यजमानों से हवन कुंड मे आहुतियां डलवाकर कसबा और क्षेत्रवासियों की सुख समृद्धि की कामना की। आयोजक बाबूराम दिवाकर ने बताया कि रासलीला का मंचन 22 जनवरी से दिन और रात दोनों पहर में होगा। अग्नि मंथन पर सर्वेश गुप्ता, अंकित वर्मा, ओमप्रकाश प्रजापति, संजीव कुशवाहा, श्यामजी विश्वकर्मा, आजाद वर्मा, सिमू वर्मा आदि ग्रामवासी मौजूद रहे।

संरक्षण

भरतपुर राजस्थान भेजे गए छह लावारिस मरीज, आश्रय ही नहीं बल्कि हो सकेगी समुचित देखभाल

लावारिस मरीजों को अपना घर आश्रम में मिलेगा संरक्षण

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिला अस्पताल से संबद्ध स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में इलाज के लिए भर्ती कराए गए छह लावारिस मरीजों को आखिरकार स्थायी आश्रय मिल गया है। इन सभी मरीजों को अपना घर आश्रम, भरतपुर (राजस्थान) भेजा गया है, जहां उन्हें सुरक्षित वातावरण में रहने के साथ-साथ नियमित उपचार, भोजन और मानसिक देखभाल भी उपलब्ध कराई जाएगी। इन मरीजों में कुछ ऐसे भी हैं जो मानसिक रूप से अस्वस्थ बताए जा रहे हैं और जिनकी पहचान या परिजन अब तक नहीं मिल सके हैं।

जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. आरके. कोली ने बताया कि इन सभी लावारिस मरीजों को अलग-अलग

लावारिश मरीजों के साथ सीएमएस डॉ. आरके कोली व अन्य स्टाफ। ● अमृत विचार

स्थानों से पुलिस एवं समाजसेवी संस्थाओं ने जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया था। अस्पताल में चिकित्सकों की देखरेख में उनका नियमित उपचार चल रहा था। अस्पताल प्रशासन उन्हें दवाइयां, भोजन, वस्त्र और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा रहा था, लेकिन लंबे समय तक अस्पताल में रखने के बजाय उन्हें ऐसे स्थान पर भेजना आवश्यक था, जहां उनकी लंबे समय तक देखभाल संभव हो सके। उन्होंने बताया कि इसके लिए उच्चाधिकारियों को पत्राचार किया गया। अपना घर आश्रम, भरतपुर के प्रबंधन से भी संपर्क साधा गया। जरूरी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद मंगलवार की शाम आश्रम की तीन सदस्यीय टीम विशेष वाहन के साथ जिला चिकित्सालय मोतीपुर ओयल पहुंची। टीम ने सभी मरीजों की चिकित्सकीय स्थिति का अवलोकन किया और बुधवार की सुबह सभी छह मरीजों को सकुशल वाहन में बैठाकर भरतपुर के लिए रवाना कर दिया गया। सीएमएस ने बताया कि इन मरीजों के स्वास्थ्य और देखभाल की जानकारी समय-समय पर आश्रम प्रबंधन से प्राप्त की जाती रहेगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी मरीज सुरक्षित हैं और उन्हें आवश्यक उपचार मिल रहा है। इस दौरान बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. आरपी वर्मा, काउंसलर देवनंदन श्रीवास्तव, मैट्रन रेशमा, नर्सिंग ऑफिसर वर्षा सिंह, अंजलि, राधा, राधिका, मीरा सहित चिकित्सालय का अन्य स्टाफ भी मौजूद रहा, जिन्होंने पूरी प्रक्रिया में सहयोग किया।

सीएमओ ने की यह अपील

सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने कहा कि अपना घर आश्रम लावारिस, निराश्रित और मानसिक विक्षिप्त मरीजों के लिए वास्तव में एक सुरक्षित घर की तरह है, जहां उन्हें सम्मानजनक जीवन, नियमित चिकित्सा सुविधा और सामाजिक संरक्षण मिलता है। उन्होंने समाजसेवियों और आम नागरिकों से अपील की कि यदि कहीं भी ऐसे बेसहारा लोग मिलें, तो उन्हें उपेक्षित न छोड़ें बल्कि अस्पताल या संबंधित संस्थाओं तक पहुंचाने में सहयोग करें। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भी जिला अस्पताल से दो लावारिस मरीजों को अपना घर आश्रम भरतपुर भेजा जा चुका है, जहां वे सुरक्षित और स्वस्थ जीवन व्यतीत कर रहे हैं। इस मानवीय पहल से न केवल मरीजों को नया जीवन मिला है, बल्कि समाज में सहयोग और संवेदना का संदेश भी गया है।

चेयरमैन ने आयोजित कराया खिचड़ी भोज

निघासन, अमृत विचार: नगर पंचायत परिसर में चेयरमैन बद्री प्रसाद मौर्य ने खिचड़ी भोज आयोजित किया। उन्होंने नगर पंचायत में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी मौजूद लोगों को दी। खिचड़ी भोज आयोजित कर नगर पंचायत में एकता और सौहार्द्र का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में चेयरमैन बद्री प्रसाद मौर्य के साथ दयाशंकर, विनोद और भाजपा नेता अरविंद सिंह संजय ने भी हिस्सा लिया। चेयरमैन बद्री प्रसाद मौर्य ने बताया कि नगर पंचायत में अब 1200 से अधिक प्रधानमंत्री आवास नए रूप में तैयार हो चुके हैं। वार्डों में नाली, इंटरलॉक सड़कें और खेल मैदान, गौशाला, कल्याण मंडप जैसे निर्माण कार्य पूरे किए गए हैं, जिससे नगर पंचायत में विकास को नई गति मिली है। कार्यक्रम का संचालन संगम लाल मिश्र और विपिन मौर्य ने किया।

उड़ी पतंगें, चीनी मांझे के विरोध का दिया संदेश

नगर पालिका व गोला टूरिज्म संगठन के संयुक्त तत्वावधान में छोटी काशी पतंग महोत्सव-2 का आरंभ

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार : नगर पालिका परिषद एवं गोला टूरिज्म संगठन के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को लखीमपुर रोड स्थित श्री राजेंद्र गिरि स्टेडियम में छोटी काशी पतंग महोत्सव-2 का उत्साहपूर्ण आरंभ हुआ। यह आयोजन न केवल पतंगबाजी जैसी पारंपरिक भारतीय संस्कृति के संरक्षण का प्रतीक बना, बल्कि चाइनीज मांझे के दुष्प्रभावों के विरुद्ध जन-जागरुकता फैलाने का भी सशक्त माध्यम रहा।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के सांस्कृतिक आयोजन समाज को सकारात्मक दिशा देने के साथ जनसुरक्षा और सामाजिक चेतना को भी मजबूती प्रदान करते हैं। मुख्य समागत कबीर धाम मुस्तफाबाद के प्रवीण साहेब रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एबीवीपी के संगठन मंत्री सत्यम दुबे ने की। पतंग प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में राजेंद्र सोनी, कुलदीप तिवारी, डॉ. आदर्श दीक्षित, डॉ. सौरभ दीक्षित, डॉ. योगेश कनौजिया एवं सुमित शाह शामिल रहे। पतंगबाजी देखने के लिए नगरवासियों, युवाओं और बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

आयोजकों ने बताया कि महोत्सव के आगामी चरणों में प्रतियोगिताएं और अधिक रोमांचक होंगी और समापन समारोह भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर गोला टूरिज्म संगठन के प्रबंधक प्रेम गुप्ता, सचिव इं. मिलिंद शुक्ल, मंत्री अनुज त्रिवेदी, मीडिया समन्वयक वीरेंद्र कुमार गुप्ता वीनू, कमल नयन शुक्ल, अनिकेत अवस्थी, अंशुमान शुक्ल अवि, मोहित अवस्थी, युवराज सिंह, लवकुश शास्त्री आदि मौजूद रहे।

गोला में पतंग महोत्सव में शामिल प्रतिभागियों के साथ अतिथि। ● अमृत विचार

चिंता का विषय हैं चाइनीज मांझे से होने वाली घटनाएं

गोला टूरिज्म संगठन के सचिव इं. मिलिंद शुक्ल ने बताया कि चाइनीज मांझे के कारण लगातार हो रही दुर्घटनाएं प्रशासन और समाज दोनों के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं। यह मांझा न केवल इंसानों, बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी अत्यंत घातक है। कई स्थानों पर गले कटने और पक्षियों के घायल होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इन्हीं कारणों से पतंग महोत्सव के माध्यम से जन-जागरूकता फैलाने का निर्णय लिया गया।

नगर को सांस्कृतिक पहचान दिलाने की कोशिश

नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कहा कि छोटी काशी पतंग महोत्सव-2 गोला को सांस्कृतिक पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसे नगरवासियों का भरपूर सहयोग मिल रहा है।

जूनियर वर्ग के परिणाम

पहले राउंड में शौर्य गुप्ता, दूसरे में अभिमान गुप्ता, तीसरे में युवराज तिवारी, चौथे में रुद्रांश गुप्ता, पांचवें में मोहम्मद तंजीव सलमानी, छठे में कृष्णा शर्मा, सातवें में महेंद्र सिंह तथा आठवें राउंड में उज्ज्वल जैन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन।

सीनियर वर्ग के परिणाम

पहले राउंड में अभिनंदन शुक्ल, दूसरे में दिव्यांश यादव, तीसरे में वंश कश्यप, चौथे में विकास, पांचवें में अभिषेक कश्यप तथा छठे राउंड में अरुण अवस्थी ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

अजान उच्च प्राथमिक विद्यालय में छात्राओं का हुआ सम्मान

च्च प्राथमिक विद्यालय अजान में छात्रा को पुरस्कृत करते खंड शिक्षा अधिकारी श्रीराम।

संवाददाता, केशवापुर

अमृत विचार: न्याय पंचायत शहाबुद्दीनपुर के अन्तर्गत आने वाले उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की मेधावी छात्राओं को सम्मानित करने के लिए ब्लाक कुम्भी क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय अज़ान में समारोह का आयोजन किया गया।

इस समारोह में कक्षा 6, 7, 8 की 24 प्रतिभाशाली छात्राओं को स्टडी टेबल, टेबल मार्कर, डस्टर और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी श्रीराम और ग्राम प्रधान विपिन यादव ने संयुक्त रूप से छात्राओं को सम्मानित किया। ग्राम प्रधान विपिन यादव ने घोषणा की कि आगामी वार्षिक परीक्षा में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को इसी तरह सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रोत्साहित करने की बात कही। इस समारोह में अजान उच्च प्राथमिक विद्यालय, मुगलाखेड़ा विद्यालय, छिछोना विद्यालय और परसेहरा विद्यालय की 6-6 छात्राएं शामिल थीं। समारोह में प्रधानाचार्य अवधेश त्रिवेदी, अध्यापक अरुण कुमार, विमलेश कुमार, अनुज कुमार, प्रीति वर्मा, संदीप कुमार, सचिन गुप्ता, महफूज आलम सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

हनुमत चरित कथा में उमड़े श्रद्धालु

संवाददाता, मोहम्मदी

अमृत विचार: नगर के प्राचीन हनुमान मंदिर के वार्षिकोत्सव पर आयोजित हनुमत चरित कथा में तीसरे दिन तमाम श्रद्धालुओं की भीड़ रही। कक्षा व्यास डॉ. राम नरेश शर्मा ने कहा कि गुरुकुल शिक्षा सर्व श्रेष्ठ है।

डॉ. राम नरेश शर्मा।

कथा में मुख्य यजमान गोपाल मोहन रस्तोगी एवं उनकी धर्मपत्नी पूनम रस्तोगी रहीं।

कथा व्यास ने कहा कि गुरुकुल शिक्षा पद्धति ही सर्वश्रेष्ठ है, क्योंकि इससे बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने बताया कि श्रीराम, श्रीकृष्ण जैसे महान पुरुषों ने भी गुरुकुल में ही शिक्षा प्राप्त की थी और आज के समय में गुरुकुल परंपरा को पुनः प्रभावी किए जाने की आवश्यकता है। रामचरित मानस का नित्य स्वाध्याय जीवन जीने की कला सिखाता है और व्यक्ति के जीवन को सार्थक बनाता है। कथा विराम के पश्चात महाआरती एवं प्रसाद वितरण किया गया।

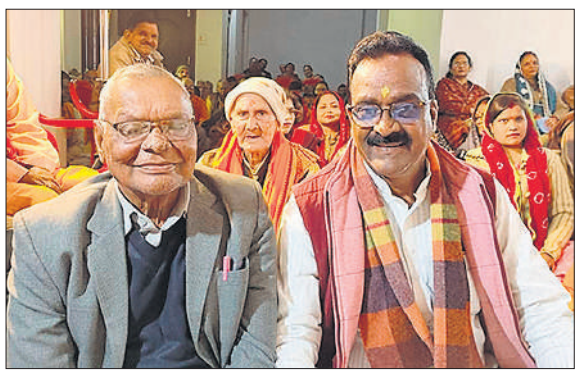

हनुमत चरित कथा में शामिल विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह। ● अमृत विचार

- श्रीराम, श्रीकृष्ण जैसे महान पुरुषों ने भी गुरुकुल में शिक्षा ली थी
- आज भी गुरुकुल परंपरा को पुन : प्रभावी करने की जरूरत

इस दौरान मुख्य रूप से विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह, मंदिर के पुजारी पं. अरविंद नाथ बाजपेयी, हरिओम गुप्ता, महेंद्र राठौर, अजीत गुप्ता, रामकुमार गुप्ता, धीरेश सिंह भदौरिया एडवोकेट, महेश चंद्र मिश्रा, अनन्य शर्मा, राजेश सिंह आदि मौजूद रहे।

पौथेपुरवा रामलीला में ताड़का वध का मंचन

भानपुर, अमृत विचार: विकास खंड बिजुआ स्थित पौथेपुरवा में चल रहे चतुर्थ श्री शतचंडी महायज्ञ रामलीला महोत्सव के दूसरे दिन ताड़का वध की लीला का मंचन किया गया। मंचन के दौरान बताया गया कि ताड़का राजा सुकेतु की पुत्री थी। अगस्त्य ऋषि के श्राप के कारण वह राक्षसी बन गई थी। वह अपने पुत्रों के साथ मिलकर ऋषियों के यज्ञों में बाधा डालती थी और मनुष्यों पर अत्याचार करती थी। गुरु विश्वामित्र ने भगवान श्रीराम को ताड़का के अत्याचारों के बारे में बताया। इसके बाद, श्रीराम ने अपने धनुष से ताड़का का वध कर दिया, जिससे ऋषियों और मनुष्यों को उसके आतंक से मुक्ति मिली।

इस लीला मंचन को देखने के लिए सैकड़ों की संख्या में दर्शक मौजूद रहे। पौथेपुरवा में इन दिनों शतचंडी महायज्ञ का आयोजन हो रहा है, जिसके साथ ही रामलीला भी चल रही है। महोत्सव में खिलौनों और अन्य दुकानों ने भी श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ाई है।

बरखेरिया जाट को 15-3, 15-4 से हराकर अब्दुल्ला नगर की टीम जीती

संवाददाता, पसगवां

अमृत विचार: आंबेडकर पार्क में बुधवार को स्व. अहिवरन सिंह यादव मेमोरियल डे-नाइट वालीबॉल टूर्नामेंट का आरंभ हुआ। उद्घाटन क्षेत्र के डॉ. प्रदीप सिंह सूर्यवंशी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर तथा मैदान में गेंद उछालकर किया।

उद्घाटन मुकाबले में अब्दुल्ला नगर की टीम ने बरखेरिया जाट को 15-3, 15-4 से पराजित किया। वहीं दूसरे मुकाबले में हिंद क्लब मोहम्मदी ने करौंदा की टीम को 21-15, 15-10 से शिकस्त दी। टूर्नामेंट में विवेक गुप्ता ने मुख्य रेफरी तथा मोबीन सिद्दीकी ने सेकेंड रेफरी की भूमिका निभाई। आयोजक विपिन यादव ने बताया कि यह प्रतियोगिता वे अपने पिता एवं पूर्व वालीबॉल खिलाड़ी स्व. अहिवरन सिंह यादव की स्मृति में प्रतिवर्ष आयोजित कराते हैं। टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है। प्रतियोगिता में कुल 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनमें गोला, करौंदा, गणेशपुर, मोहम्मदी, शाहजहांपुर, महोली, लखनऊ, कुकरा, बरवर, मिर्जापुर, पसगवां, बरखेरिया जाट, अजवापुर, कोरोकुइयां आदि की टीमें शामिल हैं। आयोजक ने बताया कि टूर्नामेंट की विजेता टीम को 5,100 रुपये तथा उपविजेता टीम को 3,100 रुपये नकद पुरस्कार के साथ शील्ड प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला बुधवार रात्रि को खेला जाएगा। इस अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि राहुल गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य अनूप सिंह, अरविंद शुक्ला, वकी उल्ला, लतीफ सिद्दीकी, करना शंकर सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

वॉलीबॉल टूर्नामेंट ने भिड़ती टीमें। ● अमृत विचार

- अहिवरन सिंह यादव वालीबॉल टूर्नामेंट का आरंभ
- डे-नाइट मुकाबलों में 16 टीमें ले रही हिस्सा

शिक्षिकाओं का पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

प्रार्थना सभा में शामिल प्रशिक्षणार्थी शिक्षिकाएं। ● अमृत विचार

संवाददाता, पलियाकलां

अमृत विचार: क्षेत्र के 65 गांवों में इम्पैक्ट गुरुग्राम द्वारा चलाए जा रहे शिक्षिकाओं की उप्र वनवासी सेवा संस्थान के कार्यालय परिसर में पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत की गई। संस्थान के प्रमुख अजय कुमार चौबे व प्रोग्राम इंचार्ज पुष्पेंद्र सिंह ने पूजा अर्चना कर इसका आरंभ किया।

बालिका शिक्षा कार्यक्रम के तहत ग्रामीण अंचल की गरीब बालिकाओं की शिक्षा है। जिसमें लगभग 100 बालिकाएं उच्च शिक्षा के लिए अलग-अलग स्कूलों मे दाखिला ले चुकीं हैं। प्रोग्राम इंचार्ज पुष्पेन्द्र सिंह बताया कि प्रशिक्षण पूर्णतया आवासीय है। प्रत्येक तीन माह में सभी अनुदेशिकाएं इस प्रशिक्षण में बच्चों के लेवल के अनुसार हिन्दी, अंग्रेजी, गणित व विज्ञान के बारे में प्रशिक्षण प्राप्त करतीं हैं। इन केन्द्रों में बच्चों के साथ माताओं को भी साक्षर बनाने का कार्य किया जाता है। अनुदेशिका सोनम, जानकी राना, दीपमाला ने अनुभव साझा किए।

अधिवक्ता संघ की कार्यकारिणी ने ली शपथ

संवाददाता, धौरहरा

अमृत विचार: तहसील अधिवक्ता संघ धौरहरा का शपथग्रहण समारोह बुधवार को अधिवक्ता संघ सभागार में मुख्य अतिथि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र नाथ पांडेय ने विशिष्ट अतिथियों एसडीएम शशिकांत मणि, तहसीलदार आदित्य विशाल, सीओ शमशेर बहादुर सिंह व एसडीएम (न्यायिक) सुभ्रेंद्र शेखर सिंह की उपस्थिति में नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शपथ दिलाई।

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र नाथ पांडेय ने कहा कि बार और बेंच के बीच बेहतर समन्वय से ही वादकारियों को समयबद्ध एवं निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है।

उन्होंने अधिवक्ताओं से नई तकनीक को अपनाने पर जोर दिया और कहा कि सभी को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ करना चाहिए। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में अध्यक्ष कृष्ण मोहन तिवारी, मंत्री विवेक कुमार श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष कौशल किशोर श्रीवास्तव, संयुक्त मंत्री दीपक कुमार तिवारी एवं गवर्निंग काउंसिल अध्यक्ष सुरेश कुमार भार्गव शामिल हैं।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाते अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश।

- बार, बेंच में समन्वय से ही वादकारियों को मिलेगा समयबद्ध न्याय

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने पूर्व कार्यकारिणी सदस्यों का माल्यार्पण कर सम्मान किया। इस दौरान अधिवक्ता कमल पांडेय ने अपनी ओजस्वी कविताओं के माध्यम से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं, एसडीएम शशिकांत मणि ने कहा कि धौरहरा तहसील में अधिवक्ताओं द्वारा बार और बेंच के बीच बनाए रखा गया सौहार्दपूर्ण समन्वय न्याय हित में अत्यंत सराहनीय है।

इस मौके पर जिला महामंत्री राजीव पांडेय, पूर्व अध्यक्ष राजू शुक्ला, बृजेंद्र कुमार मिश्रा, सुशील कश्यप, उमेश श्रीवास्तव, राजेश वाजपेयी, जीत सिंह, जितेंद्र सिंह, कैलाश मिश्रा, अभय मिश्रा, अखिलेश मिश्रा, कन्हैया वाजपेयी, कमल पांडेय, रवी सिंह, राजेश निगम आदि मौजूद रहे।

प्रदर्शन में नहीं पहुंचा कोई प्रशासनिक अधिकारी

संवाददाता, केशवापुर

अमृत विचार: गांव में विकास कार्य न होने से क्षुब्ध लोक जन संघर्ष पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामनिवास शुक्ल का धरना दूसरे दिन भी जारी रहा, लेकिन धरना स्थल पर कोई प्रशासनिक अधिकारी न पहुंचने से लोग चिंतित हैं।

ब्लॉक कुंभी की ग्राम पंचायत बांसगांव के वार्ड संख्या 7 में पंचायत के विकास कार्य पर सवाल उठाते हुए लोक जन संघर्ष पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामनिवास शुक्ल ने 20 जनवरी से सत्याग्रह धरने पर बैठे हैं, जिसकी जानकारी रामनिवास शुक्ल द्वारा एसडीएम गोला प्रतीक्षा त्रिपाठी को 14 जनवरी को दिए गए ज्ञापन में दी जा चुकी है। धरना स्थल पर न ही सुरक्षा व्यवस्था है और न ही कोई अधिकारी जांच करने पहुंचा है। धरना स्थल पर दूसरे दिन भी लोगों का समर्थन जारी रहा।

बांसगांव में धरने पर बैठे रामनिवास शुक्ल। ● अमृत विचार

पलिया गन्ना समिति के दो स्थाई लिपिक निलंबित

संवाददाता, पलिया कलां

- करोड़ों का गबन करने के आरोप में हुई कार्रवाई
- सत्यापन में सामने आया लगभग 5 करोड़ रुपये का अंतर

अमृत विचार: सहकारी गन्ना विकास समितियों में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए उप गन्ना आयुक्त परिक्षेत्र लखनऊ ने पलिया सहकारी गन्ना विकास समिति के दो स्थायी लिपिक अखिलेश कुमार दीक्षित एवं अमित कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। दोनों पर करोड़ों रुपये के गबन, अभिलेखों में हेराफेरी तथा गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं।

समिति के अध्यक्ष अभिषेक अवस्थी ने कुछ समय पूर्व समिति में हुए बड़े पैमाने पर घोटाले की शिकायत उच्चाधिकारियों से की थी। शिकायत के आधार पर कराई गई प्रारंभिक जांच में गंभीर अनियमितताएं सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई। जारी आदेश के अनुसार लिपिक अखिलेश कुमार दीक्षित के विरुद्ध वर्ष 2019-20 से 2025-26 के दौरान समिति धन के दुरुपयोग, स्टोर स्टॉक में भारी अंतर, अग्रिम धनराशि का समायोजन न करने तथा बैंक खातों के संचालन में गंभीर लापरवाही के प्रमाण मिले हैं। जांच में पाया गया कि कार्यकाल के दौरान समिति के उप-खाद गोदाम मकनपुर एवं पलियाकलां से लगभग 26.02 लाख रुपये मूल्य के स्टोर स्टॉक का दुरुपयोग कर समिति को वित्तीय क्षति पहुंचाई गई। इसके अलावा 32.57 लाख रुपये मूल्य के स्टोर स्टॉक को अभिलेखों में अनियमित ढंग से दर्शाया गया। जानकारी के अनुसार 19 सितंबर 2025 को कराए गए भौतिक सत्यापन में ईआरपी पोर्टल पर दर्ज स्टॉक और वास्तविक उपलब्ध स्टॉक के बीच 4,95,65,141.58 रुपये का भारी अंतर पाया गया, जिसे जांच अधिकारियों ने अत्यंत गंभीर माना है।

अग्रिम धनराशि और ब्याज हानि का मामला

जांच में यह भी सामने आया कि वर्ष 2019-20 से 2025-26 के बीच समिति कोष से विभिन्न मदों में प्राप्त 3 .28 लाख रुपये की अग्रिम धनराशि का न तो समायोजन किया गया और न ही उसे वापस समिति कोष में जमा किया गया। इसके अतिरिक्त समिति के बैंक खातों में निर्धारित सीमा से अधिक धनराशि रखे जाने के कारण इंडियन बैंक एवं पंजाब एंड सिंध बैंक में 5 से 7 करोड़ रुपये तक की राशि लंबे समय तक निष्क्रिय पड़ी रही, जिससे समिति को ब्याज के रूप में भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। इतना ही नहीं, लिपिक पर यह भी आरोप है कि वर्ष 2019-20 से 2024-25 तक मैनुअल बैलेंसशीट, वर्किंग स्टेटमेंट एवं कैश रजिस्टर समय से तैयार नहीं किए गए तथा कई वर्षों की प्रविष्टियां अधूरी पाई गईं। गन्ना समिति अध्यक्ष अभिषेक अवस्थी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला गन्ना अधिकारी, सीतापुर को जांच अधिकारी नामित किया गया है। उन्हें एक माह के भीतर जांच पूर्ण कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निलंबन अवधि के दौरान दोनों आरोपित लिपिकों को सहकारी गन्ना विकास समिति, हरगांव (सीतापुर) मुख्यालय से संबद्ध किया गया है तथा बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने पर रोक लगाई गई है।

मेधावी छात्राओं का किया सम्मान

संवाददाता, औरंगाबाद

अमृत विचार: विकास खंड पसगवां की बाईकुआं न्याय पंचायत स्थित संविलियन विद्यालय खूंटीखुर्द में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत मेधावी छात्राओं के सम्मान एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रत्येक विद्यालय से कक्षा 6, 7 और 8 की दो-दो मेधावी छात्राओं सहित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राओं को सम्मानित कर टेबल पुरस्कार प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में न्याय पंचायत के सभी उच्च प्राथमिक व संविलियन विद्यालयों की छात्राओं को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गन्ना चेयरमैन राजेंद्र कुमार मिश्रा विशिष्ट अतिथि खंड विकास अधिकारी पसगवां रहे। बीडीओ ने कहा कि शिक्षा ही जीवन की सबसे अनमोल धरोहर है, जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाती है। छात्राओं से सामान्य ज्ञान से जुड़े कई प्रश्न भी पूछे गए, जिनका छात्राओं ने उत्तर देकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से गन्ना डायरेक्टर अनिल राठौर, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विकास अवस्थी, ग्राम सचिव विवेक सिन्हा, संकुल प्रभारी वेद प्रकाश शुक्ला, अभिषेक आनंद, विवेक गुप्ता, पंकज वर्मा, प्रदीप पांडे, सुनीत अग्निहोत्री, आरती गुप्ता आदि मौजूद रहे।

छात्रा को संबोधित करते मुख्य अतिथि गन्ना चेयरमैन राजेंद्र कुमार मिश्रा व अन्य।

- बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत हुआ पुरस्कार वितरण

न्यूज ब्रीफ

राम मंदिर का द्वितीय स्थापना उत्सव आज

पलिया कलां, अमृत विचार : नगर की पुरानी बाजार स्थित ठाकुरद्वारा श्रीराम मंदिर परिसर में अयोध्या स्थित मर्यादा पुरुषोतम भगवान श्रीराम मंदिर का द्वितीय प्राण प्रतिष्ठा स्थापना उत्सव गुरुवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। रामलीला कमेटी पलिया के महामंत्री प्रेम प्रकाश पांडेय ने बताया कि इस दिन राम मंदिर परिसर में पूजन -अर्चन, कीर्तन- भजन व श्री रामचरित मानस के पंचम सोपान सुन्दरकाण्ड का पाठ, महिला सत्संग एवं शाम को दीपोत्सव मनाया जाएगा। क्षेत्रीय गायकों व स्थानीय छात्र- छात्राओं द्वारा धार्मिक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

नि:शुल्क कैंप आज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : नवीन बाईपास भुसौरिया चौराहा स्थित एक हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर 22 जनवरी को नि :शुल्क चिकित्सा कैंप लगाया जाएगा। संचालक डॉ. कौशल वर्मा ने बताया कि मेडिकल कैंप में अनुभवी डॉ. महेन्द्र कुमार अग्रवाल, डॉ वीके सिंह, डॉ. आरएन वर्मा आदि हड्डियों में कैल्शियम की मात्रा, आरबीएस जांच, यूरिक एसिड, हीमोग्लोविन आदि की निशुल्क जांच करेंगे। साथ ही पैथोलॉजी जांच में आधी छूट और दवाइयों पर भी छूट रहेगी।

तीन महिलाओं समेत चार का चालान

लखीमपुर खीरी,अमृत विचार : कोतवाली तिकुनिया पुलिस ने मारपीट के मामले में गांव सुथना बरसोला निवासी अनीशा फातिमा पत्नी मोहम्मद शरीफ, बदालपुरवा निवासी अजीज अली, आशिया बानों पत्नी अजीज और रोजबीन बानों पुत्री अजीज को गिरफ्तार कर शांतिभंग में चालान भेजा है।

हिस्से के बंटवारे की रंजिश में मारपीट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना ईसानगर क्षेत्र के पंडित पुरवा मजरा रामलोक गांव में हिस्से के बंटवारे को लेकर चली आ रही रंजिश ने हिंसक रूप ले लिया। गांव पंडित पुरवा निवासी अंकित ने बताया कि रात करीब 10 बजे उसके ही गांव के दीपू, सुनील, रवी और बुधराम ने हिस्से के बंटवारे की रंजिश को लेकर उसे गाली-गलौज की। विरोध करने पर लाठी-डंडों से मारपीट की। इस हमले में अंकित के बाएं हाथ में चोट आई। शोर मचाने पर पत्नी हेमा देवी बचाव के लिए पहुंची तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घायल का परीक्षण कराया है।

एक ही रात में चार घरों में लाखों की चोरी

हैदराबाद क्षेत्र के छतौनियां गांव की घटना, पुलिस ने मुआयना कर शुरू की जांचे

संवाददाता, ममरी

अमृत विचार: बीती रात थाना हैदराबाद क्षेत्र के छतौनियां गांव में चोरों ने चार घरों को निशाना बनाया। दो घरों में चोरी करने में असफल रहे तथा दो घरों में लाखों रुपये के जेवर और नकदी चोरी कर ले गए। पीड़ितों ने थाना पुलिस को तहरीर दी है।

थाना क्षेत्र के गांव छितौनियां में बीती रात चोरों ने हेमनाथ वर्मा के घर में घुसकर उनकी दोनों बहुओं सीमा और अनीता के शादी के जेवर, उनके पुत्र दिनेश वर्मा और देवेंद्र वर्मा की सोने की छह अंगूठियां, सोने की चार चेन तथा दिनेश वर्मा की पुत्री शुभी की सोने की चेन, मांग टीका, झाला, पायल, कमर बिछुआ, दो जोड़ी कंगन, कुण्डल तथा पुत्र विकास की सोने की कमरपेटी, गले की माला और घर पर रखी तीन हजार रुपये नकदी उठा ले गए। साथ ही गांव के ही जहीर अंसारी के घर में घुसकर उनके पुत्र शफीक अंसारी, कफील अंसारी एवं रकीब अंसारी के शादी के सोने व चांदी के जेवर और तीन हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। चोरों ने गांव के दुर्गेश वर्मा व अच्छे लाल के घरों में भी चोरी करने का प्रयास किया लेकिन उन लोगों के जाग जाने से चोरी करने में असफल रहे। सुबह जानकारी होने पर चोरी की घटनाओं की सूचना हैदराबाद पुलिस को दी गई। पुलिस ने चोरी की रिपोर्ट तो नहीं दर्ज की लेकन छितौनिया पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है। चोरी की इन घटनाओं से गांव वालों में दहशत का माहौल बना है और लोग अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हो रहे हैं।

छितौनिया में चोरों ने अलमारी तोड़कर बिखेरा सामान।

कमरे में फैला पड़ा तेजाब। ● अमृत विचार

प्राथमिक विद्यालय से हजारों की चोरी

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना ईसानगर क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय पंडितपुरवा-2 का चोरों ने ताला तोड़ दिया और विद्यालय के कार्यालय से उपस्थिति पंजिका समेत रसोई व विद्युत संबंधी सामान ले गए।प्रधानध्यापक अरुण कुमार कनौजिया ने बताया कि चोरों ने विद्यालय कार्यालय का ताला तोड़कर चोरी की है। जब विद्यालय खोला गया तो कार्यालय से कई सामान गायब मिले। सामग्री का मिलान करने पर चोरी गए सामान में एक उपस्थिति पंजिका, लगभग 40 थालियां, दो चाकू, एक स्टील टंकी, एक परात, एक एल्युमिनियम भगोना, पुरानी भट्टी, दो बोरी राशन, एक ब्लूटूथ स्पीकर, टैबलेट का चार्जर, 1.5 एमएम का लगभग 20 मीटर तार तथा 100 वॉट की गोल्डी ग्रीन सोलर प्लेट शामिल हैं। प्रधानाध्यापक की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर से इनवर्टर और बैट्री चोरी

मैगलगंज, अमृत विचार : एनएच-30 हाईवे किनारे स्थित गांव रहजनिया में बने आयुष्मान आरोग्य मंदिर को मंगलवार की रात चोरों ने निशाना बनाया। चोरों ने केंद्र का ताला तोड़कर अंदर रखा इनवर्टर व बैट्री चोरी कर ली। केंद्र प्रभारी नेहा पांडेय ने बताया कि रात के समय चोरों ने कमरे का ताला तोड़कर इनवर्टर और बैट्री उठा ली। इतना ही नहीं, चोरों ने पूरे कमरे में तेजाब भी फैला दिया, जिससे केंद्र में भारी नुकसान हुआ है। सूचना मिलने पर हल्का दरोगा मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। केंद्र प्रभारी ने बताया कि इस तरह की घटना से कर्मचारियों के मन में डर बना हुआ है और केंद्र की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

गिरवी रखे जेवर न लौटाने से सदमे में महिला की हालत बिगड़ी

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचार: सिंगाही कस्बे के एक सोने-चांदी के दुकानदार द्वारा गिरवी रखे गए साढ़े नौ तोला सोने के जेवर वापस न किए जाने और पुलिस के कार्रवाई न करने से पीड़ित महिला को सदमा लग गया। उसे हार्ट अटैक आ गया, जिन्हें गंभीर हालत में पलिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

मझगईं थाना क्षेत्र के गांव बघैया निवासी श्याम किशोर ने मार्च 2022 में थाना सिंगाही क्षेत्र के एक सुनार के पास साढ़े नौ तोला सोने के जेवर गिरवी रखकर रुपये प्राप्त किए थे। तय समयावधि पूरी होने के बाद जब श्याम किशोर जेवर वापस लेने सुनार के पास पहुंचा तो आरोप है कि उसने गहने लौटाने से साफ इंकार कर दिया। सिंगाही पुलिस ने तहरीर देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की। उसने पुलिस अधीक्षक से मिलकर न्याय की गुहार लगाई, लेकिन अभी तक नतीजा शून्य रहा।

निजी अस्पताल में भर्ती मुन्नी देवी।

इसी बीच जब घर में जेवर हड़पे जाने की जानकारी पहुंची तो श्याम किशोर की मां मुन्नी देवी को गहरा सदमा लगा और अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों के अनुसार उन्हें हार्ट अटैक आया, जिसके बाद उन्हें आनन-फानन में पलिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल महिला का इलाज चिकित्सकों की निगरानी में चल रहा है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी सुनार के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और गिरवी रखे गए जेवर वापस दिलाए जाएं।

भाकियू अमन संधू ने आशा संगिनी के आंदोलन को दिया समर्थन

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन (अमन संधू) ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में धरना स्थल पर आकर आशा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को अपना समर्थन दिया है। यूनियन का स्पष्ट मानना है कि आशा बहनों की सभी मांगें पूर्णतः जायज़ और न्याय संगत हैं।

समर्थन पत्र सौंपते हुये अमनदीप सिंह संधू ने कहा कि आशा स्वास्थ्य कार्यकर्ता स्वास्थ्य विभाग की सबसे महत्वपूर्ण और मजबूत कड़ी हैं। इन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और निःस्वार्थ सेवा के माध्यम से देश में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। अपने क्षेत्र को परिवार मानकर आशा बहनें 24 घंटे सेवा में तत्पर रहती हैं। चाहे भीषण ठंड हो, मूसलाधार वर्षा हो या कोई भी आपात स्थिति। सूचना मिलते ही वे अपने घरेलू कार्य छोड़कर मरीजों की सेवा में पहुंच जाती हैं।

गोला सीएचसी में आशाओं को समर्थन पत्र सौंपते अमनदीप सिंह संधू।

● **कहा आशाओं की मांगे जायज और न्याय संगत**

लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा भी सराही गई इतनी महत्वपूर्ण सेवा देने वाली आशा बहनें आज सरकारी उपेक्षा का शिकार हैं। मजबूर होकर वे अपने मांग पत्र को लेकर निरंतर आंदोलन का रास्ता अपनाने को विवश हैं।भारतीय किसान यूनियन (अमन संधू) की मांग है कि आशा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को राज्य कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। उन्हें न्यूनतम इतना मानदेय/वेतन दिया जाए जिससे वे सम्मानपूर्वक अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकें। उन्होंने आशाओं को आश्वस्त किया है कि उनके आंदोलन को जनसमर्थन या संगठनात्मक सहयोग की आवश्यकता पड़ी, तो भारतीय किसान यूनियन (अमन संधू) का प्रत्येक कार्यकर्ता उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर आंदोलन में पूरा सहयोग देगा।

सवारी लाए चालक का ई-रिक्शा चोरी

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: सीतापुर की कोतवाली नगर के आरएमपी रोड निवासी जितेंद्र कुमार ने बताया कि वह ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। 3 जनवरी 2026 को वह सीतापुर से हरगांव सवारी लेकर आया था।

हरगांव शुगर मिल के पास से उसे दो युवक लखीमपुर के लिए मिले, जिन्हें वह एलआरपी चौराहा तक छोड़कर आया। दोनों ने वापस हरगांव चलने की बात कही, जिस पर वह उन्हें लेकर ओयल की ओर चला गया। लघुशंका के लिए सड़क किनारे झाड़ियों की ओर गया। लौटने पर उसने देखा कि उसका ई-रिक्शा के साथ दोनों युवक भी लापता थे। आसपास काफी तलाश करने के बावजूद वाहन का कोई सुराग नहीं लगा। एसओ निराला तिवारी ने बताया कि रिक्शा चालक ने मंगलवार को तहरीर दी थी, जिसके आधार पर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। जांच एसआई अजय कुमार सिंह को सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और जल्द ही वाहन व आरोपियों की तलाश की जाएगी।

व्यापारियों के हितों, समस्याओं पर चर्चा

संवाददाता, निघासन

अमृत विचार: नगर के एक पैलेस में व्यापार मंडल के विस्तार का कार्यक्रम आयोजित किया गया। व्यापारियों के हितों, समस्याओं और संगठन को मजबूत करने को लेकर चर्चा की गई। आफताब आलम को कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया गया। बैठक में बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रांतीय सदस्य अशोक चौबिया व विशिष्ट अतिथि दामोदर प्रसाद मौजूद रहे। इसके अलावा महामंत्री सनी चानी, रवींद्र वर्मा सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। अतिथियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को माला पहनाकर एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान व्यापार मंडल की विस्तारित कार्यकारिणी में कार्यवाहक अध्यक्ष आफताब आलम, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामकिशोर मौर्य, उपाध्यक्ष आयुष पाण्डेय, मंडल मंत्री पिंटू कनौजिया, मीडिया सलाहकार केके मौर्य, मीडिया प्रभारी सतीश गुप्ता, सह मीडिया प्रभारी शिवा गुप्ता, संयोजक असगर अली, संयुक्त मंत्री आशीष गुप्ता, कृष्ण गोपाल पांडेय, शंभू गुप्ता, मंडल प्रभारी विकास जायसवाल, अवधेश गुप्ता, अमित गुप्ता, वीके गुप्ता, संगठन मंत्री अनिल मौर्य, नितिन चौबिया व नंदन वर्मा को युवा प्रकोष्ठ संयोजक नियुक्त किया गया। इसके अलावा उमर खान, रोहित अग्रवाल, शुभम गुप्ता, आलोक जायसवाल, अरुण गुप्ता, दीपक पटेल व यश गुप्ता को संगठन का सक्रिय सदस्य बनाया गया। सभी को डायरी, पेन और माला पहनाकर सम्मानित किया गया। व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने संगठन की मजबूती, एकता और सक्रियता पर जोर देते हुए कहा कि व्यापार मंडल व्यापारियों के विश्वास और मार्गदर्शन के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि विस्तारित कार्यकारिणी के माध्यम से संगठन को और अधिक मजबूत किया जाएगा। पारदर्शिता, एकजुटता और व्यापारी हितों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

खुशी का इजहार करते नवनिर्वाचित पदाधिकारी। ● अमृत विचार

● **नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को वितरित किए गए प्रमाण पत्र**

लूट में शामिल चार बदमाश गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: थाना खीरी पुलिस ने लूट, चोरी और जान से मारने की नीयत से फायरिंग जैसी संगीन घटनाओं में शामिल रहे चार शातिर अपराधियों तो गिरफ्तार किया है, जिनके पास से नकदी, जेवर, तमंचे और घटना में प्रयुक्त कार भी बरामद की है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों का चालान भेजा है।

एसओ निराला तिवारी ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों में पंकज निवासी बेलवा डिंगरा थाना लहरपुर जिला सीतापुर, सुरेंद्र कुमार उर्फ कल्लू निवासी मंझरा गौढी थाना शारदानगर, सरवन निवासी लोनियनपुरवा मजरा अशोगापुर थाना खीरी और भानू सिंह निवासी चाऊपुर पड़री थाना खीरी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन तमंचे 315 बोर, एक जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस, चांदी की दो पायल, एक चांदी का सिक्का, 8,400 रुपये नकद और वारदात में प्रयुक्त डिजायर कार बरामद की है। बरामद वाहन को मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी थाना खीरी में दर्ज लूट, फायरिंग और आर्म्स एक्ट के मामलों में शामिल थे, जिनकी पुलिस तलाश कर रही थी। आरोपियों के विरुद्ध पहले से भी कई आपराधिक संगीन मामले दर्ज हैं।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों का चालान भेजा है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में एसआई गौरव कुमार, राहुल कुमार, हेड कांस्टेबल कृष्ण कुमार शर्मा, कांस्टेबल सुधीर कुमार, आशीष यादव व गंगादीन शामिल रहे।

थाना खीरी पर मौजूद गिरफ्तार आरोपी। ● अमृत विचार

● **असलहे, नकदी, जेवरात व वारदात में प्रयुक्त कार बरामद**

महिला की मौत मामले में आरोपी गिरफ्तार

सिंगाही, अमृत विचार: थागांव ऐली निवासी शिव देवी की दो दिन पहले संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। पति ने किराएदार कस्बा सिंगाही के मोहल्ला गद्दिनटोला निवासी मो.जाबिर पर गंभीर आरोप लगाए थे. उसका कहना था कि आरोपी ने उसकी गैर मौजूदगी ने पत्नी को प्रेम जाल में फंसा लिया। गर्भवती होने पर उसे गर्भपात कराने के लिए दवा खिला दी। इससे उसकी मौत हो गई। मामला दो समुदायों के बीच का होने पर बजरंग दल के कार्यकर्ता मंगलवार को ऐली पहुंचे और पुलिस के कार्रवाई न करने पर हंगामा किया था। बवाल बढ़ते देख तीन थानों की पुलिस को बुला लिया गया। बाद में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। तब लोग शांत हुए थे। प्रभारी निरीक्षक मनीष कुमार सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार को उसका चालान भेजा गया है।

दीवार गिरने से गाय मरी, कई मवेशी घायल

संवाददाता, मितौली

अमृत विचार: थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत ढकिया कुस्तौल के मजरा जलालपुर निवासी पं. वेद प्रकाश मिश्रा के घर बुधवार सुबह अचानक कच्ची व पक्की दीवार भरभराकर गिर गई। दीवार गिरने की तेज आवाज सुनते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। हादसे में कई मवेशी मलबे में दब गए। इनमें एक गाय की मौत हो गई। जबकि एक भैंस सहित कई अन्य पशु गंभीर रूप से घायल हो गए।

गांव जलालपुर निवासी पंडित वेद प्रकाश मिश्र के घर की कच्ची व पक्की दीवार बुधवार सुबह अचानक भरभराकर गिर गई। दीवार के पास ही पशु बंधे हुए थे, जो मलबे के नीचे पूरी तरह दब गए। मवेशियों की आवाज और परिजनों की चीख-पुकार सुनकर भारी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद मलबे को हटाकर पशुओं को बाहर निकाला। इस हादसे में एक गाय ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं एक भैंस की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है, जिसका उपचार किया जा रहा है। अन्य मवेशियों को भी काफी चोटें आई हैं। इस घटना से पीड़ित वेद प्रकाश मिश्र को भारी आर्थिक क्षति पहुंची है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने और घायल मवेशियों के समुचित उपचार की मांग की है। घटना की सूचना स्थानीय प्रशासन को दे दी गई है।

मलबे में दबी भैंस को निकालते लोग। ● अमृत विचार

● **घायल एक भैंस की हालत गंभीर, उपचार जारी**

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार गंभीर घायल

फूलबेहड़, अमृत विचार: पलिया क्षेत्र के गांव पतवारा निवासी राधेश्याम और रामआसरे बाइक से लखीमपुर से गांव लौट रहे थे। महेवागंज में शर्मा पेट्रोल पंप के पास पीछे से आ रहे ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में रामआसरे गंभीर घायल हो गए, जबकि राधेश्याम को मामूली चोटें आईं। लोग एकत्र हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल रामआसरे को गंभीर हालत में जिला अस्पताल भिजवाया। वहीं, हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में लेकर कार्रवाई की है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

अतिरिक्त दहेज के लिए महिला को घर से निकाला

संवाददाता, पसगवां

अमृत विचार: अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाह के मात्र दस माह बाद ही ससुराल पक्ष ने एक विवाहिता को प्रताड़ित कर उसके मायके छोड़ दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बरवर कस्बे के मोहल्ला सुभाष नगर निवासी कृष्ण कुमार सोनी ने अपनी पुत्री अंजली सोनी का विवाह 6 मार्च 2025 को जनपद सीतापुर के थाना तंबौर अंतर्गत ग्राम बेहटा पकौरी निवासी रसिक सोनी उर्फ अमन के साथ अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान-दहेज देकर किया था।

पीड़िता अंजली सोनी का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल पक्ष द्वारा अतिरिक्त दहेज में 20 लाख रुपये की मांग की जाने लगी। मांग पूरी न होने पर उसे लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया।

आरोप है कि मारपीट के बाद ससुराल वालों ने उसे जबरन उसके मायके बरवर छोड़ दिया। विवाहिता की तहरीर पर पुलिस ने विनोद सोनी, उसकी पत्नी गीता, संतोष सोनी एवं उसकी पत्नी मीना उर्फ अनीता सहित कुल पांच आरोपियों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

● **10 माह बाद ससुराल से मायके में छोड़ी गई पीड़िता**

मातृ जागरण को सप्त शक्ति संगम

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: आवास विकास कॉलोनी स्थित डॉ. हेडगेवार सरस्वती शिशु मंदिर में राष्ट्र निर्माण एवं मातृ शक्ति के जागरण के उद्देश्य से सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ किया गया।मंचासीन अतिथियों का परिचय एवं स्वागत करते हुए कार्यक्रम की संयोजिका गरिमा मिश्रा ने कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्रस्तुत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारत विकास परिषद की अध्यक्ष अर्चना श्रीवास्तव ने की। प्रांतीय मुख्य वक्ता प्रवक्ता डॉ. सुरचना त्रिवेदी ने भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं, प्रधानाचार्या दिव्या शर्मा ने कुटुंब प्रबोधन एवं पर्यावरण संरक्षण के संबंध में भारतीय दृष्टिकोण पर अपने विचार व्यक्त किए।

आचार्या वर्षा ने समूह गीत और बहिन वैष्णवी द्वारा अभिनय गीत की सशक्त प्रस्तुति दी गई। भारतीय इतिहास की श्रेष्ठ नारियों जीजाबाई एवं मीराबाई का स्वरूप धारण कर रुचि गुप्ता एवं अनुष्का गुप्ता ने अपने प्रेरणादायी वक्तव्यों से सभी को भावविभोर कर दिया।

अंत में वरिष्ठ आचार्या मीना शुक्ला ने सभी का आभार जताया। संयोजिका गरिमा मिश्रा ने सभी माताओं को संकल्प दिलाया। संचालन आचार्या रश्मि वर्मा ने किया।

कार्यक्रम में मौजूद मातृ शक्ति। ● अमृत विचार

● **डॉ. हेडगेवार सरस्वती शिशु मंदिर में हुआ कार्यक्रम**

घर में निकला रसेल वाइपर सांप, अफरा-तफरी मची

संवाददाता, निघासन

अमृत विचार: निघासन क्षेत्र के सिसैया क्रेशर के पास उस समय हड़कंप मच गया जब राम नरेश यादव के घर से अत्यंत विषैला रसेल वाइपर सांप निकल आया। घर के अंदर सांप दिखाई देते ही परिवार में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग भी दहशत में आ गए। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने उसे पकड़कर अदलाबाद के जंगल में छोड़ दिया।

रेस्क्यू टीम में शामिल वन दरोगा शुभम और अक्षय मौर्या ने बताया कि रसेल वाइपर सांप को देश के सबसे खतरनाक और जहरीले सांपों में गिना जाता है। वन विभाग के अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि इस क्षेत्र में दुधवा टाइगर रिजर्व से सटे इलाकों में वन्यजीवों और सरीसृपों की आवाजाही सामान्य है।

ऐसे में सांप दिखने पर उसे मारने या पकड़ने का प्रयास न करें, बल्कि तुरंत वन विभाग या संबंधित विभाग को सूचना दें।

● **वन विभाग ने पकड़कर जंगल में छोड़ा**

घर में पकड़ा गया रसेल वाइपर सांप।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमने अपना नाम वाहिद अली से बदलकर वाहिद अली मंसूरी पुत्र साबिर अली मंसूरी व माता ताहिरा बेगम मंसूरी निवासी-मोहल्ला पश्चिमी दीक्षिताना, बांकेगंज रोड गोला गोकर्णनाथ-खीरी कर लिया है। भविष्य में हमको इसी नाम से जाना और पहचाना जाये।

NOTICE

I solely informed that my Son Prashant Singh Rana S/o Karan Singh Rana but in school record my name is Karan Singh and his mother's name is Savitri Devi instead of Savitri Devi Rana. please it is read as Prashant Singh Rana S/o Karan Singh Rana and his mother's name is Savitri Devi. Karan Singh Rana S/o Sadhu Singh Rana resident village and P/O Dhakhiya Tahsil paliya Kalan, District Lakhimpur kheri, Uttar Pradesh.

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 22 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

हाईटेंशन लाइन टूटी गन्ना जला

मैगलगंज, अमृत विचार : औरंगाबाद विद्युत केंद्र क्षेत्र के हैरमखेड़ा गांव में हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर खेत में गिर गया, जिससे एक किसान का गन्ना जल गया। गांव निवासी मुलायम के खेत में अचानक हाईटेंशन लाइन का तार गिरने से आग लग गई, जिससे गन्ने की फसल जलने लगी। ग्रामीणों व किसान की सतर्कता से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे आसपास के खेतों को बचा लिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में हाईटेंशन लाइनें काफी जर्जर अवस्था में हैं। इसके बावजूद विद्युत विभाग द्वारा समय रहते मरम्मत या तार बदलने का कार्य नहीं कराया जा रहा, जिससे आए दिन ऐसी घटनाएं हो रही हैं। किसानों ने विभाग से शीघ्र जर्जर तारों को बदलवाने की मांग की है।

चाइनीज मांझे की चपेट में आकर अधिवक्ता घायल

बरेली, अमृत विचार : राजेन्द्र नगर निवासी तरुण जोशी अधिवक्ता हैं। वह बुधवार की शाम कचहरी से काम समाप्त करने के बाद बाइक से घर जा रहे थे। वह जैसे ही शाहमतगंज पुल पर पहुंचे तभी उनकी बाइक के आगे चाइनीज मांझा आ गया। वह जब तक संभलते चाइनीज मांझा उनकी गर्दन में उलझ गया। मांझे को हटाने के प्रयास में उनकी बाइक गिर गई। वहीं मांझे से उनकी गर्दन भी कटने से खून निकलने लगा। आसपास के लोगों ने किसी तरह उन्हें उठाकर पास के निजी अस्पताल में ले गए। अधिवक्ता उमंग रावत (शीनू) ने बताया कि शहर में लगातार चाइनीज मांझे से घटनाएं हो रही हैं, लेकिन पुलिस-प्रशासन उस पर रोक नहीं लगा पा रहा है। बताया कि गुरुवार को डीएम कार्यालय में ज्ञापन दिया जाएगा।

किसानों को बिना मर्जी दे रहे नैनो खाद

डीएम की अध्यक्षता में विकास भवन में आयोजित किसान दिवस में आईं कई शिकायतें

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बंद बिजली मीटर पर बिल और कम खर्च पर चार लाख तक के बिल भेजने के मामले भी उठे
- बहेड़ी क्षेत्र की शकरस नदी किनारे सुरक्षा दीवार बनाने को लेकर डीएम को दिया ज्ञापन

अमृत विचार: किसान दिवस में बुधवार को खाद दुकानों पर किसानों को डीएपी, यूरिया के साथ नैनो खाद बेवजह देने, बिजली विभाग की ओर से मीटर बंद होने पर बिल भेजने और कम खर्च पर दो से चार लाख रुपये का बिल भेजने के मुद्दे छाए रहे। किसानों ने कहा कि सरकार कह रही है कि किसान आय बढ़ाएं लेकिन किसान कैसे आए बढ़ाएं, खाद की दुकानों पर मर्जी के बिना नैनो दी जा रही है। कृषि यंत्रों की सब्सिडी नहीं मिल रही है। तहसीलों में सुनवाई नहीं हो रही है। तहसीलों के अधिकारी शोषण कर रहे हैं। खेत के बीच में 11 हजार की लाइन के टूटने पर सही कराने के लिए दिक्कत झेलनी पड़ रही है। किसानों ने ये मुद्दे डीएम के समक्ष उठाते हुए निराकरण की मांग जोर-शोर से उठायी।

विकास भवन के सभागार में बुधवार को जिलाधिकारी अविनाश एवं मुख्य विकास अधिकारी देवयानी की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसानों ने गन्ना भुगतान को समय पर कराने की मांग उठायी। इस पर डीएम ने किसानों को आश्वासन दिया कि गन्ने का बकाया भुगतान समय पर कराया जायेगा। ग्राम रहटुइया निवासी भारतीय किसान यूनियन (शंकर) के पदाधिकारी प्रताप सिंह ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर आरोप लगाया कि तहसील स्तर पर किसानों का शोषण हो रहा है। बहेड़ी के किसान नेता करन सिंह सागर ने ग्राम शकरस में नदी किनारे सुरक्षा दीवार बनाने का मामला उठाया। भाकियू टिकैत के पदाधिकारी कासिफ रजा ने बिजली बिल ज्यादा आने और खाद दुकानों पर बेवजह नैनो खाद देने की शिकायत की।

भाकियू टिकैत के जिला प्रवक्ता मो. इकबाल ने बताया कि किसान दिवस में शिकायतों का निस्तारण नहीं होता है। शिकायतें लेकर रख ली जाती हैं। डीएम ने किसानों की समस्याएं सुनकर विभागीय अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। कहा कि किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण करने के बाद कृषकों से वार्ता कर उन्हें अवगत कराएं। अधिकारी स्वयं बात कर समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करें। डीएम ने कहा कि अगले किसान दिवस में पुरानी शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। बैठक में कृषि विभाग, विद्युत विभाग, सिंचाई विभाग, उद्यान विभाग, नलकूप विभाग, गन्ना विभाग के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

उर्द 266 क्विंटल एवं मूंग 471 क्विंटल बीज बुकिंग के जरिये मिलेगा

जिला कृषि अधिकारी ऋतुषा तिवारी ने किसानों को फार्मर रजिस्ट्री की जानकारी देते हुए बताया कि कृषि विभाग की महत्वपूर्ण योजना जनपद में गन्ने के साथ उर्द 266 क्विंटल एवं मूंग 471 क्विंटल के बीज की बुकिंग ऑनलाइन की जा रही है। इनके बीज किसानों को बुकिंग के माध्यम से दिए जाएंगे। किसानों को कृषि यंत्रीकरण के संबंध में भी जानकारी दी।

बकरी, मत्स्य व मधुमक्खी पालन के बारे बताया

कृषि वैज्ञानिक एवं मत्स्य पालन विशेषज्ञ दुर्गा दत्त शर्मा ने किसानों को आईएफएस मॉडल के बारे में जानकारी दी और मौसम चक्र के साथ खेती करने एवं बकरी और मत्स्य पालन के साथ मधुमक्खी पालन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बैठक में मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी ने किसानों को बताया कि पशुओं को ठंड से बचाव के लिए गुड एवं मिनरल मिक्स चारा की सही मात्रा भोजन में उपलब्ध करायें।

एसएसपी कार्यालय के बाहर बुजुर्ग ने किया आत्मदाह का प्रयास

बरेली, अमृत विचार : एसएसपी कार्यालय के बाहर बुधवार सुबह अपने साथ लाए ज्वलनशील पदार्थ को बुजुर्ग ने जैसे ही अपने ऊपर डाला पुलिसकर्मियों ने दबोच लिया। बुजुर्ग ने किला पुलिस और एक मीडियाकर्मी पर परेशान करने का आरोप लगाया है। कोतवाली पुलिस ने पूछताछ की। घटना से हडकंप मच गया।

किला थाना क्षेत्र के गढ़ी चौकी निवासी बुजुर्ग लक्ष्मी नारायण ने बुधवार को एसएसपी कार्यालय के बाहर खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालने की कोशिश की। पुलिस ने समय रहते उसे पकड़ लिया। मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए बुजुर्ग को तुरंत कब्जे में ले लिया। इसके बाद पुलिस कर्मियों ने उसे कोतवाली पहुंचा दिया। वहां कोतवाल सुरेश चंद्र गौतम ने उससे पूछताछ शुरू कर दी। पूछताछ के दौरान बुजुर्ग ने आरोप लगाया कि एक थानेदार और एक मीडियाकर्मी की मिलीभगत से उसे परेशान किया जा रहा है। इसी प्रताड़ना से तंग आकर उसने जान देने की कोशिश की। कोतवाल का कहना है कि जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

आग से लाखों का सामान राख

संवाददाता, पसगवां

आग में झुलसी अर्चना। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कस्बा जंगबहादुरगंज में खाटूश्यामजी के भक्त व भजन गायक सचित सक्सेना के घर में मंगलवार की रात अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग की चपेट में आकर लाखों रुपये का घरेलू सामान और परचून की दुकान का स्टॉक जलकर राख हो गया, वहीं आग बुझाने के प्रयास में सचित का बड़ा भाई रचित सक्सेना और विवाहिता बहन अर्चना झुलस गए। हादसे से परिवार में अफरातफरी मच गई।

पीड़ित परिवार के मुखिया रामप्रकाश सक्सेना ने बताया कि आग रात करीब तीन बजे लगी। आग लगने का स्पष्ट कारण सामने नहीं आ सका है, हालांकि शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। जब परिवार को आग की जानकारी हुई तो शोर मचाकर मोहल्ले के लोगों को बुलाया गया। मोहल्लेवासियों की मदद से कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। रामप्रकाश सक्सेना कस्बे में किराना की दुकान संचालित करते हैं।

उन्होंने बताया कि दुकान से संबंधित काफी मात्रा में परचून का सामान घर में रखा हुआ था, जिसे वे दो दिन पहले ही लेकर आए थे। आग लगने से घर में रखा सारा सामान जलकर नष्ट हो गया। सचित सक्सेना के अनुसार आग से हुए नुकसान का अनुमानित आंकलन करीब 10 लाख रुपये तक पहुंच रहा है। आग बुझाने के दौरान विवाहित पुत्री अर्चना और भाई रचित सक्सेना झुलस गए, जिनका उपचार कराया गया है। घटना की सूचना पर क्षेत्रीय लेखपाल हरनाम मौके पर पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। आग लगने की इस घटना से मोहल्ले में दहशत का माहौल बना रहा। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से आर्थिक सहायता और मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है।

दो नकलची पकड़े

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज के चीफ प्रॉक्टर प्रो. आलोक खरे ने बताया कि बुधवार को एमकॉम तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा में छात्रा और एलएलबी प्रथम सेमेस्टर में एक छात्र पर्चियों से नकल करते पकड़ा। दोनों को यूएफएम करके महाविद्यालय को सूचना दी गई है।

ट्रॉली पलटने से बाइक दबी, दंपती घायल

संवाददाता, मझगईं

- पलिया-निघासन स्टेट हाईवे पर जाम, मची अफरा तफरी

अमृत विचार: पलिया-निघासन स्टेट हाईवे पर नौगवां कस्बे के आगे बुधवार दोपहर बाद उस समय अफरातफरी मच गई, जब तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली का गुल्ला टूटने से गन्ना लदी ट्रॉली सड़क पर पलट गई। हादसे में एक बाइक ट्रॉली के नीचे दब गई, जिससे बाइक सवार दंपती गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद हाईवे के दोनों ओर लंबा जाम लग गया।

खैरा फार्म निवासी गुरप्रीत सिंह ट्रैक्टर-ट्रॉली में गन्ना भरकर पलिया चीनी मिल जा रहे थे। नौगवां कस्बे के आगे बेला (छोटा बेला) के पास अचानक ट्रैक्टर का गुल्ला टूट गया, जिससे ट्रॉली सड़क के बीचो-बीच पलट गई। इसी दौरान पलिया से दवा लेकर लौट रहे बाइक सवार इशराक अली निवासी बल्लीपुर गदियाना थाना मझगई अपनी पत्नी आयशा के साथ ट्रॉली की चपेट में आ गए और बाइक सहित गन्ने के नीचे दब गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना अचानक हुआ कि बाइक सवार को संभलने का मौका नहीं मिला। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए गन्ने के नीचे दबे दंपती को बाहर निकाला और एंबुलेंस की मदद से पलिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। चिकित्सकों के अनुसार इशराक अली के सिर व पीठ में गंभीर चोटें आई हैं, जबकि उनकी पत्नी आयशा को भी अंदरूनी गंभीर चोटें बताई जा रही हैं। दोनों का इलाज सीएचसी पलिया में जारी है। हादसे के कारण हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर काफी मशक्कत के बाद जाम खुलवाया और यातायात सुचारु कराया।

बीज भंडार दुकानदार से मारपीट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: गांव अभयपुर निवासी राकेश कुमार वर्मा ने बताया कि उसकी बीर बाबा चौराहा पर पेस्टीसाइड की दुकान है। सुबह करीब 9 बजे वह दुकान पर थे। तभी विजय कुमार, गोविन्द वर्मा, सतीश वर्मा व विद्या वर्मा निवासी जोधापुरवा मजरा नैनापुर दुकान पर आए।

आरोप है कि आरोपी बिना किसी कारण गालियां देने लगे। विरोध करने पर सभी ने मिलकर लात-घूंसों से मारपीट कर दी, जिससे उसके होंठ और पीठ में गंभीर चोटें आईं। इसके बाद आरोपियों ने दुकानदार का आईफोन छीनकर तोड़ दिया, जिसकी कीमत करीब 85 हजार रुपये बताई जा रही है। जाते समय आरोपी जान से मारने की धमकी भी दे गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना एसआई मोहम्मद जुबेर अहमद को सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि घायल दुकानदार का मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

आंबेडकर पार्क तक आज निकाला जाएगा मार्च

हड़ताल पर बैठी आशा बहनें। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन के आह्वान पर जारी अनिश्चितकालीन हड़ताल बुधवार को 38 वें दिन भी जारी रही। आशा कर्मियों ने कहा कि अब सरकार को झुकना होगा तभी हड़ताल वापस ली जाएगी। जिलाध्यक्ष जौली वैश्य ने कहा कि इतने दिन से आंदोलन चल रहा है सरकार सिर्फ आंदोलन को कुचलने की साजिश पर तुली हुई है। उसे अब तक भी समझ नहीं आया कि बिना समस्याओं का समाधान किए आंदोलन खत्म नहीं होगा।

जौली वैश्य ने कहा कि 22 जनवरी को अम्बेडकर की प्रतिमा तक मार्च निकालकर बहरी सरकार को संविधान की प्रस्तावना की याद दिलाएंगे कि सरकार जनता के द्वारा जनता के लिए बनाते हैं, आज सरकार भ्रष्टाचारियों के बचाव में लगी है।

उन्होंने आह्वान किया कि गुरुवार को अम्बेडकर की प्रतिमा पर पहुंचने के लिए समय से बड़ी संख्या में आशा कर्मी और सामाजिक कार्यकर्ता एकजुट के साथ आएं। इस मौके पर नंदिनी, हेमपुष्पा, संसारवती , नीलम, किरण, रूपवती, रूपा, विमला, ने भी संबोधित किया।

बवाल में तीन आरोपियों की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज

बरेली, अमृत विचार : मौलाना तौकीर रजा के आह्वान पर 26 सितंबर को शहर में हुए बवाल के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश अमृता शुक्ला ने बारादरी थाना क्षेत्र के पुराना शहर निवासी मुस्तफा नूरी, समनान हुसैन और युनूस की अग्रिम जमानत अर्जियां खारिज कर दीं। एडीजीसी क्राइम महेश यादव ने बताया कि प्रभारी निरीक्षक धनंजय पाण्डेय ने पुलिस पर फायरिंग, पथराव होने पर जानलेवा हमला समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था।

भारत सरकार : रेल मंत्रालय
अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन
मानक नगर, लखनऊ – 226011
RDSO रेल अग्रदूत Transforming Railways www.rdso.gov.in

RO No. 51/2025-26/Telecom 'ई–टेन्डर' दिनांक: 21.01.2026

निविदा सूचना संख्या– टी एल/01 ऑफ 2026

निदेशक/दूरसंचार–II, अ.अ.मा.सं., लखनऊ कृते एवं भारत के राष्ट्रपति के ओर से ई–टेन्डर के ओपेन टेंडर मोड के माध्यम से विभिन्न टेंडरर को भागीदारी के लिए आमंत्रित करते हैं, यदि टेंडर डॉक्यूमेंट में लिखित सभी योग्यताएं पूर्ण हो रही हों।

निविदा सूचना सं0 एवं कार्य का विवरण	बयाना राशि (रू0)	अनुमानित लागत (रु0)
टी एल/01 ऑफ 2026 कार्य का नाम: आरडीएसओ लखनऊ के दूरसंचार प्रयोगशाला में एलटी 4G/5G नेटवर्क परीक्षण प्रतिरूप स्थापित करने हेतु प्रस्ताव	2,71,000.00	2,41,95,653.30
	स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि: 6 माह निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय: दिनांक 09.02.2026 को 15:00 बजे। निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 09.02.2026 को 15:30 बजे।	

नोट:– ● इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नही है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजर अंदाज कर दिया जाएगा।
● पूर्ण विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दी गयी है।
● निविदा दाता के पास क्लास–III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र होना आवश्यक है और IREPS पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिये।
● सभी आवश्यक दस्तावेज ई–निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहियें।

निदेशक/दूरसंचार–II, अ.अ.मा.सं., लखनऊ
कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से

IFFDC इण्डियन फार्म फॉरेस्ट्री डवलपमेंट को-ऑपरेटिव लि.
राज्य कार्यालय:- इफको भवन, 8 गोखले मार्ग, लखनऊ- 226001

निविदा आमंत्रण सूचना दिनांक: 20.01.2026

आई.एफ.एफ.डी.सी. बीज विधायन संयन्त्र ताखा जनपद इटावा पर उपलब्ध गेहूं बीज का छानस (अण्डर साइज) लगभग 2355.60 कुन्तल, गेहूं बीज गेन/सीपेज लगभग 246 कुन्तल, गेहूं बीज अनसोल्ड 2393 कुन्तल, मूंग सीपेज 02 कुन्तल एवं मूंग अण्डर साइज 32.50 कुन्तल, संयन्त्र चपरतला मैंगलगंज लखीमपुर में गेहूं छानस (अण्डर साइज) लगभग 6984.89 कुन्तल, गेहूं गेन/सीपेज लगभग 775 कुन्तल एवं गेहूं अनसोल्ड/फेल लॉट 3962 कुन्तल तथा संयन्त्र हरखूमऊ अमेठी में गेहूं अनसोल्ड 88 कुन्तल, इस प्रकार कुल सम्भार लगभग 16838.99 कुन्तल है, की बिक्री हेतु निविदा सीलबन्द लिफाफे में आमंत्रित की जाती है। इच्छुक पार्टी जिसका मण्डी परिषद में पंजीकरण हो वह अपने पैन कार्ड और जीएसटी पंजीकरण की छायाप्रति और रूपये 2,00,000/- (दो लाख) मात्र EMD के ड्राफ्ट/ RTGS संस्था के खाते Lucknow up seed Yes Bank A/c No. 010581400000441, IFS Code- YESB0000105, Place- Gurgaon प्रति बीज विधायन संयन्त्र के अनुसार अलग-अलग जो आई.एफ.एफ.डी.सी. के पक्ष में लखनऊ पर देय हो के साथ अपनी निविदा (प्रति कुन्तल कर रहित) सीलबन्द लिफाफे में दिनांक 30.01.2026 तक आई.एफ.एफ.डी.सी. के राज्य कार्यालय इफको भवन, 8 गोखले मार्ग, लखनऊ में अपराहन 01:00 बजे तक जमा करा सकते हैं। निविदा उसी दिन अपराहन 02:00 बजे मुख्यालय द्वारा गठित कमेटी के समक्ष खोली जायेगी। H-1 पार्टी की दर (निगोशियेशन उपरान्त) को सक्षम अधिकारी से स्वीकृति उपरान्त ही सम्बन्धित पार्टी को कार्यादेश दिया जायेगा। सम्भार का उठान उठाने वाली मात्रा के सापेक्ष पूर्ण भुगतान संस्था के खाते में जमा होने की पुष्टि के उपरान्त सम्बन्धित पार्टी (आपके) के 6R सहित, आपूर्ति गोदाम से पार्टी (आपके) के बोरों में व आपके लोडिंग खर्च के साथ प्रदान की जायेगी। यदि सम्भार की आपूर्ति आई.एफ.एफ.डी.सी. संस्था के बोरों में की जाती है तो सम्भार में बोरियों का वजन भी शामिल होगा जिसका भुगतान भी सम्भार की दरों पर ही लिया जायेगा। छानस (अण्डर साइज) एवं सीपेज संयन्त्र (ताखा, इटावा) एवं चपरतला (मैगलगंज, लखीमपुर) में किसी कार्य दिवस में देखा जा सकती है। सम्भार जैसा, जिस भी स्थिति में है, उसी दशा में उठान कराना होगा।

सम्पर्क सूत्र:-
संयन्त्र प्रभारी, चपरतला मैगलगंज- 9311421739
संयन्त्र प्रभारी, ताखा इटावा- 9311421742
संयन्त्र प्रभारी, हरखूमऊ अमेठी- 9450970631

परियोजना प्रबन्धक
आई.एफ.एफ.डी.सी.
राज्य कार्यालय लखनऊ

अफसरों ने किया कृषकों की समस्याओं का समाधान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

किसानों की समस्याएं सुनते सीडीओ व अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: बुधवार को विकास भवन सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें सीडीओ केशव कुमार सहित कृषि अधिकारियों ने किसानों की समस्याओं को सुनने के बाद उनका निस्तारण किया।

किसानें ने अधिकारियों के समक्ष बैक, कृषि, सिंचाई, मत्स्य, नलकूप, गन्ना संबंधी शिकायत की। उनका निस्तारण अधिकारियों ने किया गया। किसान दिवस में उपस्थित किसान नरवेश सिंह ने गन्ना भुगतान की समस्या रखी। जिला गन्ना अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि गन्ना का भुगतान 31 जनवरी तक का हो गया है। शेष भुगतान भी जल्द कराया जाएगा।

इस दौरान उप कृषि निदेशक मनोज कुमार ने किसानों से फार्मर रजिस्ट्री कराने को कहा। कहा कि 31 मार्च किसान फार्मर रजिस्ट्री अवश्य करा ले अन्यथा 1 अप्रैल से पीएम किसान सम्मान निधि एवं कृषि तथा सम्बद्ध विभागों की योजनाओं का लाभ मिलना बन्द हो जायेगा। इसके अलावा अन्य योजनाओं की जानकारी किसानों को दी गई।

किसान दिवस में जिला मत्स्य अधिकारी अमित कुमार, जिला कृषि अधिकारी मनोज रावत, एआर कोआपरेटिव मुन्नालाल मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकारी भूमि पर दोबारा अवैध कब्जा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: थाना फूलबेहड़ के गांव श्रीनगर में ग्राम सभा की कीमती भूमि पर बार-बार कुछ लोगों ने दोबारा अवैध कब्जा कर लिया। लेखपाल की तहरीर पर पुलिस ने कई लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

गांव श्रीनगर में स्थित गाटा संख्या 809, रकबा 0.388 हेक्टेयर अभिलेखों में अन्य बंजर भूमि के रूप में दर्ज है। आरोप है कि इस भूमि के एक हिस्से 0.091 हेक्टेयर पर जगदेवी ने 11 जनवरी 2026 को छप्पर डालकर अवैध कब्जा कर लिया था, जिसे 19 जनवरी 2026 को नायब तहसीलदार के नेतृत्व में गठित राजस्व व पुलिस टीम ने हटवा दिया था। इसके बावजूद उसी दिन रात में श्रीनगर निवासी अमित कुमार ने दोबारा उक्त भूमि पर छप्पर डालकर अवैध कब्जा कर लिया। इसके अलावा आरोप है कि चंद्रशेखर, राम मिलन, राममूर्ति ने लगभग 0.056 हेक्टेयर भूमि पर पक्की दुकानें व पालेशर (चक्की) लगाकर अवैध कब्जा कर रखा है। वहीं मुन्ना लाला सहित अन्य लोगों ने भी इसी भूमि पर पक्की दुकानें बनाकर कब्जा कर रखा है। लेखपाल रमाकांत वर्मा ने बताया कि आरोपियों ने सरकारी व ग्रामसभा की अत्यंत कीमती भूमि को खुर्द-बुर्द कर अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच एसआई अशोक कुमार यादव को सौंपी है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बीसलपुर - पीलीभीत

पत्रांक: 460/न.पा.परि.बी./2025-26 दिनांक: 20.01.2026

ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद बीसलपुर द्वारा राज्य वित्त/पालिका निधि के अन्तर्गत निर्माण कार्य की लागत के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य विवरण निम्नवत् है:-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत जी.एस.टी. सहित (लाख रू. में)	बिड सिक्योरिटी 2 प्रतिशत पूर्णांक में	निविदा मूल्य+18 प्रतिशत जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	वार्ड नं. 03 में जितेन्द्र पाल गंगवार के मकान से डॉ. अमित से नरेन्द्र सिंह गंगवार के मकान तक सी.सी. रोड का निर्माण कार्य।	1443370.00	24500.00	1800.00	3 माह

1. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि 21.01.2026 को प्रात: 11:00 बजे से।
2. ई-निविदा के माध्यम से निविदा अपलोड के लिए अन्तिम तिथि/समय 04.02.2026 को अपराहन् 05:00 बजे तक।
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 05.02.2026 को अपराहन 10:00 बजे से।
4. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
5. निविदा प्रपत्र शुल्क और 2 प्रतिशत धरोहर धनराशि (जी.एस.टी.सहित) पालिका के आई.सी.आई.सी.आई. में खाता सं. 321005500073 IFSC- ICIC0003210 में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. द्वारा हस्तान्तरित कर पावती की मूल प्रति स्कैन करके ई-निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगी।
6. अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट http//etender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को अपलोड करें।
7. टेण्डर स्वीकृति होने के उपरान्त शेष 8 प्रतिशत धरोहर धनराशि नगर पालिका परिषद बीसलपुर के उपरोक्त खाते में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. के द्वारा अथवा नियमानुसार एफ.डी.आर./एन.एस.सी. द्वारा जमा कर मूल प्रति जमा कर निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त तीन दिवस के अन्दर नगर पालिका परिषद बीसलपुर के कार्यालय में हार्डकॉपी के साथ जमा करनी होगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, बीसलपुर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, बीसलपुर

रामपुर रोड आज बंद रहेगी बरेली रोड का करें प्रयोग

- वजह: रामपुर रोड पर स्थित टांडा रेलवे फाटक की मरम्मत की जाएगी

संवाददाता, हल्द्वानी/रुद्रपुर

अमृत विचार: टांडा रेलवे फाटक की मरम्मत के चलते आज रामपुर रोड पर रुद्रपुर और हल्द्वानी के बीच वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध रहेगा। ऐसे में हल्द्वानी से रुद्रपुर और रुद्रपुर से हल्द्वानी आने-जाने वाले लोगों को रामपुर रोड के बजाय बरेली रोड का प्रयोग करना होगा। हालांकि इसका रेल यातायात पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

हल्द्वानी पुलिस के मुताबिक, 22 जनवरी को सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक छतरपुर-हल्दी रोड रेलवे स्टेशनों के मध्य रुद्रपुर-हल्द्वानी मार्ग पर स्थित रेलवे फाटक के मरम्मत का कार्य होगा। इसके चलते वाहनों की आवाजाही प्रभावित रहेगी। रामपुर रोड पर सुबह 7:30 बजे से रात्रि 8:30 बजे तक डायवर्जन लागू रहेगा।

यह रहेगा डायवर्जन

- हल्द्वानी से रामपुर रोड होते हुए रुद्रपुर की ओर जाने वाले सभी प्रकार के दोपहिया, चौपहिया, रोडवेज और निजी बसें सिंधी चौराहा से डायवर्ट होकर बरेली रोड होते हुए लालकुआं से किच्छा नगला बाईपास होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे।
- एसटीएच की ओर से रामपुर रोड होते हुए रुद्रपुर की ओर जाने वाले वाहन टीपीनगर से शीतल होटल, गन्ना सेंटर से डायवर्ट होकर लालकुआं से किच्छा नगला बाईपास होते हुए जाएंगे।
- रुद्रपुर से हल्द्वानी के लिए सभी प्रकार के वाहन वाया पंतनगर-लालकुआं होते हुए आएंगे। एआरएम रोडवेज रुद्रपुर श्रीराम कौशल के अनुसार, रोडवेज बसें रुद्रपुर से पंतनगर से लालकुआं होते हुए हल्द्वानी आएंगी-जाएंगी।

रात में एक तार में बिजली देने की मांग

संवाददाता, करियामई

अमृत विचार : रुदायन विद्युत उपकेंद्र से करियामई फीडर को सप्लाई दी जाती है, पिछले कई वर्षों से फीडर ओवरलोड होने से लो वोल्टेज व ट्रिपिंग की समस्या आ रही थी इसी के चलते शासन ने किसानों की समस्याओं का संज्ञान लिया व कृषि फीडर लाइन अलग करा दी। जिसमें किसानों को दिन में ही बिजली देना निर्धारित किया गया है, 12 जनवरी को कृषि फीडर करियामई का उद्घाटन हुआ तो किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई कि अब लाइट दिन में मिलेगी व सटीक वोल्टेज मिलते रहेंगे, लेकिन अब किसानों को चिंता सताने लगी है की रात्रि में बिल्कुल भी लाइट नहीं आ रही है। जिससे निजी नलकूपों पर अंधेरा रहता है साथ ही लाइट न आने के कारण ट्रांसफार्मर चोरी, मोटर चोरी या तार चोरी का डर किसानों को सता रहा है। किसानों राजेंद्र मिश्रा, गोपाल कृष्ण पाराशरी ,सुरेश चंद्र मिश्रा, अशोक चौधरी, नेत्रपाल सिंह, अजय मिश्रा, लक्ष्मी यादव, गौरव शर्मा, पप्पू यादव, अखिलेश उपाध्याय, मनोज उपाध्याय, महावीर सिंह चौधरी, सहित सैकड़ों किसानों ने मांग की है कि रात्रि में करियामई कृषि फीडर पर एक तार में लाइट दे दी जाए। जिससे चोरी की घटनाओं से बचा जा सके साथ ही रात्रि में रोशनी भी बनी रहेगी, एक तार में लाइट देने से विद्युत विभाग को कोई नुकसान नहीं है क्योंकि निजी नलकूप नहीं चल पाएंगे। निजी नलकूप चालकों ने जिलाधिकारी से एक तार में लाइट दिलाने की मांग की है।

विभाग को रात में लाइट देनी चाहिए, जिससे ट्रांसफार्मर तार, मोटर, और निजी नलकूप में चोरी होने का का भय न रहे। साथ ही ट्यूबवेलों पर अंधेरा भी नहीं रहेगा।
-रघुनंदन मौर्य, किसान

सरकार के आदेशानुसार कृषि लाइन पर दिन में 10 घंटे बिजली दी जा रही है। उक्त शेड्यूल में हम परिवर्तन नहीं कर सकते।
- अशोक बाबू, अवर अभियंता

कुछ दिन पहले ही नये फीडर का उद्घाटन हुआ है। लेकिन अब रात्रि में बिजली न आना चिंता का विषय बन गया है विभाग को कम से कम एक तार में बिजली देनी चाहिए।
-राजेंद्र प्रसाद मिश्रा, ग्रामीण

करियामई न्यू कृषि फीडर बन जाने से चिंता दूर हो गई थी, कि अब सही समय पर सही वोल्टेज के साथ बिजली मिलेगी। बार-बार लाइट ट्रिपिंग से निजात मिलेगी लेकिन अब रात में लाइट ना आने से ट्यूबवेल पर चोरी होने का अंदेशा बढ़ गया है। पांच पांच नलकूपों पर चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं।
-बिजय प्रकाश गौड़, किसान

विभाग को कम से कम एक तार में लाइट रात में देनी चाहिए। जिससे चोरी की आशंका से बचा जा सके। एक तार में लाइट देने से नलकूप भी नहीं चलेगा और किसानों को चोरी होने की आशंका भी नहीं रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

हर न्याय पंचायत में शिक्षा चौपाल 24 को

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी दिवस के अवसर पर 24 जनवरी को प्रदेश की सभी न्याय पंचायतों में एक साथ 'शिक्षा चौपाल' का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य अभिभावकों, विद्यालय प्रबंधन समितियों, शिक्षकों और स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी से बच्चों की बुनियादी भाषा और गणितीय दक्षताओं को सुदृढ़ करना है। यह जानकारी देते हुए स्कूल शिक्षा महानिदेशक मोनिका रानी ने बताया कि सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों को बालवाटिका के प्रभावी संचालन, बच्चों के नामांकन व नियमित उपस्थिति, और शिक्षा के दीर्घकालिक महत्व को लेकर निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, विद्यालयों में उपलब्ध प्रिंट-रिच सामग्री, गणित किट, क्रियाशील पुस्तकालय, खेल सामग्री और डिजिटल संसाधनों (स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, दीक्षा, खान अकादमी, टीचर्स ऐप) की जानकारी साझा की जाएगी। प्रत्येक न्याय पंचायत के लिए 10 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।

आगरा-अलीगढ़ में बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़, गुणवत्तापूर्ण एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। आगरा और अलीगढ़ मंडलों में सर्जिकल प्रैक्टिस के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे। यह निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान दिए। आगरा मंडलायुक्त कार्यालय से बुधवार को आयोजित वर्चुअल बैठक में अपर मुख्य सचिव ने कहा कि एस.एन. मेडिकल कॉलेज के सहयोग से दोनों मंडलों में एक-एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किया जाएगा, जिससे सर्जिकल प्रशिक्षण एवं उपचार की गुणवत्ता में सुधार होगा। बैठक में एनएचएम की मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने कहा कि गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मानव संसाधन की दक्षता और जवाबदेही जरूरी है। बैठक में स्वास्थ्य महानिदेशक समेत वरिष्ठ अधिकारी, दोनों मंडलों के मंडलीय अपर निदेशक, मुख्य चिकित्साधिकारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीण आजीविका में बनाया रिकॉर्ड

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान ग्रामीण आजीविका के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए 23 लाख से अधिक महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराया है। ग्रामीण रोजगार गारंटी व्यवस्था के तहत महिलाओं की भागीदारी अभूतपूर्व रूप से बढ़ी है। मानव दिवस सृजन में महिलाओं की हिस्सेदारी 43 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो यह दर्शाता है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में अब महिलाएं केंद्रीय भूमिका निभा रही हैं। महिलाएं सिर्फ श्रमिक नहीं, बल्कि मेट के रूप में निगरानी, प्रबंधन और नेतृत्व की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 32 हजार से अधिक महिला मेट्स को कार्य सौंपा गया है। ये महिलाएं कार्यस्थलों पर श्रमिकों की हाजिरी, काम की गुणवत्ता और प्रबंधन का दायित्व निभा रही हैं। सरकार ने इन महिला मेट्स को 111 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे बैंक खातों में अंतरित की है, जिससे पारदर्शिता और भरोसे की भावना मजबूत हुई है।

अटल विद्यालयों में कौशल प्रशिक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : अटल आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। विद्यार्थियों को उद्योगोन्मुख और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे वे आत्मनिर्भर बनेंगे और आने वाले वर्षों में रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकेंगे। यह बात बुधवार को मिशन निदेशक पुलकित खरे ने समीक्षा बैठक में कहीं। बैठक में भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (बीओसीडब्ल्यू) योजना के अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लाभार्थियों के सत्यापन तथा प्रोजेक्ट प्रवीण के तहत अटल आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किए जाने पर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ समय पर मिले, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। प्रशिक्षण के लिए स्वास्थ्य सेवा, ब्यूटी एवं वेलनेस, फूड प्रोसेसिंग, आईटी एवं आईटीईएस तथा परिधान जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। बैठक में पूजा यादव (सचिव, यूपीबीओसीडब्ल्यू), अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह और संयुक्त निदेशक मयंक गंगवार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उपलब्धियों और संभावनाओं को जन-जन तक पहुंचाएगा यूपी दिवस : मुख्यमंत्री

योगी ने की कार्यक्रमों की तैयारी की समीक्षा, सजेंगी संस्कृति-लोककलाएं व शिल्प, 'एक जनपद-एक व्यंजन' मुख्य आकर्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उप्र. दिवस प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता, विकास यात्रा और जनसहभागिता का भव्य उत्सव बनेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को समीक्षा बैठक में स्पष्ट किया कि यह प्रदेश की पहचान, उपलब्धियों और संभावनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगा। सांस्कृतिक उत्सव, लोककलाएं और शिल्प मेले सजेंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि हर जिले की भागीदारी और प्रदेश की आत्मा स्पष्ट रूप से झलके। 'एक जनपद-एक व्यंजन' आयोजन का मुख्य आकर्षण होगा, जहां हर जिले का स्वाद मिलेगा।

तैयारियों की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएं गरिमा, अनुशासन और समयबद्धता के साथ सुनिश्चित की जाएं। राजधानी लखनऊ स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर उत्तर प्रदेश दिवस का मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसका सीधा प्रसारण प्रदेश के सभी जिलों में किया जाएगा। इसके साथ ही सभी जिलों में स्थानीय स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित होंगे, ताकि उत्तर प्रदेश दिवस का उत्सव एक साथ पूरे प्रदेश में मनाया जा सके।

बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' की थीम पर आधारित विशेष प्रदर्शनी और शिल्प मेला लगाया जाएगा। इसमें प्रदेश की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। हर जिले के पारंपरिक और विशिष्ट व्यंजन एक ही परिसर में उपलब्ध कराए जाएंगे।

संस्कृति उत्सव से जुड़ेगा यूपी दिवस

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि संस्कृति उत्सव 2025-26 के अंतर्गत प्रस्तावित सांस्कृतिक कार्यक्रमों को उत्तर प्रदेश दिवस से प्रभावी ढंग से जोड़ा जाए। उन्होंने कलाकारों और आगंतुकों के लिए समुचित सुविधाएं सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

उत्तर प्रदेश दिवस की तैयारी को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

संस्कृति उत्सव के लिए 1.75 करोड़ की मंजूरी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से उत्तर प्रदेश दिवस को संस्कृति उत्सव 2025-26 के अंतर्गत प्रस्तावित सांस्कृतिक कार्यक्रमों से प्रभावी रूप से जोड़ने के निर्देश के बाद सभी 75 जिलों के लिए 1.75 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। प्रति तहसील 50 हजार की धनराशि कार्यक्रमों पर खर्च होगी। संस्कृति विभाग के संयुक्त निदेशक उमा द्विवेदी की ओर से निदेशालय को भेजे गए शासनादेश के अनुसार, संस्कृति उत्सव के तहत लोकनृत्य, लोकगीत, शास्त्रीय व लोक संगीत, नाटक, पारंपरिक वाद्ययंत्रों की प्रस्तुति, सांस्कृतिक मेले और क्षेत्रीय कला रूपों को मंच प्रदान किया जाएगा। स्थानीय कलाकारों को न केवल अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा, बल्कि मानदेय और आवागमन भत्ता भी प्रदान किया जाएगा।

दो ग्राम पंचायतों से आधार सेवाएं शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : पंचायती राज विभाग ने लखनऊ में ग्राम पंचायत स्तर पर आधार केंद्रों की शुरुआत कर दी है, जिससे ग्रामीणों को आधार से जुड़ी सेवाएं अब अपने गांव में ही उपलब्ध हो सकेंगी। ब्लॉक सरोजनीनगर की ग्राम पंचायत भटगवां पांडेय व चिनहट ब्लॉक की सैरपुर ग्राम पंचायत में आधार सेवाएं शुरू की गई हैं। पहले दिन 40 से अधिक ग्रामीणों को आधार से संबंधित सेवाएं प्रदान की गई हैं। पंचायती राज विभाग के निदेशक अमित कुमार सिंह ने कहा कि पहले चरण में प्रदेश की 1000 ग्राम पंचायतों में आधार सेवाएं शुरू की जाएंगी। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से यह सुविधा प्रदेश की सभी 57,694 ग्राम पंचायतों तक विस्तारित की जाएगी।

नवाचार, संवाद और प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग पर जोर

पीठासीन अधिकारी सम्मेलन : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोगों को किया संबोधित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन समारोह में लोकतंत्र को अधिक सशक्त, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाने का स्पष्ट संकल्प उभरकर सामने आया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती मिली है। सुशासन, सामाजिक कल्याण, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे के विकास और निवेश के क्षेत्र में प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है, जो पूरे देश के लिए प्रेरणादायी है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि पीठासीन अधिकारियों के ऐसे सम्मेलन लोकतांत्रिक संस्थाओं को जनता की अपेक्षाओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। इन मंचों पर हुए संवाद केवल विमर्श तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि इनके ठोस और सकारात्मक परिणाम धरातल पर दिखने चाहिए। उन्होंने नवाचार, संवाद और प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि इससे लोकतांत्रिक संस्थाएं जनता के और निकट आएंगी तथा जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ेगी।

यूपी का विजन डॉक्यूमेंट आदर्श- हरिवंश : समापन सत्र में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने उत्तर प्रदेश के "विजन-2047" डॉक्यूमेंट की सराहना करते हुए इसे सभी राज्यों के लिए आदर्श बताया। **बदले उत्तर प्रदेश की छाप देश के सामने- सतीश महाना :** उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अनुशासन, त्याग और जनता के साथ निरंतर संवाद के जरिए बदले हुए उत्तर प्रदेश की मजबूत प्रशासनिक छाप देश के सामने रखी है।

लखनऊ में आयोजित सम्मेलन के समापन समारोह में पीठासीन अधिकारियों को संबोधित करते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला।

सम्मेलन में छह महत्वपूर्ण संकल्प पारित

अमृत विचार, लखनऊ : 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में विधायी कार्यों को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनकेन्द्रित बनाने को लेकर तीन प्रमुख विषयों पर व्यापक चर्चा हुई, जिसके उपरांत छह महत्वपूर्ण संकल्प पारित किए गए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सम्मेलन के समापन के बाद बुधवार को विधानभवन स्थित तिलक हॉल में पत्रकारों को इसकी जानकारी दी।

विधानभवन में पारित छह प्रमुख संकल्प

1. सभी विधानसभाएं वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए राज्य एवं राष्ट्रीय विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगी।
2. राज्य विधानमंडलों में वर्ष में कम से कम 30 बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिससे लोकतांत्रिक संस्थाएं अधिक उत्तरदायी बन सकें।
3. विधायी कार्यों में प्रौद्योगिकी और एआई का उपयोग बढ़ाया जाएगा, लेकिन नैतिकता, जवाबदेही और विश्वसनीयता सुनिश्चित की जाएगी।
4. पंचायत से लेकर लोकसभा तक सभी लोकतांत्रिक संस्थाओं में संवाद और समन्वय के लिए आदर्श नेतृत्व को प्रोत्साहन दिया जाएगा।
5. विधायकों की क्षमता वृद्धि के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग, रिसर्च विंग की मजबूती, डिजिटल लाइब्रेरी और पुरानी बहसों का डिजिटलीकरण किया जाएगा।
6. विधायी निकायों के कार्य संचालन का वस्तुनिष्ठ मानकों पर मूल्यांकन और तुलनात्मक आकलन करने के लिए राष्ट्रीय विधायी सूचकांक बनाया जाएगा, जिससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा।

कृषि उत्पादन बढ़ाने को 600 करोड़ के बजट को हरी झंडी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **कृषि विश्वविद्यालयों में अवस्थापना विकास और किसानों को विद्युत आपूर्ति के लिए मिली वित्तीय स्वीकृतियां**

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने कृषि उत्पादन को गति देने, किसानों को रियायती दरों पर विद्युत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय स्वीकृतियां प्रदान की हैं। बजट उपलब्ध होने से किसानों को सिंचाई में राहत मिलेगी और कृषि विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

शासन ने कृषकों के निजी नलकूपों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उप्र. विद्युत निगम को अनुदान योजना के अंतर्गत 60,000 लाख रुपये (600 करोड़ रुपये) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। यह राशि जनवरी 2026 से मार्च 2026 की अवधि के लिए किसानों को दी जाने वाली विद्युत सब्सिडी की प्रतिपूर्ति हेतु उपयोग की जाएगी। कृषि महाविद्यालय, हरदोई परिसर में 75 कमरों के आधुनिक बालक छात्रावास के निर्माण के लिए 18.32 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। कृषि महाविद्यालय, आजमगढ़ को विकास कार्यों के लिए 50 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसके अलावा राज्य कृषि विकास योजना अंतर्गत कृषि उत्पादन वृद्धि योजना के लिए 4.30 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति भी जारी की गई है। संबंधित विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि योजनाओं का लाभ सीधे किसानों और विद्यार्थियों तक पहुंच सके।

साधु-संतों के अपमान का लगाया आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर साधु-संतों और शंकराचार्य के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य और सभी साधु-संत हमारे समाज की शोभा हैं और जनता उनसे आशीर्वाद लेने आती है। सपा प्रमुख ने बुधवार को राजधानी में मीडिया से बात करते हुए कहा कि अगर अधिकारी शंकराचार्य से उनके परिचय और प्रमाण पत्र मांग रहे हैं तो यह सनातन धर्म का अपमान है। भाजपा सरकार संविधान, कानून और परंपरा की अवहेलना कर रही है और साधु-संतों, माघ मेले और देश की धार्मिक भावनाओं के साथ असम्मानपूर्ण व्यवहार कर रही है।

महिला आयोग की बैठक में नहीं पहुंचीं अपर्णा यादव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष और भाजपा की नेता अपर्णा यादव लखनऊ में बुधवार को राज्य महिला आयोग की बैठक में नहीं पहुंचीं। जबसे उनके पति व मुलायम सिंह यादव के पुत्र प्रतीक यादव ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर दो पोस्ट साझा करके तलाक देने का एलान किया है, तबसे वह मीडिया और कार्यक्रमों से दूर हैं। हालांकि बुधवार को उनके एक्स हैंडिल से शाम को 5.30 बजे भाजपा के नवनियुक्त अध्यक्ष नितिन नबीन को बधाई दी है। 18 जनवरी के बाद यही एक मात्र पोस्ट है।

लखनऊ में बुधवार को उप्र. राज्य महिला आयोग में समाज कल्याण विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं विषयक एक कार्यशाला" का आयोजन किया गया था।

सभी पोस्ट्स में कमेंट सेक्शन बंद

अपर्णा यादव ने सोशल मीडिया पर अपने सभी पोस्ट्स में कमेंट सेक्शन बंद कर दिया है। माना जा रहा है कि अपर्णा की सोशल मीडिया टीम ने यह फैसला उनके पति प्रतीक यादव की तलाक वाली पोस्ट के बाद लिया है।

प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केंद्र के लिए आवेदन होंगे ऑनलाइन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **10 लाख की आबादी पर बनेगा एक प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केंद्र**

अमृत विचार : सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने और प्रशिक्षित चालकों को ही स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश में नए प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केन्द्र (एडीटीसी) खोले जाएंगे। आटोमेटेड ड्राइविंग ट्रैक का नए सेंटर शुरू के लिए आवेदन प्रक्रिया को अब ऑनलाइन किया जाएगा। यह जानकारी परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने दी।

परिवहन मंत्री ने बुधवार को बताया कि वाहन के चालन प्रशिक्षण को वैज्ञानिक, व्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय मोटरयान नियमावली, 1989 में संशोधन किए गए हैं। उक्त क्रम में प्रत्यायन प्राप्त चालन प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना एवं उनके क्रियान्वयन के लिए नए प्रावधान जोड़े गए हैं। उन्होंने बताया कि अब तक केन्द्रों की स्थापना एवं रख-रखाव के लिए आवेदन प्रक्रिया ऑफलाइन थी, लेकिन अब नए विकसित पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। पोर्टल को शीघ्र ही लाइव कर दिया जाएगा।

58 जिलों में बदलेगी प्रक्रिया

मंत्री दया शंकर सिंह ने बताया कि अब तक 58 जिलों (आईडीटीआर एवं डीटीटीआई को छोड़कर) में प्रत्यायन प्रशिक्षण केन्द्रों की कार्रवाई ऑफलाइन माध्यम से की जा रही थी, लेकिन आगे से सभी जिलों में आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 10 लाख की आबादी पर एक प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किए जाने का प्रावधान है। वर्तमान में लगभग 21 जिलों में इन प्रशिक्षण केन्द्रों का संचालन विभाग द्वारा किया जा रहा है।

मुलाकात...

जनभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से शिष्टाचार भेंट कर 'मोदी : वैश्विक व्यवस्था के शिल्पकार' पुस्तक भेंट की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट के दौरान उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट करते मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर।

क्रूरता बनाम मानवीयता — उन्नाव में झोलाछाप ने गोकशी या गलाघोंटू से बचाव का यूट्यूब देख बिगाड़ा केस, बरेली में जटिल सर्जरी कर गाय को दिया गया जीवनदान

सांस व खाने की नली काटकर डाला पाइप, आईवीआरआई ने बचाई जान

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ/महिपाल गंगवार, बरेली

- **अत्यधिक रक्तस्राव होने और सांस में तकलीफ होने की वजह गोवंश के बचने की संभावना थी कम**

अमृत विचार : भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) बरेली के प्रधान वैज्ञानिक अभिजीत पावडे ने निराश्रित गाय की सांस नली काटकर क्रूरता से डाला गया करीब 10 इंच का पाइप निकाल दिया। साथ ही डॉ. अमन तिवारी, डॉ हर्षा, डॉ. बलकरण आदि के साथ ढाई घंटे की जटिल सर्जरी कर काटी गई सांस व खाने की नली दोबारा जोड़ उस गोवंश को नया जीवनदान दिया। 'अमृत विचार' के प्रयास से आखिरकार क्रूरता के शिकार इस गोवंश को राहत मिली।

दरअसल, उन्नाव के दयालखेड़ा में किसी झोलाछाप ने निराश्रित गाय को गलाघोंटू से बचाने या फिर शोध करने के लिए सांस की नली काट दी। सांस लेने के लिए नली के एक हिस्से में करीब 10 इंच का पानी का पाइप डाल दिया। इस अप्रशिक्षित कृत्य से खाने की नली भी कटकर अलग हो गई। अधिक रक्तस्राव व हालत गंभीर होने पर उसे छोड़कर किनारे हो गया। रविवार को उन्नाव की हनुमंत जीव आश्रय संस्था ने गाय का रेस्क्यू किया। रात को निजी चिकित्सकों को दिखाया तो हाथ खड़े कर दिए। दूसरे दिन सोमवार को नवाबगंज पशु चिकित्सालय के योग्य सर्जन डॉ. राजेश मौर्या के पास ले गए। उन्होंने भी जटिल सर्जरी और बचने की उम्मीद कम बताकर बरेली ले जाने की सलाह दी। आठ घंटे का सफर तय करने के लिए जरूरी उपचार दिया।

इधर, संस्था के कुछ लोगों ने आईवीआरआई के निदेशक डॉ. त्रिवेदी दत्त को अवगत कराते हुए सहयोग मांगा। उन्होंने तत्काल डॉ. किरनजीत सिंह विभागाध्यक्ष और पीआरओ सतीश जोशी को सर्जरी के लिए निर्देशित किया। साथ ही प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अभिजीत पावडे के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम गठित कर मंगलवार सुबह जटिल सर्जरी कराई। निदेशक निराश्रित गाय और उसकी यह स्थिति देख स्वयं ओटी देखने पहुंच गए। सब कुछ ठीक होने पर उन्नाव वापस भेज दिया। वहां, डिप्टी सीवीओ सदर डॉ. संजय चतुर्वेदी की निगरानी में आगे का उपचार किया गया।

गाय के गले में पड़ा पाइप।

आईवीआरआई बरेली में सर्जरी के बाद गाय।

एक नली थी गायब, अनास्टोमोसिस विधि से ढूंढकर जोड़ी

सर्जरी के दौरान सांस की नली का एक हिस्सा गायब था। जिसे ऊतक संधि या अनास्टोमोसिस विधि द्वारा एसेल्यूलर ग्राफ्ट यानी कोशिकाविहीन प्रत्यारोप की मदद से ढूंढकर जोड़ा गया। इसके बाद खाने की नली को भी इसी विधि से खोजकर जोड़ा। चूंकि पाइप के निकलते ही बहुत रक्तस्राव भी हुआ। एक्सरे में साफ दिख रहा कि पाइप के लचीले पन की वजह से अंदर डालने के बाद वह मुड़ गया। पाइप मुड़ा होने की वजह से सांस ठीक से आ जा नहीं पा रही थी। अतिउत्साहित झोलाछाप के इस कार्य से पशु की जान पर बन आई।

गोकशी की आशंका यह 5वां केस

डॉ. अभिजीत ने बताया कि गाय की श्वास नली यानी ट्रेकिया और खाने की नली यानी इसोफैगस दोनों कटी थी। प्रथमदृष्टया गोकशी का केस है। इस तरह के यूपी के चार जटिल केस की वह सर्जरी कर चुके हैं। ऐसा ही यह पांचवां केस है। किसी व्यक्ति द्वारा बचाव करके झोलाछाप को दिखाया गया। उसने अपूर्ण ज्ञान जो की यूट्यूब वीडियो के माध्यम से देखकर श्वास नली में एक घरेलू पानी का पाइप 10 इंच तक का ट्रेकिया में डाल दिया और एक इंच पाइप बाहर सांस लेने के लिए बाहर लटका दिया। इससे खून और गंदगी भी सांस के द्वारा फेफड़ों में जाती रही। झोलाछाप की यह प्रैक्टिस जानलेवा हो गई।

अमृत विचार

गुरुवार, 22 जनवरी 2026

भाजपा में नवीन युग

पार्टी के पैदा होने के बाद जन्म लेने वाले 45 साल के नितिन नवीन भाजपा यानी दुनिया की सबसे बड़ी और भारत की सबसे अमीर राजनीतिक पार्टी 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना केवल एक व्यक्ति का उदय नहीं, बल्कि राजनीति की कार्यशैली में संभावित पीढ़ीगत बदलाव का संकेत है। स्वाभाविक है कि इसका असर अन्य दलों पर भी पड़ेगा और वहां भी युवा नेतृत्व को आगे लाने का दबाव बनेगा। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल या अन्य तमाम क्षेत्रीय दलों में भी यह सवाल उठ सकता है कि क्या वे भी नेतृत्व की बागडोर नई पीढ़ी को सौंपने का साहस कर सकते हैं। यदि वास्तव में युवाओं को निर्णायक जिम्मेदारी मिलती है, तो पार्टी व राजनीति दोनों में कुछ सकारात्मक बदलाव दिख सकते हैं। युवाओं की सोच अपेक्षाकृत अधिक तकनीक-संवेदी, डेटा-आधारित और परिणामोन्मुख होती है। संगठन में पारदर्शिता, जवाबदेही, सोशल मीडिया व जमीनी नेटवर्क का बेहतर तालमेल और जाति-गणित से आगे बढ़कर विकास व अवसर की राजनीति को प्राथमिकता मिलने की संभावना बढ़ेगी। हालांकि अनुभव की कमी एक चुनौती रहेगी, लेकिन सही मार्गदर्शन के साथ यह कमजोरी ताकत में बदली जा सकती है। संभव है संसदीय बोर्ड और राष्ट्रीय महासचिव जैसे शीर्ष निकायों में भी युवा बदलाव आए। कार्यकारिणी में 60-70 प्रतिशत युवाओं को शामिल करने का वादा कठिन जरूर है, पर असंभव नहीं। इसके लिए संगठन को वरिष्ठों के अनुभव और युवाओं की ऊर्जा के संतुलन का मॉडल अपनाना होगा। नए अध्यक्ष के सामने तात्कालिक चुनौती संगठनात्मक अनुशासन यथावत रखने और आगामी विधानसभा चुनावों में प्रदर्शन सुधारने की होगी, जबकि दीर्घकालिक चुनौती 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी है, जो परिसीमन के बाद होंगे। सरकार, संघ और संगठन के बीच तालमेल बैठाना उनकी सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

यूपी की राजनीति नितिन नवीन के लिए निर्णायक साबित होगी। 2027 में सत्ता की हैट्रिक का लक्ष्य संगठन पर भारी दबाव डालेगा। लोकसभा चुनाव में पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक समीकरण का असर दिख चुका है, जिसकी काट के लिए सामाजिक प्रतिनिधित्व, स्थानीय नेतृत्व और कल्याणकारी योजनाओं की प्रभावी डिलीवरी पर जोर देना होगा। दक्षिण भारत व पूर्वोत्तर में भी परीक्षा कम नहीं। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुदुचेरी के चुनाव भाजपा के लिए अलग-अलग तरह की चुनौतियां पेश करते हैं। असम में वापसी और बंगाल में जीत संभव है, लेकिन तमिलनाडु व केरल में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना दीर्घकालिक रणनीति मांगता है। महिला आरक्षण लागू होने की स्थिति में 33 प्रतिशत महिला उम्मीदवारों का चयन संगठनात्मक ढांचे को नए सिरे से गढ़ने की मांग करेगा। परिसीमन के बाद उत्तर-दक्षिण संतुलन और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर सहमति बनाना भी नवीन के सामने बड़ी राजनीतिक चुनौतियां होंगी। साथ ही 2029 तक नरेंद्र मोदी के बाद के नेतृत्व को लेकर चलने वाली अटकलों के बीच उन्हें आलाकमान के फैसलों और संगठनात्मक अनुशासन के बीच संतुलन बनाए रखना होगा। नए पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे युवा ऊर्जा को संस्थागत अनुशासन और वैचारिक निरंतरता के साथ कितनी कुशलता से जोड़ पाते हैं।

प्रसंगवश

संघ का सतत सेवा कार्य

भारतीय समाज अपनी सहनशीलता और समन्वय की क्षमता के लिए विश्वविख्यात है। इस विशाल समाज के बीच यदि कोई संस्था अपने ध्येय, अनुशासन और सात्विक सेवा के कारण जनमानस के हृदय में स्थान बनाए हुए है, तो वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। 1925 में डॉ. हेडगेवार द्वारा मात्र एक शाखा से रोपित यह बीज आज विश्व के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन के रूप में वटवृक्ष बन चुका है। संघ का लक्ष्य राजनीतिक लाभ या प्रचार नहीं, बल्कि एक संगठित, सशक्त और स्वाभिमानी राष्ट्र का निर्माण है, जिसे वह चरित्र निर्माण और सतत सेवा के जरिए पूरा करता है। संघ की सेवा-परंपरा "सबका हित, सबका उन्नयन" के मूल चिंतन का विस्तार है। संघ मानता है कि समाज तभी प्रगति कर सकता है, जब प्रत्येक नागरिक एक-दूसरे के प्रति उत्तरदायी बने। यही कारण है कि शाखा-व्यवस्था में शारीरिक और बौद्धिक संस्कारों के साथ-साथ 'सेवा' को प्रमुख स्थान दिया गया। आज संघ और उसके प्रेरित संगठनों द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामविकास और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में हजारों प्रकल्प सक्रिय हैं, जो किसी प्रचार के बिना मौन तपस्या की तरह कार्य कर रहे हैं। संघ के सेवा-कार्य का आधार उसका स्वयंसेवक है, जो किसी वेतन या पुरस्कार की अपेक्षा के बिना राष्ट्र-समर्पण के भाव से कार्य करता है। शाखाओं में यह भाव जागृत किया जाता है कि "समाज की पीड़ा मेरी पीड़ा है।" इसीलिए संघ का कार्य राजनीतिक परिस्थितियों से प्रभावित हुए बिना निरंतर और आत्मनिष्ठा पर आधारित रहता है। आज सुदूर ग्रामीण इलाकों, जनजातीय क्षेत्रों और शहरी मलिन बस्तियों तक सेवा भारती, विद्या भारती, वनवासी कल्याण आश्रम और राष्ट्रीय सेवा भारती जैसे संगठन सक्रिय हैं।

प्रो. विवेकानंद तिवारी

अध्यक्ष, आम्बेडकर पीठ एचपीयू, शिमला

शिक्षा और स्वास्थ्यः शिक्षा के क्षेत्र में विद्या भारती और एकल विद्यालय न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे रहे हैं, बल्कि उसे भारतीय मूल्यों और सामाजिक समरसता से जोड़ रहे हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सेवा भारती के चल चिकित्सा केंद्र, निःशुल्क अस्पताल और रक्तदान शिविर समाज के कमजोर वर्गों तक पहुंच रहे हैं। कोरोना महामारी के दौरान स्वयंसेवकों ने भोजन वितरण से लेकर अंतिम संस्कार तक के कार्यों को जिस निष्ठा से संपन्न किया, उसने इस सेवा-तंत्र की सक्षमता को सिद्ध कर दिया। ग्रामविकास और आपदा प्रबंधनः दीनदयाल शोध संस्थान जैसे प्रकल्पों ने 'समग्र ग्राम विकास' का मॉडल प्रस्तुत किया है, जो आत्मनिर्भर ग्रामों का निर्माण करता है। इसी प्रकार वनवासी कल्याण आश्रम जनजातीय समाज के उत्थान और संस्कृति-संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आपदा प्रबंधन में भी संघ के स्वयंसेवक सबसे पहले पहुंचने वाली टोली होते हैं। भूकंप, बाढ़ या महामारी हर संकट में स्वयंसेवकों ने बिना किसी भेदभाव के राहत और पुनर्वास के कार्य किए हैं।

संघ के सेवा-कार्य का सबसे अद्भुत पक्ष यह है कि ये कार्य किसी एक केंद्रीय आदेश से नियंत्रित नहीं होते। प्रत्येक स्वयंसेवक, प्रत्येक शाखा, प्रत्येक विभाग और प्रत्येक आनुषंगिक संगठन सामाजिक परिस्थितियों को देखते हुए स्वयं ही प्रकल्प प्रारंभ करता है। संघ की रचना लोकतांत्रिक, विकेंद्रित और आत्मनिर्भर है। इसीलिए यह सेवा-कार्य लंबी अवधि तक स्थिर, प्रभावी और सतत बना रहता है। संघ अपने स्वयंसेवकों को केवल सेवा का नहीं, बल्कि सहअस्तित्व, समरसता, स्वावलंबन और संस्कारयुक्त समाज के निर्माण का मार्ग दिखाता है। संघ का सेवा-कार्य किसी एक व्यक्ति, संगठन या नेतृत्व पर आधारित नहीं है, यह समाज की अपनी शक्ति, समाज की अपनी संवेदना और समाज की अपनी रचनात्मकता का विस्तार है। सेवा केवल सहायता नहीं, बल्कि परिवर्तन का माध्यम है और यही परिवर्तन संघ के कार्यों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

जिस तरह से विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न धाराएं अपना जल समुद्र में मिला देती हैं, उसी प्रकार मनुष्य द्वारा चुना हर मार्ग, चाहे अच्छा हो या बुरा भगवान तक जाता है।

–स्वामी विवेकानंद

आरएसएस के पंच परिवर्तन से समाज में आएगा बदलाव

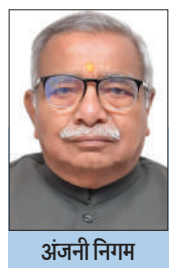

अंजनी निगम

वरिष्ठ पत्रकार, कानपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश ही नहीं विश्व का सबसे बड़ा गैर-सरकारी स्वयंसेवी सामाजिक संगठन है, जो कहीं से भी अनुदान नहीं लेता, बल्कि अपने स्वयंसेवकों के माध्यम से देश के लोगों में राष्ट्र सर्वोपरि की भावना बीते सौ सालों से जगा रहा है। विक्रम संवत 1982 में विजयादशमी अर्थात 27 सितंबर 1925 को नागपुर में संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित करने के उद्देश्य से इस कार्य की शुरुआत हुई थी और अपनी शाखाओं के माध्यम से और समाज की सहभागिता से संगठन सौ वर्षों से निरंतर इस कार्य को कर रहा है।

संघ की स्थापना डॉ. केशव राव बलिराम हेडगेवार ने की थी। वर्ष प्रतिपदा अर्थात पहली अप्रैल 1889 को जन्मे केशव बचपन में एक स्कूल में पढ़ते थे, जहां निरीक्षण के लिए अंग्रेज इंस्पेक्टर आया, तो उसके स्वागत में अपने साथियों के साथ वंदेमातरम् का गायन किया और परिणामस्वरूप उन्हें स्कूल से निकाल दिया गया। डॉक्टरी की पढ़ाई करने कोलकाता गए, तो वहां क्रांतिकारियों के संगठन से जुड़ गए और 1921 में महात्मा गांधी के आह्वान पर शुरु हुए असहयोग आंदोलन में सत्याग्रह कर जेल गए जहां एक साल रहे। कुछ साथियों के साथ संघ की स्थापना होने के बाद वे जीवनपर्यंत इसी कार्य में लगे रहे। उनकी ध्येय निष्ठा और लगन का ही परिणाम है कि इस समय देश के 924 जिलों में से 98 फीसद से अधिक में संघ की शाखाएं चल रही हैं।

इन सौ वर्षों में संघ के कार्य ने इतना अधिक विस्तार किया है कि हर कोई उसे जानता समझता है, कुछ लोग संघ की आलोचना भी करते हैं, लेकिन संघ उन बातों की परवाह न करते हुए अपने कार्य को करता चला जा रहा है। अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में संघ ने संगठन को समाज व्यापी बनाने के लिए कई कार्यों का प्रारंभ किया है, जिनमें सबसे बड़ा और क्रांतिकारी कार्य है पंच परिवर्तन। संघ मानता है कि राजनीतिक सत्ता पर आश्रित न रहकर समाज आधारित रचनाएं खड़ी करने के आग्रह के कारण परिवर्तन शास्वत परिणाम में परिवर्तित होता है। संघ की शाखाओं में इस बात को लेकर एक गीत "केवल सत्ता से मत करना परिवर्तन की आस, जागृत जनता के केन्द्रों से होगा अमर समाज" गाया जाता है। बस इसी गीत को चरितार्थ करने और समाज के स्वभाव में समरस करने के भाव से संघ ने पांच विशिष्ट कार्य अपने हाथ में लिए हैं, जिनमें सबसे पहला है "सामाजिक समरसता"।

देश की स्वतंत्रता के बाद बने संविधान में राजनीतिक समानता और सामाजिक समरसता को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। सामाजिक समानता बंधुता के बिना नहीं आ सकती है, भेदभाव की भावना से मुक्त हुए बिना समानता बहुत ही कठिन कार्य है। सामाजिक समरसता हिंदू समाज की स्वाभाविक विशेषता है, लेकिन विभिन्न कारणों से सामाजिक भेदभाव और कुरीतियों का लंबे समय तक प्रचलन रहा, जिसके परिणामस्वरूप समाज के कुछ अंगों को लगातार प्रताड़ना झेलनी पड़ी। इस सामाजिक बुराई को समाप्त करना अति आवश्यक है। भगवान श्रीकृष्ण भी गीता में कहते हैं कि चारो वर्ण गुण और कर्म पर आधारित हैं, न कि जन्म पर।

किसी भी धर्मग्रंथ में भी जन्म आधारित भेदभाव का जिक्र नहीं है और कोई भी कार्य ऊंचा या नीचा नहीं होता है। धर्म के अनुरूप समाज के हित में किया गया हर कार्य सत्कर्म होता है। शारीरिक कार्य भी उतना ही अधिक महत्व रखता है जितना बौद्धिक कार्य, लेकिन बीच के काल में हमारे समाज में यह बुराई आ गई कि जो जिस परिवार में जन्मा उसे उसी कार्य को करने का अधिकार है। संघ कहता है "हिन्दवः सोदरा सर्वे, न हिन्दु पतितो भवेत" अर्थात सारे हिन्दू भाई हैं और कोई भी पतित नहीं है। समरसता के भाव से ही समाज में समानता आती है। मंदिर में प्रवेश, जल के स्रोत, श्मशान व सार्वजनिक क्षेत्र सभी के लिए समान रूप से उपलब्ध हों, यह कार्य सभी को मिलकर सुनिश्चित करना होगा। संघ के पंच परिवर्तन का दूसरा आयाम पर्यावरण संरक्षण है। पर्यावरण असंतुलन आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। पर्यावरणीय असंतुलन के परिणाम स्वरूप "ग्लोबल वार्मिंग" का खतरा हर ओर मंडरा रहा है, जिसे ठीक करने के लिए सबको मिलकर आगे आना होगा। जंगलों के महत्व को समझने के साथ ही पानी का संतुलित उपयोग करना होगा।

पंच परिवर्तन में तीसरा कार्य कुटुंब प्रबोधन का है। भारतीय दर्शन में परिवार को समाज की सबसे छोटी इकाई माना गया है। हमें अपने परिवारों में पुत्र-पुत्रियों, नाती-पोतों के साथ आनंद के संग रहना चाहिए। घर में यदि रोज न संभव हो, तो सप्ताह में एक दिन सब मिलकर मोबाइल और टीवी से दूरकर साथ भोजन और भजन करें। एक दूसरे के साथ मधुर संवाद करते हुए मातृशक्ति का सम्मान करें और समाज के सामने आदर्श हिंदू परिवार का उदाहरण प्रस्तुत करें।

स्व की भावना का संचार करना चौथा परिवर्तन है। आर्थिक हों या सांस्कृतिक हर क्षेत्र में हमें स्व की भावना को सर्वोपरि रखते हुए अपने पैरों पर खड़े होना है। स्वदेशी जीवनशैली न केवल आर्थिक, बल्कि व्यापक और व्यावहारिक बदलाव लाएगी। स्वभाषा, स्वभूषा और स्वसंस्कृति को समझने के साथ ही उसे अपनाते हुए गर्वानुभूति होना चाहिए। पांचवां और अंतिम परिवर्तन नागरिक कर्तव्यबोध और शिष्टाचार है। प्रत्येक नागरिक में यह बोध जगाना होगा कि वे अपने देश के संविधान, प्रतीकों और राष्ट्रीयता का सम्मान करें। चुनावों को देशहित में मानते हुए मतदान अवश्य करें। सड़क पर चलते समय ट्रैफिक नियमों का पालन करें। व्यक्तिगत रूप से नागरिक कर्तव्यों का पालन करने से ही जागृत समाज का निर्माण हो सकेगा।

> सौ वर्षों में संघ के कार्य ने इतना अधिक विस्तार किया है कि हर कोई उसे जानता समझता है, कुछ लोग संघ की आलोचना भी करते हैं, लेकिन संघ उन बातों की परवाह न करते हुए अपने कार्य को करता चला जा रहा है।

आमने

नई भाजपा के अंदर अब मजबूत व्यक्तित्व वाले और अपनी ख़ुद की राजनैतिक जमीन वाले नेताओं के लिए क्या बचा है? नितिन को बॉस कहकर वो अपने अहम को आश्वस्त कर रहे हैं कि उनको "संजय जोशी" या "नितिन गडकरी" को बॉस कहने में कितनी तकलीफ होती। मोदी ने अपने पीएम बनने के बाद किसी भी महत्वपूर्ण पद पर किसी मजबूत व्यक्तित्व को नहीं बैठने दिया। – **सौरभ भारद्वाज**
दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष, आप

सामने

जिस पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र नाम की कोई चीज नहीं है और जो केवल एक व्यक्ति के इशारों पर चलती है, उसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक राजनीतिक संगठन पर सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। आप चार लोगों का गैंग है, उन्हें राजनीतिक पार्टी कोई मानता नहीं है और उनसे ये आशा करना कि पीएम मोदी के बयान की गरिमा समझ आएगी ऐसी हम उनसे आशा भी नहीं करते हैं।
– **कपिल मिश्रा**, बीजेपी उपाध्यक्ष, दिल्ली

नारी शक्तिः भारत @2047 की आधार स्तंभ

डॉ सुनिधि मिश्रा

स्वतंत्र लेखिका

भारत @2047 का विजन केवल तेज आर्थिक वृद्धि, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर या वैश्विक शक्ति बनने तक सीमित नहीं है। यह सपना एक समावेशी, न्यायपूर्ण और मानव-केंद्रित विकास की कल्पना करता है, जिसमें महिलाओं की भूमिका केंद्रीय हो। आज की भारतीय महिलाएं अब केवल बदलाव की प्रतीक नहीं रहीं, वे बदलाव की दिशा और गति दोनों तय कर रही हैं। हाल के वर्षों के सर्वे, रिपोर्ट और आंकड़े साफ संकेत देते हैं कि महिला शक्ति भारत के भविष्य की सबसे मजबूत नींव बन सकती है। शिक्षा इस परिवर्तन की पहली और सबसे मजबूत कड़ी है।

अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (2021-22) के अनुसार, उच्च शिक्षा में महिलाओं का नामांकन लगभग 49–50 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। यह अपने आप में ऐतिहासिक बदलाव है, क्योंकि कुछ दशक पहले तक उच्च शिक्षा पर पुरुषों का वर्चस्व माना जाता था। आज महिलाएं न केवल कला और सामाजिक विज्ञान, बल्कि विज्ञान, चिकित्सा, प्रबंधन और तकनीकी विषयों में भी आगे बढ़ रही हैं। यह बदलाव केवल डिग्रियों की संख्या नहीं बढ़ा रहा, बल्कि आने वाले वर्षों में एक कुशल, आत्मनिर्भर और जागरूक महिला कार्यबल की नींव रख रहा है, जो किसी भी विकसित राष्ट्र की बुनियादी आवश्यकता है।

शिक्षा के बाद अगला महत्वपूर्ण चरण आर्थिक भागीदारी का है। पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (2023-24) बताता है कि भारत में महिलाओं की श्रमबल भागीदारी दर बढ़कर लगभग 37 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो 2017-18 के मुकाबले एक उल्लेखनीय वृद्धि है। यह दर्शाता है कि महिलाएं धीरे-धीरे कार्यबल में अपनी जगह बना रही हैं। खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में यह वृद्धि अधिक दिखाई देती है, जहां महिलाएं कृषि, पशुपालन, लघु उद्योग और स्वयं सहायता समूहों के जरिये आर्थिक गतिविधियों से जुड़ रही हैं। हालांकि यह भी सच है कि अभी बड़ी संख्या में महिलाएं अनौपचारिक और असुरक्षित कामों में लगी हैं, लेकिन यह बढ़ती भागीदारी भविष्य के औपचारिक व गुणवत्तापूर्ण रोजगार की दिशा में पहला कदम है।

स्वयं सहायता समूह आंदोलन भारत में महिला सशक्तिकरण की सबसे सफल कहानियों में से एक बन चुका है। विश्व बैंक और ग्रामीण विकास मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि करोड़ों महिलाएं स्वयं सहायता समूह से जुड़कर माइक्रो-क्रेडिट, उद्यमिता और सामुदायिक नेतृत्व में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इन समूहों ने महिलाओं को केवल आय का साधन नहीं दिया, बल्कि निर्णय लेने की शक्ति और सामाजिक सम्मान भी दिया है। यह नीचे से ऊपर आने वाला विकास मॉडल भारत @2047 के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह विकास को केवल शहरों तक सीमित नहीं रखता।

डिजिटल इंडिया ने महिला शक्ति को एक नया आयाम दिया है। आईएमएआई और अन्य डिजिटल सर्वेक्षणों के अनुसार, भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में महिलाओं की हिस्सेदारी अब लगभग 40 प्रतिशत के आसपास है और यह लगातार बढ़ रही है। डिजिटल भुगतान, यूपीआई, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन शिक्षा ने महिलाओं के लिए नए अवसर खोले हैं। आज एक ग्रामीण महिला भी मोबाइल फोन के जरिए बैंकिंग सेवाओं का उपयोग कर सकती है, ऑनलाइन प्रशिक्षण ले सकती है और अपने उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुंचा सकती है। यह डिजिटल सशक्तिकरण भारत @2047 के उस सपने को मजबूत करता है, जहां विकास समावेशी और तकनीक-आधारित हो। स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में महिलाएं विकसित भारत की आधारशिला हैं। एनएफएचएस-5 के अनुसार, भारत में अभी भी लगभग 57 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं-यह एक बड़ी चुनौती है, लेकिन साथ ही यह भी सच है कि मातृ स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। महिलाएं अब केवल परिवार की देखभाल करने वाली नहीं, बल्कि अपने स्वास्थ्य को लेकर निर्णय लेने वाली बन रही हैं। स्वस्थ महिला का अर्थ है स्वस्थ परिवार और स्वस्थ भविष्य की पीढ़ी, जो भारत @2047 के मानव संसाधन को मजबूत बनाएगा।

नेतृत्व और शासन में महिलाओं की बढ़ती भूमिका भी भारत के विकास की दिशा बदल रही है। पंचायत स्तर पर महिला प्रतिनिधित्व कई राज्यों में लगभग 50 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। इससे शिक्षा, जल, स्वच्छता, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को स्थानीय स्तर पर प्राथमिकता मिली है। शोध बताते हैं कि महिला नेतृत्व वाले क्षेत्रों में सामाजिक सूचकांक बेहतर होते हैं।

नई पीढ़ी की महिलाएं भारत @2047 की सबसे बड़ी शक्ति हैं। वे परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाते हुए आगे बढ़ रही हैं। वे करियर, परिवार, स्वास्थ्य और आत्मसम्मान सबको एक साथ महत्व देना चाहती हैं। यह सोच भारत के विकास को अधिक मानवीय और टिकाऊ बना सकती है। चुनौतियां अब भी मौजूद हैं- समान वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल, डिजिटल सुरक्षा और सामाजिक सोच में बदलाव,लेकिन सकारात्मक संकेत यह है कि दिशा स्पष्ट है और गति भी।

विकसित भारत @2047 का सपना किसी एक योजना या नीति से पूरा नहीं होगा। यह सपना तभी साकार होगा जब महिला शक्ति को निवेश की तरह देखा जाएगा, क्योंकि महिलाओं पर किया गया हर निवेश शिक्षा, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता के रूप में कई गुना लौटता है। जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो केवल वे ही नहीं बढ़तीं, पूरा देश आगे बढ़ता है।

> विकसित भारत @2047 का सपना किसी एक योजना या नीति से पूरा नहीं होगा। यह सपना तभी साकार होगा, जब महिला शक्ति को निवेश की तरह देखा जाएगा।

सोशल फोरम

किताबों की ड्रॉइंग नहीं सड़कें

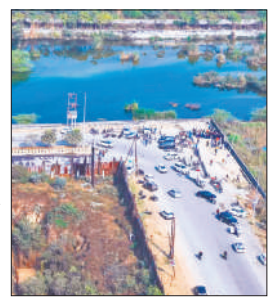

इस इंजीनियरिंग मार्वल को देखिए, नब्बे डिग्री का सीधा मोड़। यह नोएडा की वही जगह, वही सड़क, जहां बीते दिनों कोहरे भरी रात में इंजीनियर युवराज इस मोड़ को देख नहीं पाए। सच कहें तो सिर्फ कोहरा ही वजह नहीं था। साफ रात में भी यहां हादसा होना तय था। इतनी तीखी मोड़ वाली सड़क और सामने गड्ढा, यह किसी दुर्घटना का इंतजार नहीं, उसका न्योता है। पिछले कई सालों से इंटरनेट पर इन "इंजीनियरिंग चमत्कारों" पर बहस होती रही है। हर बार लोक निर्माण विभाग के तेज-तर्रार इंजीनियर पूरी आत्मविश्वास से समझाते रहे कि ऐसे नब्बे डिग्री मोड़ क्यों जरूरी हैं। तर्क इतने तकनीकी होते हैं कि आम आदमी चुप हो जाए। इसी सड़क की तस्वीरें अमेरिका के सोशल मीडिया पर मीम बनकर भारत और उसकी तकनीक का मजाक उड़ाते हुए घूमती रहीं हैं। भारतीय होने के नाते खून खौलता है, लेकिन उससे ज्यादा गुस्सा तब आता है, जब अपने ही लोग इन्हें गर्व से "इंजीनियरिंग" कहते हैं। इसी जगह कुछ दिन पहले एक ट्रक ड्राइवर भी कोहरे में यह मोड़ नहीं देख पाया। कोहरा हो या न हो- ऐसी सड़क बनाना ही अपराध है। ट्रक अस्थायी बैरिकेड तोड़ते हुए नीचे गड्ढे में जा गिरा। किस्मत अच्छी थी, लोगों ने बचा लिया, वह जिंदा निकल गया। प्रशासन ने क्या किया? कुछ नहीं। वही टूटा बैरिकेड, वही अंधेरा, वही गंदा पानी।

नितिन त्रिपाठी

लेखक, लखनऊ

कुछ दिन बाद उसी जगह युवराज पहुंचा, लेकिन तब तक अस्थायी बैरिकेड पहले ही टूट चुका था। इस बार किस्मत ने साथ नहीं दिया। हमारे यहां सिस्टम को जगाने के लिए हमेशा एक मानव बलि चाहिए। इस बार वह बलि एक युवा इंजीनियर युवराज के रूप में मिली। अब देखिए, वही विभाग हरकत में आ गया है। गड्ढा भरेगा, सीवेज साफ होगा, पानी निकलेगा, स्थायी बैरिकेड लगेंगे, तेज रोशनी होगी, चेतावनी बोर्ड लगेंगे। सब कुछ होगा, क्योंकि अब एक जान जा चुकी है, लेकिन यह भी स्थायी समाधान नहीं है। स्थायी समाधान यह नहीं कि हादसे के बाद मरम्मत की जाए। स्थायी समाधान यह है कि ऐसी सड़कें बनाई ही न जाएं और अगर किसी मजबूरी में बनानी ही हों, तो मोड़ से बहुत पहले स्पीड कंट्रोल की व्यवस्था हो, रोड डिजाइन ऐसा हो कि गाड़ी की रफ्तार अपने आप 30-35 किलोमीटर प्रति घंटा से ज्यादा न हो। सड़कें किताबों की ड्रॉइंग नहीं होतीं। उन पर इंसान चलते हैं, जब इंजीनियरिंग संवेदनहीन हो जाती है, तब हर मोड़ पर कोई न कोई युवराज इंतजार कर रहा होता है, सिस्टम को जगाने के लिए।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

नवीन की वरिष्ठों संग समन्वय बिठाने की रहेगी चुनौती

नितिन नवीन को पार्टी की कमान सौंपकर भारतीय जनता पार्टी ने सियासी पटल पर एक नई इबारत लिखी है। पार्टी में वरिष्ठों और अनुभवी नेताओं की लंबी कतार होने के बावजूद एक युवा नेता को अध्यक्ष बनाने का सीधा-सीधा मतलब है कि भारतीय राजनीति में नई संस्कृति को बढ़ावा देना। दरअसल, ये ऐसा सियासी संदेश है, जिसे दूसरे दलो को भी सीखना चाहिए। देश में तमाम दल ऐसे हैं, जो परिवार से घिरे हैं। उनके यहां अध्यक्ष पार्टी से किसी सामान्य कार्यकर्ताओं को बनाने की रत्ती भर भी परंपरा नहीं है। कोई सोच भी नहीं सकता कि टीएमसी, शिवसेना, सपा, बसपा, टीडीपी जैसी पार्टियों में कोई सामान्य पार्टी का कार्यकर्ता अध्यक्ष भी बने, लेकिन भाजपा ने नितिन नवीन को अपना अध्यक्ष बनाकर ऐसे दलों को सोचने पर विवश कर दिया है। इस परंपरा को कोई अपनाए या नहीं? लेकिन दूसरे दलों के कार्यकर्ताओं में चेतनाएं जरूर जग गई हैं। वह भी अपने दल में ऐसे उच्च पदों पर आसीन होने की कल्पनाएं करेंगे। हालांकि ऐसा दूसरे दलों में भी होगा, संभव नहीं?

डॉ .रमेश ठाकुर

वरिष्ठ पत्रकार

नवीन की ताजपोशी किसी चमत्कार से कम नहीं? देशवासी भाजपा के इस कदम को राजनीति में बदलती हुई नई तस्वीर के रूप में देख रहे हैं। बीते 14 दिसंबर को उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया और 20 जनवरी को पूर्णकालिक औहदे पर बिठा दिया गया। वह भी निर्विरोध? ये अकल्पनीय है और चमत्कारी फैसले जैसा है। नवीन का कार्यकारी अध्यक्ष का प्रोबेशन समय एक महीना ही रहा। हालांकि तमाम राजनीतिक पंडित नवीन के सामने पार्टी की लय को बरकरार रखने की चुनौती देख रहे हैं। निश्चित रूप से ऐसा देखा जाएगा, कयास भी लगाए जाएंगे, लेकिन संगठन बड़ा है, टीम वर्क बेहतरीन है, साथ ही उन्हें वरिष्ठों की सपोर्ट मिलेगी। इसलिए हो सकता है वह प्रेसर न लें। वैसे, नितिन नवीन की संगठनात्मक क्षमता का आकलन पार्टी अगले एकाध साल में ही कर लेगी, जिसमें बंगाल विधानसभा चुनाव पहली परीक्षा होगी। बंगाल को जीतना पार्टी का न सिर्फ सपना है, बल्कि मोदी-शाह के लिए प्रतिष्ठा का सवाल भी बन हुआ है। नवीन के समक्ष एक सबसे बड़ी चुनौती तो 2014 से भारतीय जनता पार्टी ने जो विस्तार किया है, उसे यथावत रखने की रहेगी। केंद्र में नरेंद्र मोदी के आगमन के बाद पार्टी में सदस्यों की संख्या पिछले सालों के मुकाबले आधे से ज्यादा बढ़ी। दक्षिण भारत को भेदना अब भाजपा के लिए अंतिम लक्ष्य हो गया है। वह हिस्सा उनसे अभी भी अभेद है। कर्नाटक में पार्टी सरकार बना चुकी है। आंध्र प्रदेश में टीडीपी के गठबंधन में है, लेकिन तेलंगाना, तमिलनाडु में सफलता नहीं मिली है। हालांकि केरल में पहली बार भाजपा का एक इकलौता सांसद बना और तिरुवनंतपुरम में मेयर बनाने में सफल हो चुकी है, पर पूर्णरूपी कब्जा करने की कसक अभी बाकी है। नवीन को इन्हीं चुनौतियों से जूझना पड़ेगा। भाजपा नवीन में संगठनात्मक मजबूती पहले देख चुकी है। 2023 के छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत को नितिन नवीन के राजनीतिक जीवन का सबसे महत्वपूर्णमोड़ माना जाता है। तब, उनकी बड़े नेताओं ने प्रशंसाएं भी की थी। नवीन तभी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के चहेते बनें। पद को संभालने वाले अब तक के सबसे युवा अध्यक्ष हैं नवीन, लेकिन उनके करियर को असली रफ्तार साल 2019 में मिली थी, जब उन्हें सिक्किम विधानसभा चुनाव में भाजपा के अभियान की कमान सौंपी गई थी। फिलहाल, भाजपा के नए बॉस अब नितिन नवीन बनें हैं। कैसे होंगे अगले कुछ महीने उनके लिए, पहले से गठित टीम में बदलाव होगा या फिर पुरानी टीम के साथ ही आगे बढ़ेंगे। आगे लगातार चुनाव हैं, किन रणनीतियों पर करेंगे काम, इसका अंदाजा कुछ समय बाद लग जाएगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

करियर के नए विकल्प

स्टार्टअप, फ्रीलांस और गिग इकोनॉमी

पिछले दो दशकों में भारतीय रोजगार व्यवस्था में बड़ा परिवर्तन आया है। एक समय स्थायी नौकरी को ही सामाजिक सुरक्षा और सम्मान का प्रतीक माना जाता था, लेकिन वैश्वीकरण, डिजिटलीकरण और तकनीकी नवाचार ने करियर की पारंपरिक अवधारणा को चुनौती दी है। भारतीय जेन-जी यानी 18 से 27 वर्ष की उम्र के युवाओं का करियर को लेकर नजरिया तेजी से बदल रहा है। लिंक्डइन और रैंडस्टैड के संयुक्त अध्ययन पर आधारित हालिया रिपोर्ट बताती है कि आज का युवा वर्ग पारंपरिक नौकरियों से ज्यादा साइड इनकम और फ्रीलांसिंग को प्राथमिकता दे रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, जेन-जी अब केवल स्थिर नौकरी या तयशुदा करियर पाथ पर भरोसा नहीं कर रही, बल्कि वह अपनी स्किल, आजादी और डिजिटल प्लेटफॉर्म की ताकत पर दांव लगा रही है। आज स्टार्टअप, फ्रीलांस और गिग इकोनॉमी केवल वैकल्पिक रोजगार नहीं, बल्कि मुख्यधारा के करियर विकल्प के रूप में उभर रहे हैं। सफलता उसी युवा को मिलेगी, जो इन विकल्पों को ट्रेंड नहीं, बल्कि सोच-समझकर चुना गया रास्ता माने। हालांकि इस क्षेत्र में कुछ चुनौतियां भी हैं। आइए आज इसके पहलुओं पर विस्तृत विश्लेषण करते हैं।

सत्यदत्त शुक्ला
चार्टर्ड अकाउंटेंट, लखनऊ

अवसरों का विस्तार

भारत आज दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में गिना जाता है। सरकारी और निजी रिपोर्टों के अनुसार देश में लगभग दो लाख पंजीकृत स्टार्टअप सक्रिय हैं, जो सीधे और परोक्ष रूप से लाखों युवाओं को रोजगार प्रदान कर रहे हैं। स्टार्टअप संस्कृति युवाओं को पारंपरिक पदानुक्रम से अलग, नवाचार और जिम्मेदारी का अवसर देती है। यहां कार्यक्षेत्र सीमित नहीं होता। एक कर्मचारी को कई भूमिकाएं निभानी पड़ती हैं, जिससे सीखने की गति तेज होती है। इसके साथ ही स्टार्टअप संस्कृति अपने आसपास के युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करती है।

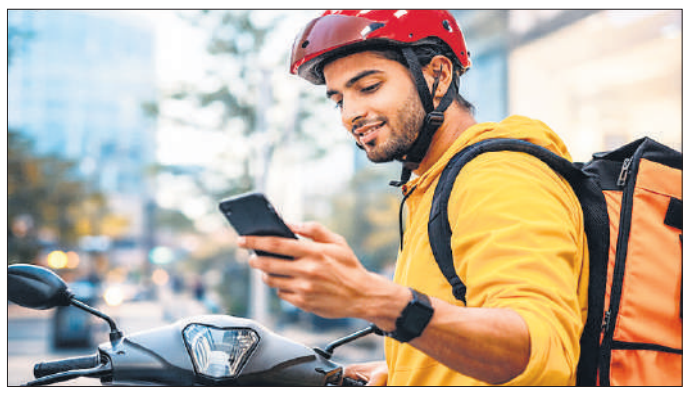

फ्रीलांस अर्थव्यवस्था: कौशल का बाजार

डिजिटल प्लेटफॉर्म के विस्तार के साथ फ्रीलांसिंग तेजी से बढ़ी है। विभिन्न आकलनों के अनुसार भारत में दो करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी प्रकार से फ्रीलांस काम से जुड़े हैं। कंटेंट लेखन, डिजाइन, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डिजिटल मार्केटिंग और ऑनलाइन शिक्षण इस क्षेत्र के प्रमुख हिस्से बनकर उभरे हैं। फ्रीलांसिंग में डिग्री से ज्यादा महत्व कौशल और अनुभव का है। यही कारण है कि पारंपरिक शिक्षा से बाहर रह गए युवा भी इस मॉडल के जरिए आय अर्जित कर पा रहे हैं।

गिग इकोनॉमी: त्वरित आय

गिग इकोनॉमी का दायरा अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि छोटे शहरों और कस्बों तक तेजी से फैल चुका है। कैब सेवाएं, फूड और ई-कॉमर्स डिलीवरी प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन ट्यूटरिंग, डिजिटल मार्केटिंग और कंटेंट क्रिएशन जैसे क्षेत्रों में आज करोड़ों युवा अल्पकालिक अनुबंधों पर काम कर रहे हैं। विभिन्न आकलनों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत की गिग वर्कफोर्स कुल श्रम शक्ति का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बन सकती है। यह मॉडल बेरोजगारी के दबाव को कुछ हद तक कम करने के साथ-साथ युवाओं को वैकल्पिक आय के अवसर भी प्रदान कर रहा है।

क्या संकेत देते हैं आंकड़े

आर्थिक सर्वेक्षण और श्रम अध्ययनों से संकेत मिलता है कि भविष्य में रोजगार सृजन का बड़ा हिस्सा पारंपरिक उद्योगों के बजाय सेवा, तकनीक और प्लेटफॉर्म आधारित कार्यों से आएगा। वहीं यह भी सच है कि इन क्षेत्रों में काम करने वाले युवाओं की औसत आय और कार्य-स्थिरता में भारी अंतर है। यानी नए करियर विकल्प अवसर तो दे रहे हैं, लेकिन समानता और सुरक्षा की गारंटी नहीं।

शिक्षा व्यवस्था और कौशल अंतर

विशेषज्ञों का मानना है कि शिक्षा व्यवस्था और रोजगार बाजार के बीच की खाई इन नए मॉडलों में और स्पष्ट हो गई है। स्कूल और कॉलेज आज भी छात्रों को स्थायी नौकरी की तैयारी कराते हैं, जबकि बाजार लचीले, बहु-कौशल वाले और तकनीक-सक्षम युवाओं की मांग कर रहा है। इसका परिणाम यह है कि बड़ी संख्या में डिग्रीधारी युवा या तो बेरोजगार हैं या अपनी योग्यता से कम काम करने को मजबूर हैं।

मानसिक और सामाजिक प्रभाव

स्टार्टअप, फ्रीलांस और गिग इकोनॉमी में काम करने वाले युवाओं में तनाव और असुरक्षा की भावना अधिक देखी जा रही है। आय की अनिश्चितता, सामाजिक दबाव और भविष्य की चिंता मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है। यह पहलू अक्सर करियर चर्चा में उपेक्षित रह जाता है।

संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता

यह स्पष्ट है कि नए करियर विकल्प न तो पूरी तरह समाधान हैं और न ही पूरी तरह संकट। वे अवसर भी हैं और चुनौती भी। आवश्यकता इस बात की है कि युवा इन क्षेत्रों में प्रवेश से पहले कौशल, वित्तीय योजना और मानसिक तैयारी करें। साथ ही नीति-निर्माताओं और शिक्षा संस्थानों को भी चाहिए कि वे करियर गाइडेंस, कौशल प्रशिक्षण और सामाजिक सुरक्षा के नए मॉडल विकसित करें।

जॉब अलर्ट

एम.पी. राज्य सहकारी बैंक मर्यादित

- पद का नाम-कंप्यूटर ऑपरेटर, कंप्यूटर ऑपरेटर (संविदा), सोसायटी मैनेजर, ऑफिसर
- कुल रिक्तियां-(1763 क्लर्क + 313 ऑफिसर) 2076 पद
- वेतन/पे स्केल-क्लर्क: लेवल-4 (रु. 19,500-62,000) 7 वां वेतनमान / लेवल-7 (रु. 28,700-91,300) / 6 वां वेतनमान (रु. 5,200-20,200 + 1900 GP)
- शैक्षणिक योग्यता-स्नातक
- आयु सीमा-18 से 35 वर्ष (छूट के साथ 40 वर्ष) कंप्यूटर ऑपरेटर (संविदा): 18 से 55 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख-05/02/2026
- वेबसाइट-www.apexbankmp.bank.in

नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (NABARD)

- पद का नाम-डेवलपमेंट असिस्टेंट / डेवलपमेंट असिस्टेंट (हिंदी)
- पदों की संख्या-162 (159 DA + 3 DA हिंदी)
- वेतन-20,700 - 55,700 (लगभग 46,500/- सकल शुरुआती वेतन)
- योग्यता-50% अंकों के साथ बैचलर डिग्री + कंप्यूटर का ज्ञान
- आयु सीमा-21 से 35 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख-03/02/2026
- वेबसाइट-www.nabard.org

यूको बैंक

- पद का नाम-जर्नलिस्ट और स्पेशलिस्ट ऑफिसर
- पदों की संख्या-173
- वेतन- 48480-93960
- योग्यता- किसी भी विषय में ग्रेजुएट / बी.ई./बी.टेक./एम.सी.ए./एम.एससी. कंप्यूटर साइंस / चार्टर्ड अकाउंटेंट सर्टिफिकेशन / फुल टाइम दो साल का एमबीए या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा
- आयु सीमा-20 से 35 वर्ष
- आवेदन अंतिम तारीख-02-02-2026
- वेबसाइट-https://uco.bank.in

सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया

- पद का नाम-लॉ क्लर्क कम-रिसर्च एसोसिएट
- पदों की संख्या-लगभग 90
- वेतन-1,00,000/- प्रति माह (समेकित पारिश्रमिक)
- योग्यता कानून में स्नातक डिग्री (कानून में इंटीग्रेटेड डिग्री कोर्स सहित)
- आयु सीमा-20 से 32 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख-07/02/2026
- वेबसाइट-www.sci.gov.in

करंट अफेयर्स

- हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की जनवरी 2026 में भारत यात्रा के दौरान भारत और UAE के बीच एक महत्वपूर्ण दीर्घकालिक ऊर्जा समझौता संपन्न हुआ। इस समझौते के तहत UAE भारत को हर वर्ष 0.5 मिलियन मीट्रिक टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) की आपूर्ति करेगा। इस करार के बाद UAE, कतर के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा LNG आपूर्तिकर्ता बन गया है, जिससे दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंध और मजबूत हुए हैं। इसके अलावा दोनों देशों ने वर्ष 2032 तक द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 200 अरब अमेरिकी डॉलर करने पर सहमति व्यक्त की।
- हाल ही में जारी नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार चीन एक गहराते जनसांख्यिकीय संकट का सामना कर रहा है। वर्ष 2025 में चीन की जनसंख्या में लगातार चौथे वर्ष गिरावट दर्ज की गई, जबकि सरकार परिवारों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन और नीतिगत उपाय लागू कर रही है।
- बीती 17 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की पहली स्लीपर वंदे भारत ट्रेन का शुभारंभ किया है, जो कोलकाता (हावड़ा) को गुवाहाटी (कामाख्या) से जोड़ती है। इस ट्रेन को पश्चिम बंगाल के मालदा से हरी झंडी दिखाई गई। यह ओवरनाइट सेमी-हाई-स्पीड सेवा आधुनिक रेल यात्रा के एक नए चरण की शुरुआत है और पूर्वी तथा पूर्वोत्तर भारत के बीच लंबी दूरी की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी।
- भारत ने अपनी विदेश नीति को सशक्त करने की दिशा में हाल ही में दो महत्वपूर्ण राजनयिक नियुक्तियों की घोषणा की है। विदेश मंत्रालय ने वरिष्ठ भारतीय विदेश सेवा (IFS) अधिकारियों मुआनपुई सायावी और अमित कुमार मिश्रा को क्रमशः न्यूजीलैंड में भारत का अगला उच्चायुक्त और जॉर्जिया में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया है। ये नियुक्तियां विभिन्न क्षेत्रों में भारत के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों को दर्शाती हैं।

नोटिस बोर्ड

- रुहेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा जारी की गई सूचना के अनुसार 23 जनवरी को वसंत पंचमी के अवसर पर अवकाश घोषित होने के चलते विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों में बीए पंचम सेमेस्टर (मुख्य एवं बैक) की अर्थशास्त्र विषय की परीक्षा की तिथि में संशोधन किया गया है। 23 जनवरी को प्रस्तावित परीक्षा अब 2 फरवरी को आयोजित की जाएगी। शेष परीक्षा कार्यक्रम पूर्व निर्धारित तिथियों के अनुसार ही रहेगा।
- उत्तर प्रदेश परिवहन निगम द्वारा सहारनपुर की गिल कॉलोनी में 28 जनवरी को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले के अंतर्गत संविदा के आधार पर परिचालकों की भर्ती की जाएगी। उक्त रोजगार मेले में संविदा पर चालकों के आबद्धीकरण हेतु आर्हताएं पूर्वत: (न्यूनतम कक्षा 8 पास लंबाई न्यूनतम 5 फुट 3 इंच, भारी वाहन चलाने का लाइसेंस अवधि न्यूनतम 02 वर्ष पुराना, न्यूनतम 23 वर्ष 06 माह और कार्य करने की अधिकतम आयु 60 वर्ष) ही रहेगी।

कॉलेज जाना भी किसी मोर्चे पर जाने जैसा लगा

कैंपस में पहला दिन

वर्ष 1999 का जुलाई महीना था। देश ऑपरेशन विजय के दौर से गुजर रहा था। कारगिल युद्ध की खबरें सुबह-शाम टीवी पर छाई रहती थीं। सड़कों पर सेना के ट्रक, रेलवे स्टेशनों पर जवानों से भरी रेलगाड़ियां और हर घर में युद्ध की चर्चाएं, पूरा माहौल रोमांच और तनाव से भरा हुआ था। उसी समय मुझे लखनऊ के IET में जून की काउंसलिंग के लगभग एक महीने बाद झांसी स्थित बुंदेलखंड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (BIET) की मैकेनिकल ब्रांच में प्रवेश लेना था।

शिव मोहन
मुख्य इंटीग्रेशन अधिकारी, रेलवे परिवहन व्यवसाय, लार्सन एंड टुब्रो, यूएई

इंजीनियरिंग में दाखिले की खुशी थी, लेकिन फर्स्ट ईयर में होने वाली रैगिंग की कहानियों ने मन में डर भी भर रखा था। एक तरफ नए जीवन की शुरुआत का उत्साह था, तो दूसरी तरफ अनजाने माहौल का भय। ऊपर से पूरे परिवार की उम्मीदों का बोझ भी सिर पर महसूस हो रहा था। IIT में चयन न होने का मलाल था, लेकिन उत्तर प्रदेश के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन मिलने का गर्व भी कम नहीं था। जैसे-जैसे 9 जुलाई नजदीक आ रहा था, घर में तैयारियां तेज हो गईं। कुछ कपड़े, बिस्तर और रोजमर्रा का जरूरी सामान समेटकर बड़े भाई के साथ कानपुर से होते हुए झांसी की यात्रा शुरू हुई। जुलाई का महीना और उत्तर भारत की बारिश, उस दिन भी मूसलाधार वर्षा हो रही थी। रास्ते में पहली बार छोटे-छोटे पथरीले पहाड़ दिखे। भले ही वे सिर्फ पठार थे, लेकिन मेरे लिए वे शोले फिल्म के पहाड़ों जैसे ही रोमांचक थे, क्योंकि इससे पहले पहाड़ मैंने कभी नहीं देखे थे।

BIET का कैंपस अपने आप में एक दुनिया था। पूरे उत्तर प्रदेश के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में सबसे बड़ा IIT कानपुर को छोड़कर। कानपुर रोड से कॉलेज के मुख्य प्रशासनिक भवन तक लगभग एक किलोमीटर का रास्ता, चारों तरफ खुले मैदान और बारिश से नहाई हरियाली। मन प्रसन्न हो गया। ऐसा लग रहा था, जैसे कुछ-कुछ होता है फिल्म के कॉलेज कैंपस में प्रवेश कर रहा हूं। संयोग से वह फिल्म भी उसी दौर में रिलीज हुई थी। पहले वृंदावन हॉस्टल में सामान रखा और फिर प्रवेश प्रक्रिया के लिए सिविल डिपार्टमेंट पहुंचे, जहां पूरे फर्स्ट ईयर की काउंसलिंग और एडमिशन हो रहे थे। सीनियर्स अभिभावकों के सामने बेहद विनम्र और सहयोगी थे, लेकिन हमें देखकर उनकी आंखों में एक अलग ही संदेश झलक रहा था- मानो कह रहे हों, "अब आ गए हो, अब यहीं के तौर-तरीके सीखने होंगे।" अभिभावक भी अपने-अपने जिले या आसपास के इलाके के सीनियर्स खोज रहे थे, ताकि आगे बच्चों का ख्याल रखा जा सके। कन्नौज से कोई सीनियर नहीं मिला, लेकिन फर्रुखाबाद के एक सीनियर से भाई ने बात की। उन्होंने न सिर्फ भरोसा दिया, बल्कि पूरे चार साल सचमुच अभिभावक की तरह ध्यान भी रखा। सच ही कहा गया है, घर से दूर अपने जिले का कोई मिल जाए, तो वह परिवार जैसा हो जाता है।

शाम तक सभी छात्रों को कमरे आवंटित कर दिए गए। हॉस्टल वार्डन और शिक्षकों ने ध्यान रखा कि कोई क्षेत्रीय गुट न बने। हमारे कमरे में तीन तखत थे, लेकिन उस शाम सिर्फ दो ही छात्र आए। मैं और फैजाबाद से आया मेरा एक सहपाठी, जिसे बाद में सब प्यार से "पप्पू" कहने लगे। पूरे बैच में लगभग 180 छात्र थे और हर किसी का कोई न कोई उपनाम उसकी आदत, बोली या स्वभाव के आधार पर रख दिया गया था, जो पहचान आज भी सिर्फ बैच के लोगों के बीच जीवित है।

शाम ढलते ही सीनियर्स की पूरी फौज हॉस्टल पहुंच गई। परिचय का पहला दिन था। अलग-अलग वर्षों के सीनियर्स के लिए अलग-अलग तरह से अभिवादन करना होता था। कहीं 90 डिग्री, कहीं 120 डिग्री और फाइनल ईयर के लिए पूरा साष्टांग प्रणाम। कॉलेज का परिचय गीत, बोलने का तरीका सब कुछ नया और रोमांचक था। राहत इस बात की थी कि यह सब मौज-मस्ती तक सीमित रहा, कोई प्रताड़ना जैसी घटना नहीं हुई। इन्हीं सीनियर्स में से कुछ से ऐसे गहरे रिश्ते बने, जो 27 साल बाद भी कायम हैं। इंजीनियरिंग के चार सालों में हमने सिर्फ तकनीकी शिक्षा ही नहीं सीखी, बल्कि लोगों से जुड़ना, परिस्थितियों के अनुसार ढलना, नेतृत्व करना और खुद को समझना भी सीखा। कॉलेज के पहले दिन जीवन का जो मूलमंत्र मिला, वह आज भी हर मोड़ पर काम आता है।

ड्रोन प्रोग्रामिंग : टेक्नोलॉजी में रोजगार का नया रास्ता

तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया में आज ड्रोन केवल उड़ने वाली मशीन नहीं रह गए हैं। इन्हें प्रोग्राम करना, ऑटोमेट करना और अलग-अलग कामों के लिए तैयार करना एक नई और अहम स्किल बन चुकी है। यही वजह है कि 12 वीं के बाद टेक्नोलॉजी में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स एक उभरता हुआ विकल्प बनकर सामने आया है।

ज्ञानेंद्र कुमार दीक्षित
असिस्टेंट प्रोफेसर, बीबीडी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

क्या है ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स

ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स में यह सिखाया जाता है कि ड्रोन को कोड के जरिए कैसे नियंत्रित किया जाए? ड्रोन किस दिशा में उड़ान भरे, कितनी ऊंचाई पर जाए, कैमरा कब एक्टिव हो और सेंसर से मिलने वाला डेटा कैसे इस्तेमाल किया जाए। ये सभी काम प्रोग्रामिंग से तय होते हैं। इस कोर्स में Python, C++, ROS और मिशन प्लानर जैसे सॉफ्टवेयर और टूल्स की ट्रेनिंग दी जाती है। आसान शब्दों में कहें, तो यह कोर्स ड्रोन उड़ाने से ज्यादा, उसे सोचने और निर्देश समझने की क्षमता देता है।

कौन कर सकता है यह कोर्स

ड्रोन प्रोग्रामिंग की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे 12 वीं पास छात्र भी कर सकते हैं। साइंस स्ट्रीम से पढ़ाई करने वालों को इसमें थोड़ी बढ़त मिलती है, लेकिन आर्ट्स और कॉमर्स के छात्र भी बुनियादी कंप्यूटर ज्ञान के साथ इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिन युवाओं को टेक्नोलॉजी, मशीनों और नई चीजें सीखने में रुचि हैं, उनके लिए यह कोर्स खास तौर पर उपयुक्त माना जाता है।

क्या-क्या सिखाया जाता है कोर्स में

ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स पूरी तरह प्रैक्टिकल आधारित होता है। इसमें ड्रोन हार्डवेयर की बुनियादी जानकारी, फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम, ऑटोमेटेड मिशन प्लानिंग, GPS और सेंसर प्रोग्रामिंग, कैमरा और डेटा प्रोसेसिंग, लाइव प्रोजेक्ट और फील्ड ट्रेनिंग जैसी स्किल्स पर फोकस किया जाता है, जिससे छात्र इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुरूप तैयार हो सकें।

जॉब और कमाई के अवसर

इस कोर्स के बाद रोजगार के कई विकल्प खुलते हैं। युवा ड्रोन प्रोग्रामर, ड्रोन ऑपरेटर, UAV इंजीनियर, ड्रोन मैपिंग स्पेशलिस्ट, सर्वे इंजीनियर या ड्रोन टेक्नीशियन के रूप में काम कर सकते हैं। शुरुआत में 25 से 50 हजार रुपये तक मासिक आय संभव है। अनुभव बढ़ने पर यही कमाई से 2 लाख रुपये प्रति माह तक पहुंच सकती है। फ्रीलांस और प्रोजेक्ट आधारित काम में इससे भी अधिक कमाई के अवसर मिलते हैं।

भविष्य के लिहाज से अहम

ड्रोन टेक्नोलॉजी को खेती, पुलिस, सर्वे, इंफ्रास्ट्रक्चर, फिल्म इंडस्ट्री, डिलीवरी और स्मार्ट सिटी जैसे कई क्षेत्रों में तेजी से अपनाया जा रहा है। आने वाले समय में ड्रोन एक्सपर्ट्स की मांग और बढ़ने की संभावना है। ऐसे में ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स युवाओं के लिए न केवल नई तकनीक सीखने का अवसर है, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत और आधुनिक करियर की नींव भी रखता है।

गणतंत्र दिवस से पहले दिल्ली समेत कई शहरों में हाई अलर्ट

● आतंकी हमलों के मद्देनजर खुफिया एजेंसियां सतर्क

नई दिल्ली, एजेंसी

गणतंत्र दिवस से पहले देश की खुफिया एजेंसियों ने खालिस्तानी आतंकवादी संगठनों और बांग्लादेश स्थित आतंकवादी समूहों से संभावित खतरों के मद्देनजर हाई अलर्ट जारी किया है।

अलर्ट के मुताबिक दिल्ली और देश में कई अन्य प्रमुख शहर संभावित निशाने पर हो सकते हैं। इस इनपुट के बाद सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और संवेदनशील इलाकों में निगरानी तेज कर दी गई है। खुफिया सूत्रों से पता चला है कि पंजाब के कुछ गैंगस्टर कथित तौर पर खालिस्तानी और अन्य कट्टरपंथी विदेशी आकाओं के लिए 'फुट सोल्जर' के रूप में काम कर रहे हैं। आरोप है कि विदेश में बैठे ये आका देश की आंतरिक सुरक्षा को बिगाड़ने और अपने मंसूबों को अंजाम देने के लिए इन आपराधिक नेटवर्कों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ये गैंगस्टर हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, राजस्थान में सक्रिय हैं।

सूत्रों का कहना है कि इन नेटवर्कों का उपयोग हथियारों की तस्करी, धन और रसद सहायता उपलब्ध कराने जैसी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया जा सकता है। इसे देखते हुए दिल्ली और अन्य महानगरों में सुरक्षा सख्त की जा रही है।

शेख हसीना के खिलाफ नौ फरवरी को होगी सुनवाई

ढाका। बांग्लादेश की एक अदालत ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 285 अन्य लोगों के खिलाफ राजद्रोह के मामले में आरोप तय करने के लिए अगली सुनवाई की तारीख नौ फरवरी निर्धारित की। यह मामला उन आरोपों से जुड़ा है कि दिसंबर 2024 में हसीना और अवामी लीग के सैकड़ों सदस्यों ने जॉय बांग्ला ब्रिगेड नामक समूह की ऑनलाइन बैठक में हिस्सा लिया था, जहां मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को गिराने की कथित तौर पर साजिश रची गई। ढाका की विशेष अदालत के न्यायाधीश मोहम्मद अब्दुस सलाम ने इस संबंध में बचाव पक्ष की याचिकाओं में आदेश पारित किया।

व्यवस्था की डूबती संवेदनशीलता

नोएडा जैसे आधुनिक शहर में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से हुई मौत केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि शहरी नियोजन और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र की विफलता का प्रतीक है। इंजीनियर की जान बचाने के लिए फायर ब्रिगेड और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचती हैं, लेकिन संसाधनों के अभाव का हवाला देकर किनारे खड़ी रहती हैं, आधुनिकता के दावों पर यह गहरा तमाचा है। यह घटना दर्शाती है कि हमारे सुरक्षा बल आज भी बुनियादी उपकरणों, जैसे कि डाइविंग सूट, अंडरवाटर लाइट और त्वरित बचाव नौकाओं के लिए तरस रहे हैं। सेक्टर-स्तर पर तैनात फायरकर्मियों को अक्सर केवल आग बुझाने का प्रशिक्षण दिया जाता है, जबकि शहरी बाढ़ या गहरे गड्ढों में बचाव के लिए उनके पास न तो विशेषज्ञता है और न ही उपकरण।

नोएडा हादसा

केवल टैक्स लेने तक जिम्मेदारी नहीं

● राज्य की जिम्मेदारी केवल टैक्स वसूलने और कंक्रीट के जंगल खड़े करने तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करना उसका प्राथमिक दायित्व है। इस मामले में जिला प्रशासन, विकास प्राधिकरण और आपदा प्रबंधन इकाइयों के बीच समन्वय की भारी कमी दिखी। यदि समय रहते गड्ढे की घेराबंदी की गई होती या बचाव दल के पास एक साधारण लाइफ-जैकेट और ऑक्सीजन सिलेंडर होता, तो शायद आज एक नागरिक और होनहार इंजीनियर जीवित होता। यह घटना पूरी व्यवस्था की खामियों को उजागर करती है। ऐसा नहीं है कि यह देश या प्रदेश की इस तरह की पहली घटना है लेकिन सरकारों या जिम्मेदारों ने इन घटनाओं से निपटने की कोईसीख नहीं ली।

कहां हुई चूक

● प्रशासनिक लापरवाही : निर्माणाधीन क्षेत्र या खुले गड्ढों को ढकने और वहां चेतावनी बोर्ड लगाने में प्राधिकरण विफल रहा।

● संसाधनों का अभाव : फायरकर्मी और स्थानीय पुलिस सबसे पहले पहुँचते हैं, लेकिन उनके पास पानी में उतरने के लिए आवश्यक वेट सूट या स्कूबा गियर नहीं थे।

● प्रतिक्रिया समय : एसडीआरएफ की टीम को पहुंचने में घंटों लग गए, शुरुआती गोल्डन ऑवर में स्थानीय बल मूकदर्शक बने रहे।

संसाधन-प्रशिक्षण

● फायर ब्रिगेड : वर्तमान में अधिकांश फायर स्टेशनों के पास केवल आग बुझाने की गाड़ियां, सीढ़ियां और कुछ मात्रा में रस्सियां होती हैं। जल बचाव के लिए इन्फ्लेटेबल बोट्स या सोनार डिवाइस जिला स्तर पर बहुत कम हैं।

● प्रशिक्षण : इनका मुख्य प्रशिक्षण फायर फाइटिंग पर केंद्रित है। गोताखोरी इनके नियमित प्रशिक्षण का हिस्सा नहीं है।

राज्य की जवाबदेही

● सुरक्षा मानक : नगर निकायों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी गड्ढा खुला न रहे। नोएडा प्राधिकरण जैसे संस्थानों पर भारी जुर्माना और जवाबदेही तय होनी चाहिए।

● बजट आवंटन : आपदा प्रबंधन बलों को आधुनिक उपकरणों (जैसे ड्रोन, थर्मल सेंसर और अंडरवाटर कैमरा) से लैस करने के लिए पर्याप्त फंड देना।

● जवाबदेही : लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर गैर-इरादतन हत्या का मुकदमा चलना चाहिए।

जब तंत्र फेल हुआ

● मुंबई (2017) : प्रसिद्ध डॉक्टर दीपक अमरापुरकर की खुले मैनहोल में गिरने से मौत।

● गुरुग्राम (2023) : बारिश के पानी भरे गड्ढे में डूबने से मौतें।

● दिल्ली (2024) : कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से छात्रों की मौत।

वर्ल्ड ब्रीफ

जापान में परमाणु संयंत्र फिर चालू होगा

तोक्यो। जापान में 2011 में हुएफुकुशिमा परमाणु हादसे के बाद दुनिया के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र का संचालन बुधवार को फिर से शुरू हो जाएगा। जापान बिजली की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए परमाणु ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ा रहा है। काशीवाजाकी-कारिवा परमाणु ऊर्जा संयंत्र के नंबर-6 रिएक्टर में ऊर्जा उत्पादन की शुरुआती प्रक्रिया इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका संचालन तोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी होल्डिंग्स (टीईपीसीओ) कर रही है। यह वही कंपनी है जो क्षतिग्रस्त फुकुशिमा दाइची परमाणु संयंत्र का भी संचालन करती है।

आईएस के बड़े शिविर पर नियंत्रण किया

अल-होल। सीरिया की सरकारी सेना ने बुधवार को उत्तर-पूर्वी सीरिया में एक बड़े शिविर पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया जिसमें इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़े हजारों लोग रह रहे हैं। ऐसा लगता है कि सरकार और कुर्द लड़ाकों के बीच समझौता हो गया है। सरकारी सेना और कुर्द लड़ाकों के बीच दो हफ्ते तक चली झड़पों के बाद, बुधवार को सरकारी सैनिकों को ले जा रहीं बख्तरबंद गाड़ियों का एक काफिला अल-होल शिविर में पहुंचा। कुर्द लड़ाके उस जमीन का एक बड़ा हिस्सा खो चुके थे जिस पर उनका सालों से नियंत्रण था।

37 तस्करों को अमेरिका को सौंपा

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के सुरक्षा मंत्री ने कहा कि उनके देश ने मादक पदार्थ तस्करी गिरोहों के 37 और सदस्यों को अमेरिका को सौंप दिया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब ट्रंप प्रशासन सीमा पार मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले आपराधिक नेटवर्कों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने के लिए सरकारों पर दबाव बढ़ा रहा है। मेक्सिको के सुरक्षा मंत्री उमर गार्सिया हारफुच ने एक्स पर कहा कि जिन लोगों को भेजा गया है, वे शातिर अपराधी थे और देश की सुरक्षा के लिए खतरा बने हुए थे।

श्रीनिवास राय का 83 वर्ष की उम्र में निधन

सिंगापुर। सिंगापुर में हिंदी सोसाइटी के संस्थापक सदस्य और गांधीवादी मूल्यों के पैरोकार श्रीनिवास राय का रविवार को उनके घर पर निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। संसद के पूर्व मनोनीत सदस्य राय 10 साल की उम्र में सिंगापुर आए थे और यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में कानून की पढ़ाई करने के बाद पांच दशक से ज्यादा समय तक विधिक क्षेत्र में काम किया।

संरा प्रभावी भूमिका निभाता तो बोर्ड ऑफ पीस की जरूरत ही नहीं पड़ती

राष्ट्रपति ट्रंप ने दिए संकेत-संयुक्त राष्ट्र का स्थान ले सकता है नवगठित बोर्ड ऑफ पीस

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र ने कभी भी अपनी क्षमता के अनुसार काम नहीं किया और यदि उसने प्रभावी भूमिका निभायी होती तो गाजा के लिए गठित बोर्ड ऑफ पीस की जरूरत ही ना पड़ती। ट्रंप ने संकेत दिए कि नवगठित बोर्ड ऑफ पीस संयुक्त राष्ट्र का स्थान ले सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में बोर्ड ऑफ पीस का गठन किया है जिसका उद्देश्य गाजा के पुनर्निर्माण में सहायता करना है।

ट्रंप से जब सवाल किया गया कि क्या वह चाहते हैं कि बोर्ड ऑफ पीस संयुक्त राष्ट्र का स्थान ले तो ट्रंप ने कहा कि यह हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र बहुत मददगार साबित नहीं हुआ है। मैं संयुक्त राष्ट्र की क्षमताओं का बड़ा समर्थक हूं, लेकिन यह कभी अपनी पूरी क्षमता के अनुसार काम नहीं कर पाया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ पर मंगलवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से रूबरू हुए और उनके प्रश्नों के उत्तर दिए। यह प्रेसवार्ता करीब 105 मिनट तक चली। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने हाल ही में बोर्ड ऑफ पीस का गठन किया है और मुझे लगता है कि यह वाकई शानदार साबित होने जा रहा है। अगर संयुक्त राष्ट्र ने अधिक कदम उठाए होते तो शायद इसकी जरूरत नहीं होती। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल के पहले साल में आठ युद्धों को सुलझाया, लेकिन संयुक्त राष्ट्र ने किसी भी युद्ध में उनकी मदद नहीं की। ट्रंप ने कहा कि मैं उन्हें दोष नहीं दे रहा हूं। मैंने उन्हें मदद के लिए फोन नहीं किया, लेकिन मैंने राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों को एक साथ बैठाया, हमने सख्ती से बात की, आपसी सहमति बनाई और वे मुझे पसंद करने लगे। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को उन सभी युद्धों को सुलझाना चाहिए था, जिन्हें मैंने सुलझाया। मैं उसका मदद के लिए कभी आह्वान नहीं किया। उन्हें वे प्रत्येक युद्ध सुलझाने चाहिए थे जो मैंने सुलझाया लेकिन उन्होंने वह नहीं किया। मेरा मानना है कि संयुक्त राष्ट्र को जारी रहने देना चाहिए, क्योंकि इसकी क्षमता बहुत अधिक है।

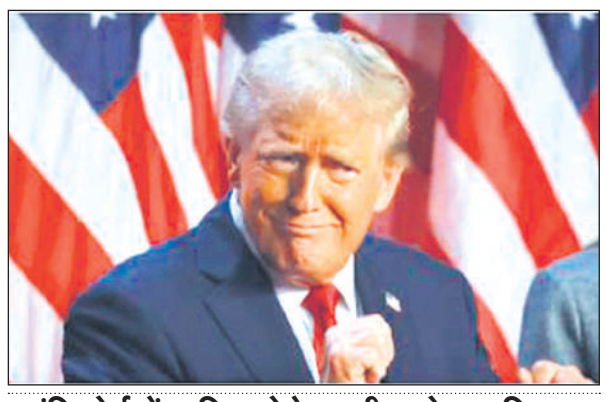

शांति बोर्ड में शामिल होने पर चीन को आपत्ति

बीजिंग। चीन ने गाजा के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित शांति बोर्ड में शामिल होने पर बुधवार को अपनी आपत्ति प्रकट की है और संयुक्त राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां कहा कि चीन हमेशा सच्चे बहुपक्षवाद के लिए प्रतिबद्ध रहा है, और संयुक्त राष्ट्र को केंद्र में रखकर अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की मजबूती से रक्षा करेगा। गुओ ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय हालात कैसे भी हों, चीन संयुक्त राष्ट्र को केंद्र में रखकर अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली, अंतर्राष्ट्रीय कानून पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की रक्षा करेगा।

बोर्ड ऑफ पीस में शामिल हुए कई देश

यरुशलम। बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने के लिए कई देशों ने सहमति जताई है, जबकि यूरोपीय देशों समेत कुछ मुल्कों ने इसका सदस्य बनने का निमंत्रण ठुकरा दिया है। कई देशों ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि 30 देश बोर्ड में शामिल हो सकते हैं, जबकि 50 देशों को निमंत्रण भेजा गया है। अर्जेंटीना, आर्मीनिया, अजरबैजान, बहरीन, बेलारूस, मिस्र, हंगरी, कजाखस्तान, कोसोवो, मोरक्को, यूएई, वियतनाम ने बोर्ड में शामिल होने का न्योता स्वीकार कर लिया है जबकि फ्रांस, नॉर्वे, स्वीडन ने मना कर दिया है। कई देशों ने अभी फैसला नहीं लिया है।

अमेरिका बलपूर्वक ग्रीनलैंड को अपने कब्जे में नहीं लेगा

● डब्ल्यूईएफ में ट्रंप बोले-अमेरिका ही कर सकता है इस द्वीप की रक्षा

दावोस, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि उनका देश ग्रीनलैंड को अपने कब्जे में लेने के लिए बल प्रयोग नहीं करेगा। उन्होंने रेखांकित किया कि केवल अमेरिका ही खनिज-समृद्ध इस द्वीप की रक्षा कर सकता है। ग्रीनलैंड का मुद्दा अमेरिका के यूरोप के साथ बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के केंद्र में है। ट्रंप ने स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका में आर्थिक प्रगति हो रही है जबकि यूरोप सही दिशा में आगे नहीं बढ़ रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने 70 मिनट लंबे भाषण में कहा कि ग्रीनलैंड और डेनमार्क के लोगों के लिए मेरे मन में बहुत सम्मान है, तथा ग्रीनलैंड की रक्षा केवल अमेरिका ही कर सकता है। उन्होंने शुल्क, पर्यावरण और आव्रजन सहित कई मुद्दों पर उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) सहयोगियों पर तीखा हमला किया। उनके भाषण के बाद 20 मिनट का प्रश्नोत्तर सत्र हुआ।

ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर अपना दावा जताते हुए कहा कि हमने खूबसूरत डेनमार्क के लिए लड़ाई लड़ी, जो एक भूमि नहीं, बल्कि हिमखंड का एक बड़ा टुकड़ा है, जो ठंडे और दुर्गम स्थान पर स्थित है। यह उस चीज की तुलना में बहुत छोटी मांग है जो हमने उन्हें कई दशकों तक दी है। इसे वापस देना हमारी मूर्खता थी। उन्होंने कहा कि लोगों को लगा कि मैं बल प्रयोग करूंगा। मुझे बल प्रयोग करने की आवश्यकता नहीं है। मैं बल प्रयोग नहीं करूंगा। ट्रंप ने कहा कि डेनमार्क का अर्धस्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड अमेरिका, रूस और चीन के बीच एक रणनीतिक स्थान पर स्थित है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को इसकी रणनीतिक कारणों से जरूरत है, दुर्लभ खनिजों के लिए नहीं। ट्रंप ने कहा कि केवल अमेरिका ही ग्रीनलैंड की रक्षा कर सकता है, और कई यूरोपीय देशों ने भी कई क्षेत्रों पर कब्जा किया है, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जब हमने ग्रीनलैंड को बचाया और डेनमार्क को सौंप दिया, तब हम एक महाशक्ति थे, लेकिन अब हम उससे कहीं अधिक शक्तिशाली हैं। ट्रंप ने दावोस में अपने भाषण के दौरान डेनमार्क को 'कृतघ्न' करार दिया।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर समझौते के काफी करीब

दावोस। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि उन्हें लगता है कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए एक समझौते के काफी करीब हैं, हालांकि उन्हें पहले ऐसा लगा था कि वह कुछ ही घंटों में इसे कर लेंगे। ट्रंप ने यह भी कहा कि यदि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की इसे अभी समाप्त नहीं करते हैं तो वे मूर्ख होंगे, और वह जानते हैं कि वे मूर्ख नहीं हैं। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के दौरान यहां ट्रंप ने कहा कि वह युद्ध के मामलों को सुलझाने के काम में अच्छे हैं, हालांकि यह काम संयुक्त राष्ट्र को करना चाहिए। रूस-यूक्रेन युद्ध पर एक सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा कि मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है...लेकिन मैंने चार से अधिक मामलों को सुलझाया। उन्होंने कहा कि यह करना ही होगा। इससे कई जानें बचेंगी, लाखों जानें बचेंगी। यूक्रेन और रूस के बीच राष्ट्रपति जेलेंस्की और पुतिन के बीच जो जबरदस्त नफरत है, वह अच्छी बात नहीं है। यह सुलह के लिए अच्छा नहीं है। ट्रंप ने कहा, मुझे लगता है कि रूस समझौता चाहता है।

अमेरिका को ईरान ने दी चेतावनी हमला हुआ तो देंगे कड़ा जवाब

● बढ़ते तनाव के बीच ईरान के विदेशमंत्री अराघची ने चेताया

दुबई, एजेंसी

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने बुधवार को अमेरिका के खिलाफ अब तक की सबसे सीधी और कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि यदि इस्लामिक गणराज्य पर दोबारा हमला हुआ तो वह अपने पास मौजूद हर ताकत से जवाब देगा। तेहरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के निर्ममतापूर्वक दमन के बाद बढ़ते तनाव के बीच अराघची ने यह बात कही है।

इस दमन के चलते दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में उन्हें दिया गया निमंत्रण रद्द कर दिया गया। यह घटनाक्रम ऐसे वक्त हुआ है, जब अमेरिका के लड़ाकू विमान उपकरणों के साथ एशिया से पश्चिम एशिया की दिशा में बढ़ रहे हैं। वहीं, कैरिबियाई क्षेत्र में अमेरिका की एक बड़ी सैन्य तैनाती के बाद वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लिए जाने के बीच, पश्चिम एशिया में अमेरिकी लड़ाकू विमानों और अन्य सैन्य उपकरणों की गतिविधियां भी बढ़ती दिख रही हैं।

अराघची ने यह चेतावनी द वॉल स्ट्रीट जर्नल में प्रकाशित एक लेख में दी। लेख में उन्होंने दावा किया कि अशांति का हिंसक चरण 72 घंटे से भी कम समय तक चला। उन्होंने हिंसा के लिए सशस्त्र प्रदर्शनकारियों को जिम्मेदार ठहराया।

...तो ईरान का नामो निशान मिटा देंगे : ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि अगर ईरान ने उनकी हत्या कराई तो अमेरिका ईरान का नामोनिशान मिटा देगा। ट्रंप ने न्यूजनेशन के कार्यक्रम केटी पॉवलिच टुनाइट को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि मेरे बहुत सख्त निर्देश हैं कि अगर कुछ होता है, तो वे उन्हें नक्शे से मिटा देंगे। इससे पहले ईरान ने ट्रंप को देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ किसी प्रकार की कार्रवाई करने पर चेतावनी दी थी। ट्रंप ने खामेनेई के लगभग 40 वर्षों के शासन को समाप्त करने का आह्वान किया था जिसके कुछ दिनों बाद ईरान ने ट्रंप को यह चेतावनी दी।

द. कोरिया के पूर्व प्रधानमंत्री हान को 23 वर्ष की सजा

सियोल। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने बुधवार को फैसला सुनाया कि तत्कालीन राष्ट्रपति यून सुक योल द्वारा 2024 में लागू किया गया मार्शल लॉ विद्रोह की श्रेणी में आता है। अदालत ने इस मामले में संलिप्तता के लिए यून के समय देश के प्रधानमंत्री रहे हान डक-सू को 23 साल की कारावास की सजा सुनाई। पूर्व प्रधानमंत्री हान डक-सू, यून सरकार के पहले अधिकारी बन गए हैं, जिन्हें दिसंबर 2024 में राष्ट्रपति यून द्वारा लगाए गए मार्शल लॉ से जुड़े विद्रोह के आरोपों में दोषी ठहराया गया। इस फैसले से राष्ट्रपति यून और उनके अन्य सहयोगियों के खिलाफ आने वाले फैसलों की दिशा तय होने की उम्मीद है।

नेपाल चुनाव में 4 पूर्व पीएम भी होंगे मैदान में

● पड़ोसी देश में इस साल पांच मार्च को होने वाले हैं आम चुनाव

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में जेन जी के विरोध प्रदर्शनों के महीनों बाद पांच मार्च को कराए जा रहे आम चुनाव में चार पूर्व प्रधानमंत्री भी अपनी किस्मत आजमाएंगे। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के अध्यक्ष और जेन-जी आंदोलन के बाद प्रधानमंत्री पद छोड़ने को मजबूर हुए के पी शर्मा ओली ने आगामी चुनाव के लिए झापा-5 सीट से नामांकन दाखिल किया है।

वहीं, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहाल 'प्रचंड' रुकुम पूर्व से किस्मत आजमा रहे हैं। दो अन्य पूर्व प्रधानमंत्रियों, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के माधव कुमार नेपाल और प्रगतिशील लोकतांत्रिक पार्टी के बाबूराम भट्टराई ने क्रमशः रौतहट-1 और गोरखा-2 निर्वाचन क्षेत्रों से नामांकन दाखिल किया है। हालांकि, दो अन्य पूर्व प्रधानमंत्री नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता झाला नाथ खनाल इस दौड़ में शामिल नहीं हैं। नेपाल में जेन-जी युवाओं के नेतृत्व वाले हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद ओली ने नौ सितंबर को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था जिसके बाद देश में आम चुनाव आवश्यक हो गए थे। वहीं चार मंत्रियों ने भी चुनाव लड़ने को पद से इस्तीफा दे दिया है।

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री आबे के हत्यारे को उम्रकैद

तोक्यो। जापान की एक अदालत ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या करने का अपराध कबूल करने वाले एक व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इस मामले ने जापान की सत्तारूढ़ पार्टी और दक्षिण कोरिया के एक विवादास्पद चर्च के बीच दशकों पुराने करीबी संबंधों को उजागर किया। तेत्सुया यामागामी (45) ने पश्चिमी शहर नारा में जुलाई 2022 में चुनाव प्रचार के दौरान भाषण दे रहे आबे की हत्या किए जाने के मामले में अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। नारा जिला अदालत ने फैसले की पुष्टि की और अभियोजन पक्ष के अनुरोध के अनुसार यामागामी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 22 जनवरी, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 23 जनवरी 02 .28 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

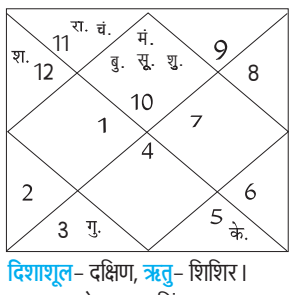

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- शतभिषा 14 .27 तक तत्पश्चात पूर्व भाद्रपद।

मेष — आज आपकी बातों का लोग बुरा मान सकते हैं। प्रेम संबंधों को लेकर थोड़ी समस्या होगी। अपने मित्रों पर अविश्वास न करें। नींद पूरी न लेने के कारण अपच की समस्या हो सकती है। मन की बातें दूसरों से शेयर न करें।

वृष — आज पैतृक व्यवसाय में उत्तम धन-लाभ होगा। परिवार के सदस्यों से राय लेना आपके लिए हितकर रहेगा। आय के नए स्रोत निर्मित हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

मिथुन — आज मार्केटिंग संबंधी गतिविधियों से धन लाभ हो सकता है। धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं। आप अपने सभी काम समय पर पूरे कर लेंगे। कार्यक्षेत्र में नए मित्र बन सकते हैं। आयात-निर्यात से आपको लाभ प्राप्त होगा।

कर्क — आज सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। कोई रुकी हुई डील आपके सामने आ सकती है, लेकिन विद्यार्थियों को पढ़ाई में थोड़ी परेशानी होगी। धन की कमी के कारण जरूरी काम रुक सकते हैं। अधिकारियों के साथ तनाव दूर होगा।

सिंह — आज अपनी बातों को दूसरों पर न थोपें। व्यापार में नए साथी जुड़ सकते हैं। सिर्फ अपने काम पर ही फोकस बनाए रखें। दूसरे कार्यों में दिमाग न लगाएं। कानूनी मामलों को लेकर सावधानी रखें। वरिष्ठों का भरोसा जीतेंगे।

कन्या — आज आपके खर्चों में बढ़ोतरी होगी। किसी मांगलिक उत्सव की योजना बनाएंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त होगा। दांपत्य संबंधों में ताजगी आएगी। परिवार का बेहतरीन सहयोग मिलेगा। घर में मित्रों का आगमन हो सकता है।

तुला — आज उच्च अधिकारी आपसे संतुष्ट रहेंगे। अपने काम को लेकर फोकस करेंगे। संतान की समस्याओं का समाधान होगा। अपनी कार्यशैली में बदलाव ला सकते हैं। मित्रों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। प्रेम संबंधों में नई ऊर्जा का संचार होगा।

वृश्चिक — आज का काम कल पर न टालें। निवेश में सोच-समझकर कदम उठाएं। मित्रों के साथ खास विषय पर चर्चा कर सकते हैं। आपको नई-नई बातें जानने को मिलेंगी। संतान को लेकर तनाव दूर होगा। खानपान की आदतों पर नियंत्रण रखें।

धनु — आज करियर को लेकर दिन काफी अच्छा रहेगा। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। घर की आवश्यकताओं के बोझ में दबे रहेंगे। लोग आपके साथ होने का दिखावा कर सकते हैं। इसीलिए अपना मत प्रकट करने में सावधानी रखें।

मकर — आज कारोबार में बड़ा धन लाभ होगा। नौकरी में आपके अधिकार बढ़ेंगे। संपत्ति खरीदने का विचार बना सकते हैं। उच्च अधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे। भाई-बंधुओं के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रोमांटिक पलों का आनंद लेंगे।

कुंभ — आज का दिन थोड़ा तनावग्रस्त होगा। कुछ जरूरी कार्य अटक सकते हैं। कारोबार में अनुबंध होने की संभावना है। दांपत्य संबंधों में खर्चों के कारण थोड़ी खिट-पिट हो सकती है। ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे आपका अपमान हो।

मीन — आज चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। भावनात्मक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। छात्रों को मेहनत का उत्तम परिणाम मिलेगा। आपकी जीवनशैली अत्यंत व्यवस्थित रहेगी। विदेश में नौकरी कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है।

सुडोकू-39

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	3	2			6			9
7				2				
	1		9				5	
8					2		1	
4			7			9		
	2			5			6	
		8		6				1
2					3		8	
	4			7				5

सुडोकू - 38 का हल

6	1	3	5	4	8	2	7	9
5	9	7	6	1	2	3	4	8
2	4	8	9	3	7	6	5	1
3	7	2	4	9	5	8	1	6
9	6	4	8	7	1	5	3	2
1	8	5	3	2	6	7	9	4
4	5	9	2	8	3	1	6	7
7	2	6	1	5	9	4	8	3
8	3	1	7	6	4	9	2	5

हार्दिक पंड्या के बिना भारतीय टीम अधूरी है। वह बल्ले और गेंद से जो कर दिखाते हैं, वह कोई नहीं कर सकता। भारत अंतिम एकादश में वरुण या कुलदीप जैसे स्पिनर को शामिल करे, लेकिन नंबर आठ पर एक बल्लेबाज की जरूरत होगी।

आकाश चोपड़ा, पूर्व बल्लेबाज

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार, 22 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मुंबई इंडियंस की ली पर लगा जुर्माना

वडोदरा। दिल्ली कैपिटल्स की विकेटकीपर लिजेले ली पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच के दौरान डब्ल्यूपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन के लिए बुधवार को मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट अंक लगाया गया। डब्ल्यूपीएल ने कहा कि ली ने आचार संहिता की धारा 2.2 के तहत लेवल एक का अपराध स्वीकार कर लिया है जो मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण के अनादर को लेकर है। इसके लिए मैच रैफरी का फैसला अंतिम और सर्वमान्य होता है। यह घटना दिल्ली की पारी के 11वें ओवर की थी जब ली को तीसरे अंपायर के रिव्यू के बाद 46 के स्कोर पर स्टम्प आउट करार दिया गया। फैसले से नाखुश ली ने बाद में पुरस्कार समारोह में कहा कि विकेटकीपर ने अच्छा काम किया लेकिन मुझे इसके बारे में इतना ही कहना है। दिल्ली ने मैच में मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराया।

केकेआर ने दिशांत को फील्डिंग कोच बनाया

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2026 के सत्र से पहले पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिशांत याग्निक को बुधवार को टीम का फील्डिंग कोच बनाया है। केकेआर ने कहा कि याग्निक अपने साथ भरपूर अनुभव और फील्डिंग में उत्कृष्टता की गहरी समझ लेकर केकेआर में शामिल होंगे। फ्रेंचाइजी आईपीएल में नए सहायक स्टाफ के साथ उतरेगी, जिसमें अभिषेक नायर (मुख्य कोच) के अलावा डेरेन ब्रावो (मेंटोर-मार्गदर्शक), शेन वॉटसन (सहायक कोच), टिम साउदी (गेंदबाजी कोच) और आंद्रे रसेल (पावर कोच) शामिल हैं। आईपीएल से पहले याग्निक का केकेआर में शामिल होना पूर्व क्रिकेटर के कोचिंग करियर में एक नया अध्याय जोड़ेगा।

निशानेबाजी में सेन शीर्ष पर, मनु-ऐश्वर्य भी जीते

नई दिल्ली। तिलोत्तमा सेन ने महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन (3पी) में दूसरी बार शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के टी1 फाइनल में दमदार जीत दर्ज की। पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में टी1 में तीसरे स्थान पर रहने वाले ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित टी2 में पहला स्थान हासिल किया। तिलोत्तमा ने बुधवार को फाइनल में फिर संयमित प्रदर्शन करते हुए 50 मीटर राइफल 3पी में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। आयुषी दूसरे स्थान पर रहीं। सुरभि भारद्वाज रापोले 348.3 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

राष्ट्रीय कॉन्क्लेव सेतु 2026 ग्वालियर में

नई दिल्ली। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के सहयोग से ग्वालियर स्थित लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) शुक्रवार से दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्क्लेव सेतु 2026 की मेजबानी करेगा, जिसमें प्रशासक, कोच और शिक्षाविद् भारत में खेल शिक्षा और ट्रेनिंग के भविष्य पर मंथन करने के लिए एकत्र होंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के अनुसार, यह कॉन्क्लेव देशभर के नीति-निर्माताओं, शिक्षाविदों, खेल प्रशासकों, कोच, खेल वैज्ञानिकों और उद्योग जगत के हितधारकों को एक मंच पर लाने को आयोजित हो रहा है।

अभिषेक का विस्फोटक पचासा, भारत 48 रनों से जीता

पांच मैच की शृंखला में भारत की 1-0 से बढ़त, रिंकू ने भी की धमाकेदार बल्लेबाजी

अभिषेक शर्मा

- ग्लेन फिलिप्स के अर्धशतक के बावजूद न्यूजीलैंड को मिली हार

नागपुर, एजेंसी

भारत ने अभिषेक शर्मा की 35 गेंद में 84 रन की विस्फोटक पारी से बुधवार को पहले टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड को 48 रनों से हराया। इस तरह पांच मैच की शृंखला में भारत 1-0 से आगे हो गया। टी20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज अभिषेक ने अपनी पारी में आठ छक्के और पांच चौके लगाए। रिंकू सिंह ने अंत में 20 गेंद में नाबाद 44 रन बनाए। इससे भारत ने 7 विकेट पर 238 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने एक रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। ग्लेन फिलिप्स (78 रन) के अर्धशतक के बावजूद टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 190 रन ही बना सकी। भारत ने इस दौरान न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों को आउट करने के कई मौके गंवाए। लेकिन बड़ा स्कोर होने से भारत को जीत दर्ज करने में परेशानी नहीं हुई। अर्शदीप सिंह ने भारत की शानदार शुरुआत कराई और पारी की दूसरी ही गेंद पर डेवोन कॉनवे को विकेटकीपर संजू सैमसन के हाथों कैच कराया। दूसरे ओवर में हार्दिक पंड्या ने रचिन रविंद्र को आउट किया, जिससे न्यूजीलैंड ने एक रन पर दो विकेट गंवा दिए। टिम रॉबिन्सन (21) सातवें ओवर में वरुण चक्रवर्ती की गेंद पर पवेलियन लौट गए। फिलिप्स और मार्क चैपमैन (39 रन) ने 42 गेंद में 79 रन जोड़े। लेकिन अक्षर पटेल ने 14वें ओवर में फिलिप्स को चलता किया। दूबे ने अंतिम ओवर में लगातार गेंद पर डेरिल मिचेल (28 रन) और क्रिस्टियन क्लार्क (0) के विकेट लिए। कप्तान मिचेल सैंटनर 20 रन बनाकर नाबाद रहे।

इससे पहले अभिषेक और कप्तान सूर्यकुमार यादव (32 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी की। अंत में रिंकू को भी लंबे समय बाद अच्छी पारी खेलने का मौका मिला। उन्होंने अपनी नाबाद पारी में चार चौके और तीन छक्के लगाए। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद भारत ने संजू सैमसन (10 रन) और ईशान किशन (08) के

रिंकू सिंह

तौर पर जल्दी विकेट गंवा दिए। अभिषेक ने जैकब डफी पर अपनी पारी का पहला छक्का जड़ा जो यह साइट स्क्रीन पर गया था। पंजाब के बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने दो विकेट गिरने का असर खुद पर नहीं पड़ने दिया और उनकी बल्लेबाजी की खासियत उनकी बल्ले की तेज स्पीड है। क्रिस्टियन क्लार्क और काइल जैमीसन की गेंदें सपाट पिच पर 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आ रही थीं और बाउंड्री के पार जा रही थीं। अभिषेक ने अपनी पारी के चार छक्के जड़ने के बाद पहले तीन चौके स्पिनर ग्लेन फिलिप्स की गेंदबाजी पर लगाए। वहीं दूसरे छोर पर सूर्यकुमार थोड़े संघर्ष करते दिखे। लेकिन डफी की गेंद पर बैक-फुट पर चौका और क्लार्क की गेंद पर स्क्वायर के पीछे एक जोरदार छक्का लगाने के दौरान भारतीय कप्तान में पुरानी झलक दिखाई दी। लेकिन वह अब भी अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म से काफी दूर है।

कप्तान मिचेल सैंटनर (तीन ओवर में 37 रन देकर एक विकेट) ने लगाम लगाने की कोशिश की और उन्हें सफलता जब मिली तब सूर्यकुमार लॉग-ऑन पर कैच आउट हो गए। अभिषेक ने अपना कहर जारी रखा। हालांकि वह अगले ही ओवर में आउट हो गए जब लेग-स्पिनर ईश सोढ़ी ने अपनी लेग-ब्रेक की लेंथ थोड़ी कम की और जैमीसन ने उनका कैच लपक लिया। आखिर में रिंकू को प्रभाव डालने के लिए काफी गेंदें मिलीं और उन्होंने डेरिल मिचेल के पहले और पारी के अंतिम ओवर में 21 रन बनाकर टीम को इस स्कोर तक पहुंचाया।

भारत

238/7 (20 ओवर)

संजू का रचिन रविंद्र बो जैमीसन	10
अभिषेक का जैमीसन बो सोढी	84
ईशान किशन का चैपमैन बो डफी	08
सूर्यकुमार का रॉबिन्सन बो सैंटनर	32
हार्दिक पंड्या का चैपमैन बो डफी	25
शिवम दूबे का एवं बो जैमीसन	09
रिंकू सिंह नाबाद	44
अक्षर पटेल का मिचेल बो क्लार्क	05
अर्शदीप सिंह नाबाद	06

गेंदबाजी: जैकब डफी 4-0-27-2, काइल जैमीसन 4-0-54-2, क्रिस्टियन क्लार्क 4-0-40-1, ईश सोढी 3-0-38-1, ग्लेन फिलिप्स 1-0-20-0, मिचेल सैंटनर 3-0-37-1, डेरिल मिचेल 1-0-21-0

न्यूजीलैंड

190/7 (20 ओवर)

कॉनवे का सैमसन बो अर्शदीप	00
रॉबिन्सन का शिवम बो चक्रवर्ती	21
रचिन का अभिषेक बो हार्दिक	01
ग्लेन फिलिप्स का दूबे बो पटेल	78
चैपमैन का अभिषेक बो चक्रवर्ती	39
मिचेल का सब (बिश्नोई) बो दूबे	28
मिचेल सैंटनर नाबाद	20
क्रिस्टियन क्लार्क का रिंकू बो दूबे	00
काइल जैमीसन नाबाद	01

गेंदबाजी: अर्शदीप सिंह 4-0-31-1, हार्दिक पंड्या 2-0-20-1, जसप्रीत बुमराह 3-0-29-0, अक्षर पटेल 3.3-0-42-1, वरुण चक्रवर्ती 4-0-37-2, शिवम दूबे 3-0-28-2, अभिषेक शर्मा 0.3-0-3-0

टी20 विश्व कप : बीसीबी को झटका बांग्लादेश के मैच भारत में ही होंगे

- आईसीसी बोर्ड की बैठक में लिया गया निर्णय
- मैचों को बांग्लादेश ने श्रीलंका में कराने का किया था अनुरोध

दुबई, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के टी20 विश्व कप के अपने मैचों को श्रीलंका में स्थानांतरित करने के अनुरोध को खारिज कर दिया। आईसीसी ने स्पष्ट किया कि मैच निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे क्योंकि भारत में टूर्नामेंट के किसी भी स्थल पर बांग्लादेश के खिलाड़ियों, अधिकारियों या प्रशंसकों की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है। यह निर्णय आईसीसी बोर्ड की वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए आयोजित बैठक में लिया गया, जो बीसीबी द्वारा भारत में खेलने को लेकर चिंता जताने और आयोजन स्थलों में बदलाव की मांग के बाद चर्चा को बुलाई गई थी।

आईसीसी के अनुसार, बोर्ड ने स्वतंत्र मूल्यांकनों सहित कई सुरक्षा आकलन की समीक्षा की, जिनमें से सभी ने निष्कर्ष निकाला कि भारत में टूर्नामेंट के किसी भी स्थल पर बांग्लादेश के खिलाड़ियों, अधिकारियों, मीडियाकर्मियों या प्रशंसकों की सुरक्षा के लिए कोई खतरा नहीं था। आईसीसी ने कहा कि अब इतने कम समय में कार्यक्रम में बदलाव करना संभव नहीं है और सुरक्षा जोखिम की पुष्टि न होने पर मैचों में बदलाव करना भविष्य के वैश्विक आयोजनों के लिए अवांछनीय मिसाल कायम कर सकता है। आईसीसी ने कहा कि बोर्ड ने गौर किया कि मौजूदा परिस्थितियों में मैचों को स्थानांतरित करने से आईसीसी प्रतियोगिताओं की पवित्रता खतरे में पड़ सकती है और एक वैश्विक शासी निकाय के रूप में संगठन की निष्पक्षता कमजोर हो सकती है।

क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था ने कहा कि उसके प्रबंधन ने पिछले कुछ सप्ताह में बीसीबी के साथ कई बैठकें और पत्राचार किए हैं, जिसमें टूर्नामेंट की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की गई है। इनमें आयोजन स्थल से जुड़ी विशिष्ट योजनाएं और संघीय और राज्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों को शामिल करते हुए स्तरीय सुरक्षा का आश्वासन शामिल था।

पीसीबी ने किया बांग्लादेश का समर्थन

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सुरक्षा कारणों से भारत में टी20 विश्व कप खेलने से बांग्लादेश के इन्कार का समर्थन किया है और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भेजे पत्र में बांग्लादेश के मैचों की मेजबानी की पेशकश की। बांग्लादेश को ग्रुप चरण के चारों मैच भारत में खेलने हैं, जिनमें से पहले तीन कोलकाता में और एक मुंबई में होना है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अपनी सरकार के समर्थन से भारत जाने से इन्कार किया और उसके मैच श्रीलंका में कराने की मांग की थी। पीसीबी के सूत्र ने बताया कि पीसीबी ने ईमेल में कहा है कि बीसीबी की मांग जायज है और इसे स्वीकार किया जाना चाहिए और अगर बांग्लादेश के मैचों को श्रीलंका में करने में समस्या है तो पाकिस्तान उसके सभी मैचों की मेजबानी को तैयार है। पीसीबी ने इस मसले पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है लेकिन बोर्ड के सूत्रों ने कहा कि बांग्लादेश सरकार ने आईसीसी में सहयोग के लिए पाकिस्तान से संपर्क किया था। पाकिस्तान के सारे मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत श्रीलंका में होंगे।

खेल मंत्रालय ने साई से एसओपी तैयार करने के लिए कहा

नई दिल्ली। ओलंपिक की मेजबानी की चाहत रखने वाले भारत पर बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय निगरानी को ध्यान में रखते हुए खेल मंत्रालय ने साई (भारतीय खेल प्राधिकरण) से मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने को कहा है ताकि हाल में यहां हुए बैडमिंटन इंडिया ओपन में हुई चूक दोबारा नहीं हों। इंडियन ओपन में कोर्ट पर पक्षियों की बीट, दर्शक दीर्घा में बंदर और ट्रेनिंग सुविधाओं में अस्वच्छता ने टूर्नामेंट की छवि को नुकसान पहुंचाया।

टाटा स्टील मास्टर्स : गुकेश ने प्रज्ञानानंद से ड्रॉ खेला

विज्क आन जी (नीदरलैंड), एजेंसी

विश्व चैंपियन डी गुकेश ने हमवतन आर प्रज्ञानानंद के साथ अंक बांटकर टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में लगातार चौथी बाजी ड्रॉ खेली जबकि अर्जुन एरिगैसी भी अनीश गिरी के डिफेंस को नहीं तोड़ सके।

प्रज्ञानानंद का इस टूर्नामेंट में सफर अभी तक अच्छा नहीं रहा है। उन्हें दो बाजियों में हार का सामना करना पड़ा जबकि दो बाजी ड्रॉ खेली। वह गिरी के साथ तालिका में सबसे नीचे हैं। भारत के एक अन्य खिलाड़ी अरविंद चिदंबरम को अमेरिकी खिलाड़ी हैंस मोके नीमन के हाथों अपनी पहली हार का सामना करना पड़ा, जबकि नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने चेक गणराज्य के खिलाड़ी दाई वान गुयेन को पराजित किया। अब्दुसत्तोरोव और नीमन चार में से तीन अंकों के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं, जबकि अर्जुन एरिगैसी, उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव और नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरस्ट उनके ठीक पीछे हैं। सिंदारोव ने जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम को हराया।

- अर्जुन एरिगैसी भी अनीश गिरी के डिफेंस को नहीं तोड़ सके, अरविंद चिदंबरम को भी मिली हार

शीर्ष से फिसले कोहली, मिचेल ने बनाई जगह

आईसीसी वनडे रैंकिंग

- मिचेल ने ताजा शृंखला में दो शतक लगाए और 54वीं पारी में तेज नौ वनडे शतक पूरा करने वाले चौथे खिलाड़ी बने

दुबई, एजेंसी

न्यूजीलैंड के आक्रामक बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने हाल में संपन्न शृंखला में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली को ताजा आईसीसी वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष स्थान से हटा दिया। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ यह शृंखला 2-1 से अपने नाम की थी। इस तरह उसने भारतीय सरजमीं पर पहली बार वनडे शृंखला जीतकर 37 साल का इंतजार खत्म किया था।

मिचेल ने शृंखला में दो शतक लगाए और 54वीं

पारी में सबसे तेज नौ वनडे शतक पूरे करने वाले चौथे पुरुष खिलाड़ी बन गए। केवल इमाम-उल-हक (48), हाशिम अमला (52) और क्विंटन डिकॉक (53) ही उनसे आगे हैं। हैमिल्टन में जन्मे मिचेल अपने करियर की शीर्ष फॉर्म में हैं। उन्होंने तीन मैच की शृंखला में 352 रन बनाए। किसी तीन मैच की वनडे शृंखला में यह न्यूजीलैंड के खिलाड़ी द्वारा बनाए सर्वाधिक रन हैं और यह तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उनसे आगे केवल पाकिस्तान के बाबर आजम (2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 360 रन) और भारत के शुभमन गिल (2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 360 रन) हैं।

आईसीसी ने कहा कि 845 रैंकिंग अंक के साथ मिचेल ने कोहली (795 अंक) की जगह ली है जो अब दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। दोनों बल्लेबाजों के बाद इब्राहिम जदरान, रोहित शर्मा, शुभमन गिल और बाबर आजम मौजूद हैं। यह दूसरी बार है जब मिचेल ने वनडे क्रिकेट में शीर्ष रैंकिंग हासिल की है। इससे पहले वह पिछले साल नवंबर में सिर्फ तीन दिन के लिए शीर्ष पर रहे थे जिसके बाद रोहित शर्मा ने उन्हें पछाड़ दिया था। भारत के खिलाफ उसकी सरजमीं पर खेले गए वनडे मैच में दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स (पांच शतक) के बाद मिचेल (चार शतक) दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन एलेक्स डि मिनौर ने हमाद मेदजेदोविच को और एलिना स्वितोलिना ने लिंडा क्लिमोविकोवा को दी मात

सबालेंका, गॉफ, अल्काराज और ज्वेरेव तीसरे दौर में पहुंचे

- अल्काराज ने हंफमैन को हराकर तीसरे दौर में जगह की पक्की

मेलबर्न, एजेंसी

दुनिया की शीर्ष तीन महिला टेनिस खिलाड़ियों में से दो एरिना सबालेंका और कोको गॉफ ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर में पहुंच गई। पुरुष वर्ग में कार्लोस अल्काराज और एलेक्जैंडर ज्वेरेव भी जीत गए।

सबालेंका ने चीन की बाइ झोउशुआन को 6-3, 6-1 से हराया। वहीं तीसरी वरीयता प्राप्त गॉफ ने ओल्गा डानिलोविच को मात दी। अल्काराज ने जर्मनी के यानिक हंफमैन को हराया। ज्वेरेव ने एलेक्जैंडर मुलर को शिकस्त दी। स्थानीय दावेदार एलेक्स डि मिनौर ने हमाद मेदजेदोविच को मात दी और अब उनका सामना फ्रांसेस टियाफो से होगा, जिन्होंने फ्रांसिस्को कोमेसाना को हराया। सबालेंका का सामना अब अनास्तासिया पोपापोवा से होगा जिन्होंने पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन एम्मा राडूकानू को हराया।

महिला वर्ग के एक अन्य मैच में 12वीं वरीयता प्राप्त यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने पोलैंड की लिंडा क्लिमोविकोवा को मात दी। तुर्की की जेनेप सोंमेज ने अन्ना बोंडर को हराया। पुरुष वर्ग में 11वीं वरीयता प्राप्त और 2021 अमेरिकी ओपन चैंपियन दानिल मेदवेदेव ने क्वेंटिन हालिस को हराया जबकि 13वीं वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव ने जैमी फारिया को मात दी। 19वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने थियागो आगस्टिन को हराया।

भांबरी और गोरानसन पुरुष युगल के दूसरे दौर में

भारत के शीर्ष युगल खिलाड़ी युकी भांबरी और स्वीडन के उनके जोड़ीदार आंद्रे गोरानसन ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष युगल के दूसरे दौर में जगह बनाई। भांबरी और गोरानसन की दसवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने कोर्ट नंबर 13 पर चले मुकाबले में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले ऑस्ट्रेलिया के जेम्स डकवर्थ और क्रूज़ हेविट को 6-3 6-4 से हराया। अगर प्रतिशत के आंकड़ों पर गौर करें तो भांबरी और गोरानसन ने पहली सर्विस पर 97 प्रतिशत अंक जीते। दूसरी पर उन्होंने 91 प्रतिशत अंक जीते। भांबरी और गोरानसन ने प्रतिद्वंद्वियों की सर्विस को दो बार तोड़ा और पूरे मैच में एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं किया, जिससे वे पूरे समय नियंत्रण बनाए रखने में सफल रहे। निकी पूनाचा और थाईलैंड के उनके जोड़ीदार प्रुच्य इसारो मंगलवार को पेड्रो मार्टिनेज और जौमे मुनार से सीधे सेटों में हारकर पुरुष युगल से बाहर हो गए थे।

सिंधु, लक्ष्य, श्रीकांत और अनमोल इंडोनेशिया मास्टर्स के दूसरे दौर में

जकार्ता, एजेंसी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत बुधवार को इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में कुछ विषम परिस्थितियों से गुजरने के बाद दूसरे दौर में जगह बनाने में सफल रहे। पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधु ने महिला एकल के पहले दौर के मैच में जापान की मनामी सुइजु पर कड़े मुकाबले में जीत दर्ज की।

विश्व रैंकिंग में 33वें स्थान पर काबिज श्रीकांत ने जापान के कोकी वातानाबे को हराया। अब उनका मुकाबला चौथे वरीयता प्राप्त चोउ तिएन चेन से होगा, जिन्होंने आयरलैंड के न्हाट गुयेन को हराया। लक्ष्य सेन ने पहले दौर में चीनी ताइपे के वांग त्जु वेई पर जीत दर्ज की। उनका अगला मुकाबला हांगकांग के जेसन गुनावन से होगा। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में अनमोल खरब ने चीनी ताइपे के पाई यू पो पर सीधे गेम में जीत दर्ज कर दूसरे दौर में प्रवेश किया। हालांकि आयुष शेट्टी, एचएस प्रणय और किरण जॉर्ज पहले ही दौर में बाहर हो गए। आयुष को इंडोनेशिया के अलवी फरहान से और किरण को इंडोनेशिया के मोह जकी उबैदिल्ला से हार मिली। प्रणय को केवल 35 मिनट तक चले मैच में मलेशिया के ली ज़ी जिया ने बाहर का रास्ता दिखाया।

महिला एकल में मालविका बंसोड़ को कनाडा की मिशेल ली से हार मिली। विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा जापान की तोमोका मियाजाकी से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। महिला एकल के एक अन्य मैच में आकर्षी कश्यप डेनमार्क की जूली डावल जैकबसेन से हारीं। मिश्रित युगल में भारत का अभियान पहले ही दौर में समाप्त हो गया। रोहन कपूर और रुथविका गड्डे को फ्रांस के थॉम गिक्वेल और डेल्फिन डेलरू से जबकि ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो को फ्रांस के जूलियन मायो और लीया पालेर्मो से हार मिली।

- आयुष, प्रणय और किरण जॉर्ज पहले ही दौर में बाहर, मिश्रित युगल में भारतीय चुनौती समाप्त